किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो0: 9891706853

दैनिक
राष्ट्रीय संस्करण
RNI: UPHIN/2021/84200

समाज जागरण

नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित

वर्षः 4 अंकः 281 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) सोमवार 20 जुलाई 2026 http://samajjagran.in पृष्ठ - 12 मूल्य 05 रुपया

मध्य प्रदेश कैबिनेट ने यूसीसी विधेयक को दी मंजूरी, विधानसभा में जल्द होगा पेश

मुख्यमंत्री मोहन यादव बोले– 'क्या राम, क्या रहीम, सभी को मिलेगा बराबरी का अवसर'; सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली समिति ने तैयार किया मसौदा

समाज जागरण

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए रविवार को यूसीसी विधेयक-2026 को कैबिनेट की मंजूरी दे दी। राजधानी भोपाल से बाहर जगदीशपुर में आयोजित मंत्रिमंडल की बैठक में इस महत्वपूर्ण प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। अब इस विधेयक को आगामी विधानसभा सत्र में पेश किया जाएगा।

कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रेस वार्ता में बताया कि समान नागरिक संहिता

(यूसीसी) 2026 विधेयक को मंत्रिमंडल ने अनुमोदित कर दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य सभी नागरिकों को समान अधिकार और समान अवसर उपलब्ध कराना है।

मुख्यमंत्री ने कहा, "हमारे लिए क्या राम, क्या रहीम, सभी समान हैं। सभी को बराबरी का अवसर मिलेगा। यह कानून सामाजिक समानता और न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।"

व्यापक जनसंवाद के बाद तैयार हुआ विधेयक

मुख्यमंत्री ने बताया कि यूसीसी का मसौदा तैयार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया था। समिति ने प्रदेश के सभी जिलों और संभागों में जाकर विभिन्न वर्गों, सामाजिक संगठनों, धार्मिक प्रतिनिधियों और राजनीतिक दलों से व्यापक संवाद किया।

उन्होंने कहा कि राज्य स्तरीय बैठकों में विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ कई राजनीतिक दलों ने भी अपने सुझाव दिए। आम आदमी पार्टी और कम्युनिस्ट पार्टी ने चर्चा में भाग लिया, जबकि कांग्रेस ने इसमें हिस्सा नहीं लिया।

मुस्लिम समाज से भी मिला समर्थन

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने दावा किया कि यूसीसी पर हुई चचाओं के दौरान मुस्लिम समुदाय से भी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। उनके अनुसार, लगभग 80 प्रतिशत मुस्लिम महिलाओं और 40 प्रतिशत पुरुषों ने समान नागरिक संहिता के समर्थन में अपनी राय व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि कई लोगों ने यह माना कि ऐसा कानून महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करेगा तथा परिवार और समाज में न्याय एवं समानता को मजबूत बनाएगा।

विकसित भारत के विजन से जोड़ा

मुख्यमंत्री ने यूसीसी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "विकसित भारत-2047" के संकल्प से जोड़ते हुए कहा कि यह "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" की भावना के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति का मूल भाव समानता, एकता और सामाजिक सद्भाव रहा है और यूसीसी उसी भावना को आगे बढ़ाने का प्रयास है।

विधानसभा में पेश होगा विधेयक

कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद अब यूसीसी विधेयक को मध्य प्रदेश विधानसभा में पेश किया जाएगा। विधानसभा से पारित होने के बाद यह कानून राज्य में लागू होने की दिशा में आगे बढ़ेगा। सरकार का कहना है कि यह कदम कानूनी एकरूपता, सामाजिक न्याय और समान नागरिक अधिकारों को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। (इनपुटः आईएएनएस)

सऊदी अरब के साथ परमाणु समझौते की तैयारी में अमेरिका, यूरेनियम संवर्धन की मिल सकती है अनुमति

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने सऊदी अरब के साथ एक महत्वपूर्ण असैन्य परमाणु (सिविल न्यूक्लियर) समझौते का मसौदा तैयार किया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस प्रस्तावित समझौते के तहत सऊदी अरब को अपने शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के लिए सीमित दायरे में यूरेनियम संवर्धन (यूरेनियम एनरिचमेंट) की अनुमति दी जा सकती है।

हालांकि, इस समझौते पर अभी राष्ट्रपति ट्रंप के हस्ताक्षर नहीं हुए हैं और न ही इसे अमेरिकी कांग्रेस की मंजूरी के लिए भेजा गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह समझौता लागू होता है तो इससे क्षेत्रीय सुरक्षा और परमाणु प्रसार को लेकर नई बहस छिड़ सकती है।

सऊदी अरब का कहना है कि उसका उद्देश्य परमाणु ऊर्जा के जरिए ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाना और बिजली उत्पादन क्षमता बढ़ाना है, जबकि आलोचकों को आशंका है कि भविष्य में ऐसी तकनीक का सैन्य उपयोग भी संभव हो सकता है। फिलहाल इस प्रस्तावित समझौते पर अंतिम निर्णय होना बाकी है।

पाकिस्तान में आंतरिक संकट गहराया, बलूचिस्तान को लेकर बढ़ी हलचल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में आंतरिक संकट के बीच बलूचिस्तान को लेकर

अलगाववादी गतिविधियां एक बार फिर चर्चा में हैं। कुछ बलूच संगठनों ने स्वतंत्रता संबंधी दावे किए हैं, हालांकि पाकिस्तान सरकार ने इन्हें खारिज किया है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बलूचिस्तान को पाकिस्तान का ही हिस्सा माना जाता है। वहीं, पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आर्थिक और राजनीतिक मुद्दों को लेकर विरोध प्रदर्शन जारी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन घटनाक्रमों ने पाकिस्तान सरकार के सामने आंतरिक सुरक्षा और राजनीतिक स्थिरता की चुनौती बढ़ा दी है।

---

20 जुलाई से ऑस्ट्रेलिया में गरजेगा भारत का राफेल, 'पिच ब्लैक-2026' में दिखेगी वायु शक्ति

7 अगस्त तक चलेगा बहुराष्ट्रीय हवाई युद्ध अभ्यास • डार्विन एयरबेस पर भारतीय वायु सेना की दमदार मौजूदगी • राफेल, C-17 ग्लोबमास्टर और IL-78 टैंकर विमान होंगे शामिल

समाज जागरण

नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) 20 जुलाई से ऑस्ट्रेलिया के रॉयल ऑस्ट्रेलियन एयर फोर्स (आरएएएफ) बेस डार्विन में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय हवाई युद्ध अभ्यास 'एक्सरसाइज पिच ब्लैक-2026' में हिस्सा लेने जा रही है। यह अभ्यास 20 जुलाई से 7 अगस्त 2026 तक चलेगा और इसमें दुनिया की कई प्रमुख वायु सेनाएं भाग लेंगी।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, 'पिच ब्लैक' आरएएएफ का प्रमुख द्विवार्षिक (हर दो वर्ष में आयोजित होने वाला) सैन्य अभ्यास है। इसका उद्देश्य भाग लेने वाले देशों की वायु सेनाओं के बीच परिचालन समन्वय, युद्धक क्षमता और आपसी तालमेल को मजबूत करना है।

राफेल संभालेगा मोर्चा

भारतीय वायु सेना की टुकड़ी में पायलट, इंजीनियर, तकनीशियन, एयर ट्रैफिक कंट्रोलर और अन्य विशेषज्ञ शामिल हैं। इस अभ्यास में भारत की ओर से राफेल मल्टी-रोल लड़ाकू विमान अपनी क्षमता का प्रदर्शन करेंगे। इनके संचालन

में सी-17 ग्लोबमास्टर-III रणनीतिक परिवहन विमान और आईएल-78 एयर-टू-एयर रिफ्यूलिंग विमान सहयोग प्रदान करेंगे।

रात के अंधेरे में युद्ध जैसी चुनौती

इस अभ्यास का नाम 'पिच ब्लैक' उत्तरी ऑस्ट्रेलिया के विशाल निर्जन क्षेत्रों में रात के समय संचालित विशेष हवाई अभियानों के कारण रखा गया है। अभ्यास के दौरान वास्तविक युद्ध जैसी परिस्थितियों में लंबी दूरी के अभियान, सामूहिक हवाई हमले, समन्वित मिशन और आधुनिक युद्ध रणनीतियों का अभ्यास किया जाएगा।

45 वर्षों का गौरवशाली इतिहास

करीब 45 वर्षों से आयोजित हो रहे इस प्रतिष्ठित सैन्य अभ्यास में इस बार बड़ी संख्या में मित्र देशों की वायु सेनाएं भाग लेंगी। इसका उद्देश्य बहुराष्ट्रीय सैन्य सहयोग को मजबूत करना, अंतर-संचालनीयता बढ़ाना तथा आधुनिक युद्ध तकनीकों और सर्वोत्तम परिचालन अनुभवों का आदान-प्रदान करना है।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में मजबूत होगी साझेदारी

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, पिच ब्लैक-2026 हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग को नई मजबूती देगा। अभ्यास के दौरान विभिन्न देशों की वायु सेनाएं जटिल और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में संयुक्त अभियान चलाने का अभ्यास करेंगी, जिससे आपसी विश्वास, समन्वय और सामरिक साझेदारी को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्य बिंदु

अभ्यासः एक्सरसाइज पिच ब्लैक-2026
अवधिः 20 जुलाई – 7 अगस्त 2026
स्थानः आरएएएफ बेस, डार्विन (ऑस्ट्रेलिया)
भारतीय विमानः राफेल, C-17 ग्लोबमास्टर-III, IL-78
उद्देश्यः बहुराष्ट्रीय हवाई युद्ध अभ्यास, अंतर-संचालनीयता और सामरिक सहयोग बढ़ाना
भारत की भागीदारीः 2018, 2022, 2024 के बाद चौथी बार

पहले भी दिखा चुका है दम

भारतीय वायु सेना इससे पहले 2018, 2022 और 2024 में भी इस अभ्यास में सफलतापूर्वक भाग ले चुकी है। लगातार भागीदारी भारत की बढ़ती सैन्य क्षमता, वैश्विक रक्षा सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा के प्रति उसकी मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

बिहार की पहली रिवर लिंक परियोजना का शुभारंभ, बेलवा से बूढ़ी गंडक तक पहुंचा बागमती का पानी

- 130.88 करोड़ की बेलवा-मीनापुर लिंक चैनल परियोजना का उद्घाटन
- 68.80 किमी लंबे चैनल से सिंचाई और बाढ़ प्रबंधन को मिलेगी मजबूती
- करीब 50 लाख किसानों को होगा लाभ

समाज जागरण

शिवहर (बिहार)। बिहार ने जल संसाधन प्रबंधन के क्षेत्र में एक नया इतिहास रचते हुए राज्य की पहली रिवर लिंक (नदी जोड़ो) परियोजना का शुभारंभ कर दिया है। रविवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शिवहर जिले के बेलवा डैम से बागमती नदी का पानी लिंक चैनल के माध्यम से मुजफ्फरपुर के मीनापुर स्थित बूढ़ी गंडक नदी की ओर प्रवाहित कर परियोजना का औपचारिक उद्घाटन किया। इस अवसर पर मंत्री, जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने 130 करोड़ 88 लाख रुपये की लागत से निर्मित बेलवा-मीनापुर लिंक चैनल का लोकार्पण किया। इसके साथ ही उन्होंने शिवहर जिले में 184 करोड़ 6 लाख 82 हजार रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास भी किया।

जल प्रबंधन की दिशा में ऐतिहासिक पहल

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि यह परियोजना बिहार में जल संसाधनों के वैज्ञानिक एवं समेकित प्रबंधन की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जल सुरक्षा, सिंचाई विस्तार और बाढ़ नियंत्रण को प्राथमिकता देते हुए दीर्घकालिक योजनाओं पर लगातार कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'समेकित जल संसाधन प्रबंधन' के विजन को धरातल पर उतारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

68.80 किलोमीटर लंबा लिंक चैनल

बागमती-बूढ़ी गंडक रिवर लिंक योजना के तहत शिवहर के बेलवा से मुजफ्फरपुर के मीनापुर तक लगभग 68.80 किलोमीटर लंबा लिंक चैनल तैयार किया गया है। 130.88 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य बाढ़ के अतिरिक्त जल का बेहतर प्रबंधन करना, सिंचाई क्षमता बढ़ाना और किसानों को पूरे वर्ष पर्याप्त पानी उपलब्ध कराना है।

50 लाख किसानों को मिलेगा लाभ

राज्य सरकार के अनुसार, इस परियोजना से करीब 50 लाख किसानों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। साथ ही लगभग 1.39 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि के लिए स्थायी सिंचाई व्यवस्था सुनिश्चित होगी। इससे कृषि उत्पादन बढ़ेगा, फसलों की उत्पादकता में सुधार होगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी।

परियोजना का लाभ विशेष रूप से शिवहर, सीतामढ़ी और मुजफ्फरपुर जिलों के किसानों को मिलेगा।

बाढ़ नियंत्रण में भी मिलेगी मदद

सरकार का कहना है कि यह परियोजना केवल सिंचाई तक सीमित नहीं है, बल्कि हर वर्ष बागमती नदी में आने वाली बाढ़ के प्रभाव को कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

अधिकारियों के अनुसार, बाढ़ के समय अतिरिक्त पानी को लिंक चैनल के माध्यम से बूढ़ी गंडक नदी में प्रवाहित किया जाएगा, जिससे जल निकासी बेहतर होगी और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जलभराव तथा नुकसान कम करने में सहायता मिलेगी।

जल संसाधनों के बेहतर उपयोग की दिशा में बड़ा कदम

राज्य सरकार का मानना है कि बिहार की पहली रिवर लिंक परियोजना जल संसाधनों के संतुलित उपयोग, कृषि विकास, सिंचाई विस्तार और बाढ़ प्रबंधन के लिए मील का पत्थर साबित होगी। आने वाले वर्षों में इस मॉडल के आधार पर राज्य में अन्य नदी जोड़ो परियोजनाओं की संभावनाओं को भी बल मिलेगा। (इनपुटः आईएएनएस)

मानसून सत्र से पहले बदलेगा लोकसभा का 'भूगोल', 48 सांसदों की सीटें बदलेंगी

राजनीतिक फेरबदल का असर संसद तक पहुंचा • लोकसभा सचिवालय ने बदली बैठने की व्यवस्था • सत्ता पक्ष और विपक्ष की बेंचों पर दिखेगी नई तस्वीर

समाज जागरण

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र की शुरूआत के साथ ही लोकसभा का नजारा बदला-बदला दिखाई देगा। राजनीतिक दलों के भीतर हुए बदलाव, नए समीकरण और दल-बदल की घटनाओं का असर अब सदन की बैठने की व्यवस्था पर भी साफ नजर आएगा। लोकसभा सचिवालय ने सत्र शुरू होने से पहले 48 सांसदों की सीटों में बदलाव किया है। नई व्यवस्था मानसून सत्र के पहले दिन से लागू होगी।

संसदीय परंपरा के अनुसार लोकसभा में सांसदों की सीटों का निर्धारण समय-समय पर दलों की स्थिति, संख्या बल और संसदीय

आवश्यकताओं के आधार पर किया जाता है। इस बार कई राजनीतिक घटनाक्रमों के बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की बेंचों का स्वरूप बदल गया है।

सदन में दिखेंगे नए राजनीतिक समीकरण

लोकसभा की नई बैठक व्यवस्था केवल सीटों का बदलाव नहीं है, बल्कि बदलते राजनीतिक समीकरणों की झलक भी है। सत्ता पक्ष और विपक्ष की बेंचों पर नए चेहरे और नए समूह दिखाई देंगे, जिससे संसद की कार्यवाही के दौरान राजनीतिक तस्वीर पहले से अलग नजर आएगी।

मानसून सत्र पर रहेगी सबकी नजर

मानसून सत्र के दौरान कई महत्वपूर्ण विधेयकों और राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। ऐसे में बदले हुए राजनीतिक समीकरणों और नई बैठक व्यवस्था के बीच संसद की कार्यवाही पर सभी की निगाहें रहेंगी।

तीन बड़े राजनीतिक घटनाक्रम बने वजह

1. कांग्रेस-डीएमके गठबंधन में बदलाव
लोकसभा सचिवालय के अनुसार, तमिलनाडु की राजनीति में आए बदलाव के बाद द्रविड़ मुनेत्र कड़गम ने अपने 22 सांसदों की बैठने की व्यवस्था बदलने का अनुरोध किया था। इसके बाद सभी संबंधित सांसदों की सीटों में परिवर्तन किया गया है।

2. शिवसेना सांसद सत्ता पक्ष में
महाराष्ट्र की राजनीति में हुए घटनाक्रम के बाद शिवसेना के 6 सांसद एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ जुड़ गए। अब ये सांसद विपक्ष की बजाय सत्ता पक्ष की बेंचों पर बैठेंगे।

3. टीएमसी के बागी सांसदों की अलग व्यवस्था
तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों ने स्वयं को एनसीपीआई के रूप में मान्यता देने की मांग लोकसभा अध्यक्ष से की है। इसके बाद इन सांसदों के लिए मूल टीएमसी से अलग बैठने की व्यवस्था की गई है।

नोएडा के गर्ल्स पीजी में एसी फटने से लगी भीषण आग, 11 लोगों की समय रहते बची जान

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर के सेक्टर-19 स्थित एक गर्ल्स पीजी में रविवार सुबह एसी में शॉर्ट सर्किट के बाद भीषण आग लग गई। हादसा ए-ब्लॉक के मकान संख्या-682 की तीसरी मंजिल पर हुआ, जहां कई युवतियां पेइंग गेस्ट के रूप में रह रही थीं। समय रहते सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 11 बजे कमरे में लगे विंडो एसी में शॉर्ट सर्किट हुआ, जिसके बाद तेज धमाके के साथ आग भड़क उठी। कुछ ही मिनटों में आग ने पूरी तीसरी मंजिल को अपनी चपेट में ले लिया और पूरे भवन में धुआं भर गया।

रविवार होने के कारण अधिकांश लोग घर पर ही मौजूद थे। तेज धमाके की आवाज सुनकर पड़ोसियों ने बालकनी से धुआं उठता देखा और तुरंत पीजी में रह रही युवतियों को सतर्क किया।

अंतरराष्ट्रीय असुरक्षा के वातावरण में आर्थिक नियंत्रण देश की आवश्यकता।

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री जॉन मेनार्ड कीन्स का कथन था कि ह्लसंकट के समय विवेकपूर्ण उपभोग ही अर्थव्यवस्था को संतुलित रख सकता है ह्वविश्व अर्थव्यवस्था आज ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ युद्ध, ऊर्जा संकट और वैश्विक अस्थिरता ने आम जनजीवन को सीधे प्रभावित करना प्रारंभ कर दिया है। मध्य पूर्व एशिया में बढ़ते तनाव, अमेरिका इजरायल की सामरिक नीतियों तथा तेल उत्पादक क्षेत्रों में अस्थिरता ने पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में तीव्र वृद्धि कर दी है। इसका प्रभाव केवल अंतरराष्ट्रीय बाजार तक सीमित नहीं रहा, बल्कि भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले विकासशील देशों की घरेलू अर्थव्यवस्था पर भी स्पष्ट दिखाई देने लगा है। ऐसी परिस्थिति में आर्थिक मितव्ययता केवल एक सलाह नहीं, बल्कि सामाजिक आवश्यकता बन चुकी है। भारत की अर्थव्यवस्था का बड़ा भाग आयातित कच्चे तेल पर निर्भर है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमत बढ़ते ही परिवहन महँगा हो जाता है, जिससे खाद्यान्न, सब्जियाँ, दवाइयाँ, निर्माण सामग्री तथा दैनिक उपयोग की वस्तुओं तक की कीमतें बढ़ जाती हैं। यह स्थिति सामान्य परिवारों की आय और व्यय के बीच असंतुलन उत्पन्न करती है। मध्यमवर्ग और निम्नवर्ग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं क्योंकि उनकी आय सीमित होती है, जबकि आवश्यकताओं की सूची लगातार बढ़ती जाती है।

यदि व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं और इच्छाओं के बीच अंतर समझ ले, तो वह अनावश्यक खर्चों को नियंत्रित कर सकता है। मितव्ययता का अर्थ कंजूसी नहीं होता, बल्कि संसाधनों का बुद्धिमत्तापूर्ण उपयोग करना होता है।

भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन भी कई अवसरों पर यह कह चुके हैं कि भारत जैसे देशों में घरेलू बचत आर्थिक स्थिरता की रीढ़ होती है। जब परिवार बचत करते हैं, तब बैंकिंग व्यवस्था मजबूत होती है, निवेश बढ़ता है और भविष्य के संकटों से लड़ने की क्षमता विकसित होती है। यदि करोड़ों भारतीय परिवार प्रतिदिन केवल थोड़ी-सी भी बचत करना प्रारंभ कर दें, तो उसका राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर अत्यंत सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

आज की सबसे बड़ी समस्या यह है कि उपभोक्तावाद ने जीवन शैली को प्रभावित कर दिया है। लोग आवश्यकता से अधिक खर्च को प्रतिष्ठा का प्रतीक मानने लगे हैं। मोबाइल, फैशन, दिखावा, अनियोजित यात्राएँ और अनावश्यक विद्युत उपभोग धीरे-धीरे घरेलू बजट को कमजोर कर देते हैं। आर्थिक संकट के समय यही आदतें परिवारों को कर्ज और मानसिक तनाव की ओर धकेलती हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि बचत को किसी विशेष अवसर या अभियान तक सीमित न रखकर दैनिक व्यवहार का हिस्सा बनाया जाए।

नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन ने कहा था कि सच्चा विकास वही है जिसमें व्यक्ति भविष्य की असुरक्षाओं से स्वयं को सुरक्षित रखने में सक्षम हो। बचत व्यक्ति को वही सुरक्षा प्रदान करती है। छोटी बचतें भविष्य में बड़े सहारे बनती हैं। भारतीय संस्कृति में भी बूंद-बूंद से घड़ा भरता है की परंपरा रही है। पहले घरों में अनाज, धन और संसाधनों को सहेज कर रखने की परंपरा थी। आधुनिक जीवनशैली ने उस सोच को कमजोर किया है, किंतु वर्तमान वैश्विक परिस्थितियाँ पुनः उसी अनुशासन की ओर लौटने का संकेत दे रही हैं।

यदि पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों को देखें तो स्पष्ट होता है कि ईंधन की बचत भी राष्ट्रीय बचत है। छोटी दूरी के लिए पैदल चलना, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, वाहन का सीमित प्रयोग तथा ऊर्जा संरक्षण जैसी आदतें केवल व्यक्तिगत खर्च कम नहीं करतीं, बल्कि देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ने वाले दबाव को भी कम करती हैं। इसी प्रकार बिजली, पानी और गैस की बचत भी आर्थिक मितव्ययता का महत्वपूर्ण भाग है।

भारत जैसे देश में जहाँ जनसंख्या विशाल है, वहाँ छोटी-छोटी बचतें बड़े परिणाम उत्पन्न कर सकती हैं। यदि प्रत्येक परिवार प्रतिमाह थोड़ी राशि भी सुरक्षित रखे, तो आपातकालीन परिस्थितियों में आर्थिक अस्थिरता कम होगी। कोविड महामारी के दौरान यह स्पष्ट देखा गया कि जिन परिवारों के पास कुछ बचत थी, वे कठिन समय में अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित रहे।

प्रख्यात उद्योगपति और विचारक नारायण मूर्ति ने एक बार कहा था कि ह्लआर्थिक अनुशासन व्यक्तिगत समृद्धि का प्रथम सूत्र है ह्व वास्तव में अनुशासनहीन खर्च व्यक्ति को क्षणिक सुख तो दे सकता है, लेकिन भविष्य की सुरक्षा नहीं दे सकता। बचत केवल बैंक खाते में जमा धन नहीं होती, बल्कि वह आत्मविश्वास और स्थिरता का आधार भी होती है।

सरकारें अपनी नीतियों के माध्यम से महँगाई को नियंत्रित करने का प्रयास करती हैं, किंतु केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं होते। नागरिकों को भी अपनी आर्थिक जिम्मेदारी समझनी होगी। स्थानीय उत्पादों को अपनाना, अनावश्यक उपभोग कम करना, घरेलू बजट बनाना तथा बच्चों को बचत की शिक्षा देना समय की मांग है। परिवार यदि बच्चों को छोटी आयु से ही मितव्ययता का संस्कार देंगे, तो आने वाली पीढ़ियाँ आर्थिक रूप से अधिक मजबूत बन सकेंगी।आज आवश्यकता इस बात की है कि बचत को केवल महीने के अंत में बची राशि न माना जाए, बल्कि उसे जीवन दर्शन बनाया जाए। मितव्ययता व्यक्ति को संयम सिखाती है और समाज को स्थिरता प्रदान करती है। वैश्विक युद्ध और आर्थिक संकट कब समाप्त होंगे, यह निश्चित नहीं है, किंतु यदि समाज आर्थिक अनुशासन अपना ले, तो वह किसी भी संकट का सामना अधिक मजबूती से कर सकता है।

इन परिस्थितियों में यही कहा जा सकता है कि आर्थिक मितव्ययता एक दिन का संकल्प नहीं, बल्कि जीवनभर की आदत होनी चाहिए। भारत जैसे विशाल राष्ट्र में प्रत्येक नागरिक की छोटी बचत भी राष्ट्रीय शक्ति बन सकती है। जब व्यक्ति बचत करेगा, परिवार सुरक्षित होगा; परिवार सुरक्षित होगा, तब राष्ट्र की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी। यही वर्तमान समय का सबसे बड़ा आर्थिक और सामाजिक संदेश है।

संजीव ठाकुर, वरिष्ठ पत्रकार, लेखक, चिंतक, स्तंभकार, रायपुर छत्तीसगढ़

क्या बलूचिस्तान पाकिस्तान के नियंत्रण से फिसल रहा है ?

महेन्द्र तिवारी

पाकिस्तान का सबसे बड़ा और संसाधन संपन्न प्रांत बलूचिस्तान एक बार फिर गहरी अशांति और अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक चर्चा के केंद्र में आ गया है। पिछले कुछ समय में इस क्षेत्र से छनकर आ रही खबरें, विद्रोही गुटों के दावे और पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान की प्रतिक्रियाएं इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि यह विवाद अब एक नए और अधिक हिंसक चरण में प्रवेश कर चुका है। बलूच राष्ट्रवादियों द्वारा पाकिस्तानी सैन्य चौकियों पर हमलों के दावे और इसके जवाब में सेना के व्यापक अभियानों ने पूरे क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति को बेहद नाजुक बना दिया है। इंटरनेट और सोशल मीडिया के इस आधुनिक युग में दोनों पक्षों की ओर से सूचना और दुष्प्रचार का जो युद्ध लड़ा जा रहा है, उसने जमीनी हकीकत को समझना और भी चुनौतीपूर्ण कर दिया है। हालांकि यह विवाद केवल हालिया सैन्य झड़पों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसकी जड़ें दशकों पुराने राजनीतिक असंतोष, आर्थिक वंचना और पहचान के संकट में गहराई तक समाहित हैं जो अब एक नासूर का रूप ले चुकी हैं।

पाकिस्तान के निर्माण के समय से ही बलूचिस्तान का प्रश्न इस्लामाबाद के लिए गले की हड्डी बना रहा है। बलूच लोगों का एक बड़ा वर्ग यह मानता है कि वर्ष उन्नीस सौ सैंतालीस में उनके तत्कालीन राज्य कलात का पाकिस्तान में विलय उनकी स्पष्ट इच्छा के विरुद्ध किया गया था। इसी ऐतिहासिक असंतोष ने समय के साथ एक मजबूत राष्ट्रवादी आंदोलन को जन्म दिया, जो हर गुजरते दशक के साथ अधिक उग्र और हिंसक होता गया। बलूच राष्ट्रवादियों की सबसे मुख्य शिकायत यह है कि उनके क्षेत्र को पाकिस्तान द्वारा केवल एक आर्थिक उपनिवेश के रूप में देखा जाता है। बलूचिस्तान प्राकृतिक गैस, तांबे, सोने और अन्य बहुमूल्य खनिजों का अथाह भंडार है। इसके बावजूद इन विशाल संसाधनों से प्राप्त होने वाले राजस्व का एक बहुत ही नगण्य हिस्सा स्थानीय विकास कार्यों पर खर्च किया जाता है। स्थानीय निवासियों को रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं से योजनाबद्ध तरीके से वंचित रखा गया है, जबकि इस्लामाबाद और पंजाब प्रांत के अभिजात्य वर्ग इन संसाधनों का भरपूर लाभ उठा रहे हैं। यह घोर आर्थिक असमानता उस गुस्से को और भड़काती है जो अंततः आम युवाओं को मुख्यधारा से काटकर विद्रोही गुटों की ओर धकेलता है।

हाल के वर्षों में बलूच लिबरेशन आर्मी जैसे कई विद्रोही संगठनों ने अपनी रणनीतिक क्षमता और मारक शक्ति में अप्रत्याशित वृद्धि की है। पहले जहां ये हमले केवल छिटपुट और प्रतीकात्मक होते थे, वहीं अब ये बेहद सुनियोजित और बड़े पैमाने पर किए जा रहे हैं। वर्तमान विद्रोह की एक और विशेष बात यह है कि इसकी कमान अब केवल पारंपरिक कबीलाई सरदारों के हाथों में नहीं रही है, बल्कि विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले शिक्षित मध्यवर्गीय युवा और यहां तक कि महिलाएं भी इसमें सक्रिय रूप से शामिल हो रही हैं। सैन्य ठिकानों, पुलिस चौकियों और संचार तथा यातायात के महत्वपूर्ण ढांचों पर होने वाले निरंतर हमले यह दर्शाते हैं कि विद्रोही अब सीधे तौर पर पाकिस्तानी राज्य की सत्ता और संप्रभुता को चुनौती दे रहे हैं। विद्रोही गुटों का दावा है कि उन्हें आम जनता का व्यापक समर्थन प्राप्त है और वे अपने अधिकारों की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। दूसरी ओर पाकिस्तानी सेना और सरकार का रुख हमेशा की तरह बेहद कड़ा है। वे इन विद्रोहियों को केवल राज्य के दुश्मन और विदेशी ताकतों के मोहरे के रूप में चित्रित करते हैं और सैन्य बल के निर्दयी प्रयोग को ही एकमात्र समाधान मानते हैं। लेकिन बार बार होने वाले व्यापक सैन्य अभियानों के बावजूद समस्या का कोई स्थायी हल न निकल पाना यह साबित करता है कि ताकत के बल पर किसी भी जन आंदोलन को हमेशा के लिए नहीं कुचला जा सकता।

इस संघर्ष का एक बेहद चिंताजनक पहलू मानवाधिकारों का निरंतर और घोर उल्लंघन है। स्थानीय और कई अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन लगातार यह आरोप लगाते रहे हैं कि पाकिस्तानी सुरक्षा बल बलूचिस्तान में व्यापक स्तर पर दमन चक्र चला रहे हैं। हजारों की संख्या में बलूच युवाओं, छात्रों, वकीलों और राजनीतिक कार्यकताओं को सुरक्षा एजेंसियों द्वारा कथित तौर पर जबरन गायब कर दिया गया है। इन लापता लोगों के परिवार वाले सालों से न्याय के लिए दर दर भटक रहे हैं और अदालतों से लेकर सड़कों तक विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन व्यवस्था उनकी पुकार सुनने को तैयार नहीं है। राज्य द्वारा की जा रही इस ज्यादती ने बलूच समाज में पाकिस्तान की केंद्र सरकार के प्रति अविश्वास की खाई को इतना चौड़ा कर दिया है कि उसे पाटना अब लगभग असंभव प्रतीत होता है। हर नई गुमशुदगी और हर नई क्रूर सैन्य कार्रवाई विद्रोह की आग में घी डालने का काम करती है और राज्य के खिलाफ घृणा को और गहरा करती है।

बलूचिस्तान का यह गंभीर मुद्दा अब केवल पाकिस्तान का आंतरिक मामला नहीं रह गया है, बल्कि इसके गहरे भू राजनीतिक और रणनीतिक निहितार्थ भी हैं। चीन और पाकिस्तान के बीच बन रहे आर्थिक गलियारे ने इस क्षेत्र के सामरिक महत्व को कई गुना बढ़ा दिया है। ग्वादर बंदरगाह, जो अरब सागर के ठीक मुहाने पर स्थित है, चीन की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड पहल का एक प्रमुख और निर्णायक केंद्र है। चीन ने बलूचिस्तान में अरबों डॉलर का भारी निवेश किया है। लेकिन स्थानीय बलूच लोगों का दृढ़ता से यह मानना है कि इस तथाकथित विकास से उन्हें कोई फायदा नहीं होने वाला है, बल्कि यह भविष्य में जनसांख्यिकीय बदलाव लाने और उनके प्राकृतिक संसाधनों को पूरी तरह से लूटने की एक नई साजिश है। यही कारण है कि विद्रोही गुट अक्सर चीनी इंजीनियरों, श्रमिकों और इस आर्थिक गलियारे से जुड़ी अहम परियोजनाओं को अपना निशाना बनाते हैं। इन हमलों के कारण पाकिस्तान सरकार पर चीन की सुरक्षा चिंताओं को दूर करने का भारी और निरंतर दबाव रहता है।

वहीं दूसरी ओर अफगानिस्तान के साथ लगने वाली डूरंड रेखा का पुराना विवाद इस पूरी क्षेत्रीय स्थिति को और भी अधिक जटिल बना देता है। अफगानिस्तान के साथ लगती यह लंबी और अस्थिर सीमा केवल एक लकीर नहीं है, बल्कि इसके दोनों ओर रहने वाले पश्तून और बलूच समुदायों के गहरे सांस्कृतिक और पारिवारिक संबंध हैं। इस खुली और दुर्गम सीमा के कारण हथियारों और विद्रोहियों की आवाजाही को पूरी तरह से रोकना पाकिस्तानी सेना के लिए हमेशा एक बड़ी चुनौती बनी रहती है। जब बलूच राष्ट्रवादी सीमांत क्षेत्रों में अपना नियंत्रण स्थापित करने का दावा करते हैं, तो यह सीधे तौर पर क्षेत्रीय सुरक्षा को प्रभावित करता है और अफगानिस्तान तथा पाकिस्तान के बीच पहले से मौजूद अविश्वास को और अधिक गहरा कर देता है।

वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि बलूचिस्तान की गहरी और बहुआयामी समस्या का समाधान केवल बंदूकों, सैन्य बूटों की थाप या बल प्रयोग में बिल्कुल नहीं तलाशा जा सकता। विश्व का इतिहास इस बात का गवाह है कि जिन क्षेत्रों में पहचान, संसाधन और राजनीतिक अधिकारों से जुड़े प्रश्न लंबे समय तक अनसुलझे रहते हैं, वहां राज्य को हमेशा अस्थिरता का सामना करना पड़ता है। जब तक वहां के लोगों की जायज राजनीतिक और आर्थिक शिकायतों का ईमानदारी से निवारण नहीं किया जाता, तब तक कोई भी शांति बाहर से थोपी नहीं जा सकती। पाकिस्तान के नीति निमार्ताओं को यह कड़वी सच्चाई स्वीकार करनी होगी कि बलूच लोगों को उनके ही घर में बेगाना और हाशिए पर रखकर एक मजबूत और एकजुट राष्ट्र का निर्माण नहीं किया जा सकता।

इस संकट के समाधान के लिए राज्य को अपनी सदियों पुरानी सैन्य और दमनकारी मानसिकता से बाहर आना होगा और एक सार्थक तथा पारदर्शी राजनीतिक संवाद की तत्काल शुरूआत करनी होगी। प्राकृतिक संसाधनों पर स्थानीय लोगों के प्रथम अधिकार को संवैधानिक मान्यता देना, विकास परियोजनाओं में उनकी सीधी और सम्मानजनक भागीदारी सुनिश्चित करना और सबसे महत्वपूर्ण बात, मानवाधिकारों के व्यापक उल्लंघन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाकर सभी लापता लोगों को निष्पक्ष न्याय दिलाना ही वह एकमात्र लोकतांत्रिक रास्ता है जो बलूचिस्तान में वास्तविक और स्थायी शांति ला सकता है। यदि पाकिस्तान के हुक्मरानों ने समय रहते अपनी नीतियां नहीं बदलीं और संवाद का मार्ग नहीं अपनाया, तो बलूचिस्तान का यह रिसता हुआ नासूर आने वाले समय में पाकिस्तान के पूरे अस्तित्व, उसकी अर्थव्यवस्था और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए सबसे घातक और विनाशकारी खतरा बन सकता है।

मनोभ्रम (डिमेंशिया) में मानसिक संबल और पारिवारिक सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका

वरिष्ठ परामर्शदाता, एआरटीसी, एसएस हॉस्पिटल, आईएमएस, बीएचयू

मनोभ्रम, जिसे डिमेंशिया या मनोभ्रंश भी कहा जाता है, मस्तिष्क की कार्यप्रणाली को प्रभावित करने वाले ऐसे विकारों का समूह है, जिसमें व्यक्ति की याददाश्त, सोचने समझने की क्षमता, निर्णय लेने की योग्यता, व्यवहार और दैनिक कार्य करने की क्षमता धीरे धीरे प्रभावित होने लगती है। यह केवल भूलने की सामान्य समस्या नहीं है, बल्कि एक गंभीर न्यूरोलॉजिकल स्थिति है, जो व्यक्ति के सामाजिक, पारिवारिक और व्यावसायिक जीवन पर गहरा प्रभाव डालती है। बढ़ती आयु के साथ इसका जोखिम भी बढ़ता जाता है, इसलिए समय रहते इसके लक्षणों की पहचान और उचित देखभाल अत्यंत आवश्यक है।

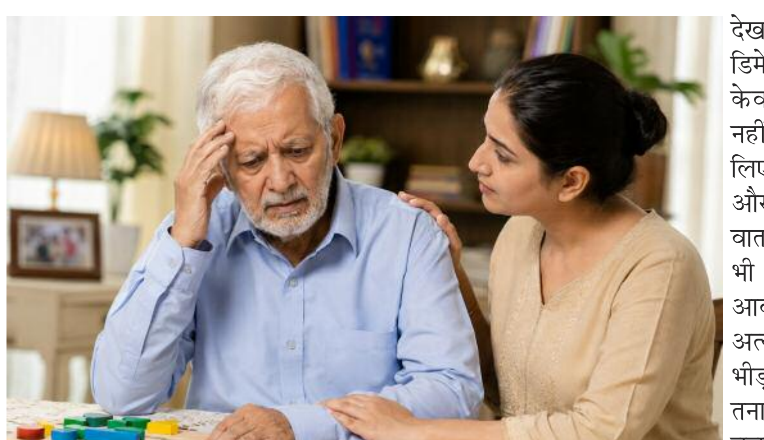

विश्व स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न अध्ययनों के अनुसार वर्तमान में विश्वभर में लगभग पाँच करोड़ से अधिक लोग डिमेंशिया से प्रभावित हैं और प्रत्येक वर्ष लगभग एक करोड़ नए मरीज इस बीमारी की चपेट में आते हैं। विशेषज्ञों का अनुमान है कि यदि प्रभावी रोकथाम और जागरूकता लगभग के उपाय नहीं किए गए तो आगामी तीन दशकों में डिमेंशिया के मरीजों की संख्या तीन गुना तक बढ़ सकती है। अध्ययनों से यह भी पता चलता है कि लगभग दस प्रतिशत लोगों को जीवन के किसी न किसी चरण में इस समस्या का सामना करना पड़ सकता है। आयु के आधार पर देखें तो 65 से 74 वर्ष की आयु वर्ग में लगभग तीन प्रतिशत लोगों में डिमेंशिया पाया जाता है, जबकि 75 से 84 वर्ष की आयु में यह आंकड़ा लगभग उन्नीस प्रतिशत तक पहुंच जाता है। 85 वर्ष से अधिक आयु के लगभग आधे लोगों में किसी न किसी रूप में डिमेंशिया के लक्षण देखे जा सकते हैं।

डिमेंशिया का सबसे प्रमुख लक्षण याददाश्त में लगातार कमी आना है। मरीज हाल की घटनाओं को बार बार भूलने लगता है, परिचित लोगों या स्थानों को पहचानने में कठिनाई महसूस करता है तथा नई जानकारी को याद रखना उसके लिए चुनौतीपूर्ण हो जाता है। इसके साथ ही समय, दिन, तारीख या स्थान को लेकर भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। कई बार मरीज सही निर्णय लेने में असमर्थ दिखाई देता है और सामान्य परिस्थितियों में भी उलझन महसूस करता है।

इस बीमारी का प्रभाव केवल स्मृति तक सीमित नहीं रहता बल्कि व्यवहार और व्यक्तित्व में भी स्पष्ट परिवर्तन दिखाई देते हैं। कई मरीज चिड़चिड़े, उदास या चिंताग्रस्त हो जाते हैं। कुछ लोग सामाजिक गतिविधियों से दूरी बनाने लगते हैं, जबकि कुछ में अनावश्यक बेचैनी, क्रोध या घबराहट देखने को मिलती है। नींद और भूख की आदतों में बदलाव, संतुलन बनाए रखने में कठिनाई, चलने फिरने में असामान्यता, भाषा और बोलने में समस्या तथा दैनिक कार्यों को पूरा करने में कठिनाई भी इसके सामान्य लक्षण हैं।

डिमेंशिया के कई प्रकार होते हैं और प्रत्येक प्रकार का कारण तथा लक्षण कुछ हद तक अलग हो सकता है। अल्जाइमर रोग डिमेंशिया का सबसे सामान्य कारण माना जाता है। इसमें मस्तिष्क में असामान्य प्रोटीन जमा होने लगते हैं, जिससे तंत्रिका कोशिकाएं धीरे धीरे क्षतिग्रस्त होती जाती हैं। इसका सबसे प्रमुख प्रभाव स्मृति पर पड़ता है और समय के साथ व्यक्ति की संज्ञानात्मक क्षमता लगातार कम होती जाती है।

वैस्कुलर डिमेंशिया दूसरा प्रमुख प्रकार है, जो मस्तिष्क में रक्त प्रवाह या ऑक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति न होने के कारण विकसित होता है। यह अक्सर स्ट्रोक के बाद अचानक दिखाई दे सकता है या छोटे छोटे स्ट्रोक की श्रृंखला के कारण धीरे धीरे विकसित हो सकता है। इसके लक्षण कई बार अल्जाइमर रोग से मिलते जुलते होते हैं, जिससे सही पहचान के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकीय मूल्यांकन आवश्यक हो जाता है। कुछ मरीजों में एक साथ दो या अधिक प्रकार के डिमेंशिया पाए जाते हैं। ऐसी स्थिति को मिश्रित डिमेंशिया कहा जाता है। इसके अलावा लेवी बॉडी डिमेंशिया में मस्तिष्क में असामान्य प्रोटीन संरचनाएं विकसित हो जाती हैं, जिससे मतिभ्रम, दूरी का सही अनुमान न लगा पाना तथा दिन भर मानसिक स्थिति में उतार चढ़ाव जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। यह रोग पार्किंसंस रोग से भी जुड़ा हो सकता है। फ्रंटोटेम्पोरल डिमेंशिया में मस्तिष्क के अग्र और पार्श्व भाग प्रभावित होते हैं, जिसके कारण व्यक्ति के व्यवहार, व्यक्तित्व और भाषा संबंधी क्षमताओं में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिलते हैं।

डिमेंशिया के उपचार में केवल दवाएं पर्याप्त नहीं होतीं। मरीज के लिए सुरक्षित, शांत और सहयोगपूर्ण वातावरण तैयार करना भी उतना ही आवश्यक है। घर में अत्यधिक शोर, भीड़भाड़ और तनावपूर्ण माहौल से बचना चाहिए, क्योंकि इससे मरीज का भ्रम और बेचैनी बढ़ सकती है। कमरे में पर्याप्त प्रकाश, व्यवस्थित सामान और परिचित वातावरण मरीज को मानसिक रूप से सहज बनाए रखने में मदद करता है।

सुरक्षा की दृष्टि से गैस, बिजली के उपकरण, नुकीली वस्तुएं, दवाइयां, माचिस और लाइटर जैसी वस्तुओं को मरीज की पहुंच से दूर रखना चाहिए। यदि संभव हो तो गैस चूल्हे में ऑटो शट-ऑफ जैसी सुरक्षा व्यवस्था लगाई जानी चाहिए। मरीज के पास हमेशा उसकी पहचान संबंधी जानकारी, घर का पता, संपर्क नंबर और बीमारी का संक्षिप्त विवरण उपलब्ध होना चाहिए, ताकि घर से भटक जाने की स्थिति में समय पर सहायता मिल सके।

डिमेंशिया से पीड़ित व्यक्ति को कभी भी अकेले वाहन नहीं चलाने देना चाहिए और न ही बिना किसी देखभालकर्ता के बाहर भेजना चाहिए। परिवार के सदस्यों को उनसे शांत, सरल और स्पष्ट भाषा में संवाद करना चाहिए। उनकी भूलों पर बार बार ध्यान दिलाने या उन्हें डांटने के बजाय धैर्यपूर्वक उनका ध्यान किसी अन्य विषय की ओर मोड़ना अधिक प्रभावी होता है। इससे उनका आत्मविश्वास बना रहता है और मानसिक तनाव भी कम होता है।

दवाइयों का सेवन हमेशा देखभालकर्ता की निगरानी में कराया जाना चाहिए। यदि मरीज में व्यवहार में अचानक परिवर्तन, गंभीर भ्रम, लगातार अनिद्रा या अन्य मानसिक समस्याएं दिखाई दें तो तुरंत विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। नियमित चिकित्सकीय जांच और समय पर उपचार रोग की प्रगति को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

डिमेंशिया के उपचार और देखभाल में मानसिक संबल का विशेष महत्व है। लंदन के वरिष्ठ शोधकर्ता गिल लिविंग्स्टन के अनुसार सामाजिक रूप से सक्रिय रहने वाले लोग याददाश्त, भाषा और अन्य संज्ञानात्मक क्षमताओं को लंबे समय तक बेहतर बनाए रखने में सक्षम रहते हैं। परिवार के साथ समय बिताना, परिचित लोगों से बातचीत करना, हल्की मानसिक गतिविधियों में भाग लेना तथा भावनात्मक सहयोग प्राप्त करना मरीज के आत्मविश्वास को मजबूत करता है और उसके जीवन की गुणवत्ता में सकारात्मक सुधार ला सकता है।

डिमेंशिया भले ही एक दीर्घकालिक और चुनौतीपूर्ण बीमारी हो, लेकिन समय पर पहचान, उचित उपचार, सुरक्षित वातावरण, नियमित देखभाल तथा परिवार, चिकित्सक और मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता के सामूहिक सहयोग से मरीज सम्मानजनक, सुरक्षित और अपेक्षाकृत बेहतर जीवन जी सकता है। इस बीमारी में दवाओं के साथ साथ संवेदनशील व्यवहार, धैर्य और मानसिक संबल ही सबसे प्रभावी उपचारों में से एक माने जाते हैं।

उमेश कुमार सिंह

उधार की चमक...!

वे उधार लेकर "शान" दिखाएँ,
फिर किस्तों में "आँसू" बहाएँ।
सेल लगे तो दिल मचल जाएँ,
बटुआ बोला–"मैं चला बाय!"

क्रेडिट कार्ड की ऐसी हैं माया,
यूं जरूरत ने रूप बदल पाया।
बंधु ईएमआई की मीठी गोली,
महीने भर की जेब हुई खाली।

मोबाइल नया, घड़ी भी न्यारी,
फोटो खिंची तो दुनिया सारी।
घर में दाल का "हाल" बुरा है,
बाहर कॉफी रोज पुरा रहा है!

बैंक भी बोले–"लो जी लोन!",
ग्राहक बोला–"कर दो ऑन!"
कल की "कमाई" आज उड़ाई,
फिर किस्मत पर उँगली उठाई।
(संदर्भ-टीयूसी सर्वे-उधार लेकर खर्च करते जेन-जी)

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इन्दौर-452011 (मध्य प्रदेश)
मो. 98260 25986

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

मोबाइल चोरी करने वाले दो शातिर चोर गिरफ्तार, आईफोन प्रो मैक्स व दो चाकू बरामद

समाज जागरण

नोएडा, 19 जुलाई (संदीप गर्ग)। थाना फेस-1 पुलिस ने मोबाइल चोरी करने वाले दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी का एक आईफोन प्रो मैक्स और दो अवैध चाकू बरामद किए हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान सनोज कुमार उर्फ राहुल दंता (22 वर्ष) पुत्र मिथलेश झा निवासी सरस्वती विहार, खोड़ा गांव, जनपद गाजियाबाद तथा अंकित उर्फ अनिकेत (24 वर्ष) पुत्र वीरेन्द्र सिंह निवासी कविता पैलेस के पास, खोड़ा गांव, जनपद गाजियाबाद के रूप में हुई है। दोनों को सेक्टर-8 थाना फेस-1 क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से चोरी का एक आईफोन प्रो मैक्स और दो अवैध चाकू बरामद किए गए हैं। बरामदगी के आधार पर दोनों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 305 एवं 317(2) तथा आर्म्स एक्ट की धारा 4/25 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपी शातिर किस्म के अपराधी हैं और उनके विरुद्ध विभिन्न थानों में पहले से कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस दोनों के आपराधिक इतिहास की भी जांच कर रही है तथा मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई जारी है।

विदेशी नागरिक 1.1 किलो गांजा के साथ गिरफ्तार, स्कूटी भी जब्त

नोएडा, 19 जुलाई (संदीप गर्ग)। थाना नॉलेज पार्क पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत एक विदेशी नागरिक को 1 किलो 100 ग्राम अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक स्कूटी भी बरामद की है। मामले में एनडीपीएस एक्ट एवं विदेशी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान डेनियल पुत्र संडे, निवासी ओरोन, नाइजीरिया के रूप में हुई है। वर्तमान में वह कासा ग्रांडे सोसाइटी, सेक्टर-ची-5, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्धनगर में रह रहा था। आरोपी की आयु 43 वर्ष बताई गई है। थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र से गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 1 किलो 100 ग्राम अवैध गांजा तथा एक स्कूटी बरामद की। बरामदगी के आधार पर थाना नॉलेज पार्क में मु.अ.सं. 161/2026 के तहत धारा 18/20 एनडीपीएस अधिनियम एवं विदेशी अधिनियम की धारा 14 में मुकदमा दर्ज किया गया है। प्राथमिक जांच में आरोपी का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। पुलिस उसके आपराधिक रिकॉर्ड की विस्तृत जानकारी जुटाने के साथ-साथ यह भी पता लगा रही है कि वह गांजा कहां से लाता था और इसकी आपूर्ति किन लोगों तक करता था। मामले में आगे की विवेचना और विधिक कार्रवाई जारी है।

25 हजार रुपये का इनामी गैंगस्टर गिरफ्तार, अवैध चाकू बरामद

समाज जागरण

नोएडा, 19 जुलाई (संदीप गर्ग)। थाना फेस-1 पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में वांछित चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से एक अवैध चाकू भी बरामद किया गया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान रतन चौधरी पुत्र जवाहर चौधरी निवासी कविता पैलेस, खोड़ा कॉलोनी, थाना खोड़ा, जनपद गाजियाबाद के रूप में हुई है। उसकी आयु 22 वर्ष बताई गई है। पुलिस ने उसे सेक्टर-10 स्थित बिजली घर के पास से गिरफ्तार किया।

थाना फेस-1 में पंजीकृत मु.अ.सं. 145/2024 के तहत गैंगस्टर एक्ट की धारा 2/3 में आरोपी लंबे समय से वांछित था। उसकी गिरफ्तारी पर पुलिस द्वारा 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर वाहन चोरी और अन्य चोरी की घटनाओं को अंजाम देकर अवैध रूप से धन अर्जित करता था। पुलिस के अनुसार आरोपी एक शातिर अपराधी है और उसके विरुद्ध विभिन्न धाराओं में कई आपराधिक मुकदमे पहले से दर्ज हैं। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक अवैध चाकू बरामद किया है। पुलिस आरोपी के अन्य साथियों और उसके आपराधिक नेटवर्क के संबंध में जानकारी जुटा रही है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

वाहन चोर गिरोह के दो शातिर बदमाश गिरफ्तार, चोरी की बाइक, नकदी और दो चाकू बरामद

नोएडा, 19 जुलाई (संदीप गर्ग)। थाना सेक्टर-20 पुलिस ने वाहन चोरी की घटनाओं में संलिप्त दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल, चोरी के लैपटॉप को बेचकर प्राप्त 1,120 रुपये की नकदी तथा दो अवैध चाकू बरामद किए हैं। दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान शौकीन पुत्र पीरू निवासी भोला कॉलोनी, सूरजपुर तथा फुरकान पुत्र साबिर निवासी गली नंबर-2, कस्बा सूरजपुर, थाना सूरजपुर, जनपद गौतमबुद्धनगर के रूप में हुई है। दोनों को सेक्टर-29 क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से बरामद बिना नंबर प्लेट की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल की ई-चालान एप के माध्यम से जांच की गई। वाहन स्वामी से संपर्क करने पर पता चला कि यह मोटरसाइकिल सूरजपुर क्षेत्र से चोरी हुई थी, जिसकी शिकायत पहले ही दर्ज कराई जा चुकी है। पूछताछ के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपियों के पास से बरामद 1,120 रुपये थाना सेक्टर-20 में दर्ज एक लैपटॉप चोरी के मुकदमे से संबंधित हैं। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने चोरी किए गए लैपटॉप को बेच दिया था और उसी से प्राप्त धनराशि में से शेष बची नकदी बरामद की गई है।

इसके आधार पर संबंधित मुकदमे में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 317(2) भी बढ़ाई गई है। गिरफ्तारी के दौरान दोनों आरोपियों के कब्जे से दो अवैध चाकू भी बरामद हुए, जिसके आधार पर थाना सेक्टर-20 में आर्म्स एक्ट की धारा 4/25 के तहत अलग मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी शातिर किस्म के अपराधी हैं और उनके विरुद्ध विभिन्न थानों में कई आपराधिक मुकदमे पहले से दर्ज हैं। पुलिस उनके आपराधिक नेटवर्क और अन्य वारदातों में संलिप्तता की भी जांच कर रही है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

31 जुलाई तक करें ऑनलाइन आवेदन, मत्स्य विभाग की विभिन्न योजनाओं का मिलेगा लाभ

समाज जागरण

गौतमबुद्धनगर, 19 जुलाई। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए मत्स्य विभाग द्वारा संचालित राज्य सेक्टर की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने के इच्छुक मत्स्य पालक एवं आवेदक 31 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन विभागीय पोर्टल पर किए जाएंगे।

सहायक मत्स्य निरीक्षक हरीशंकर त्रिपाठी ने बताया कि विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इच्छुक मत्स्य पालक विभागीय पोर्टल पर निर्धारित तिथि तक आवेदन कर योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि जिन प्रमुख योजनाओं में आवेदन किए जा सकते हैं, उनमें मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना, सघन मत्स्य पालन हेतु एरेशन सिस्टम स्थापना योजना, उत्तर प्रदेश मत्स्य पालक कल्याण कोष के अंतर्गत मोपेड विद आइस बॉक्स परियोजना, माता सुकेता महिला मत्स्य पालक सशक्तिकरण परियोजना, केज स्थापना योजना, अंतर्देशीय खारे जल क्षेत्रों में नए तालाब निर्माण एवं प्रथम वर्ष निवेश योजना, उत्तर प्रदेश मोती संवर्धन योजना तथा विशिष्ट प्रजाति की मत्स्य हैचरी स्थापना योजना शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि योजनाओं का विस्तृत विवरण, इकाई लागत, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया तथा आवश्यक अभिलेखों की जानकारी विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध है। भविष्य में यदि किसी योजना के प्रावधानों में संशोधन किया जाता है तो संशोधित प्रावधान ही प्रभावी होंगे।

सहायक मत्स्य निरीक्षक ने बताया कि पूर्व वर्षों में जिन आवेदनों को निरस्त कर दिया गया था अथवा जो अभी तक लंबित हैं, ऐसे आवेदक भी पुनः ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

योजनाओं से संबंधित अधिक जानकारी के लिए इच्छुक व्यक्ति सहायक निदेशक मत्स्य कार्यालय, कक्ष संख्या-305, द्वितीय तल, विकास भवन, गौतमबुद्धनगर में किसी भी कार्य दिवस पर संपर्क कर सकते हैं।

बंद मकानों में चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश, तीन शातिर चोर गिरफ्तार, दो नाबालिग पुलिस अभिरक्षा में

समाज जागरण

नोएडा, 19 जुलाई (संदीप गर्ग)। थाना बीटा-2 पुलिस ने घरों में चोरी करने वाले एक सक्रिय गिरोह का पदार्फाश करते हुए तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो बाल अपचारियों को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। आरोपियों के कब्जे से लगभग 20 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण, एक अवैध तमंचा, कारतूस, चाकू तथा वारदात में प्रयुक्त बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान टेकराम पुत्र बलेराम, निवासी ग्राम लोधीपुर सोहभन, जनपद हापुड़ (वर्तमान पता ग्राम सोरखा, सेक्टर-115, नोएडा), पवन कुमार पुत्र नाहर सिंह, निवासी ग्राम चीती, थाना दनकौर, गौतमबुद्धनगर तथा अनिल भाटी पुत्र बिजेंद्र सिंह, निवासी ग्राम मसौता, थाना सिकंदराबाद, जनपद बुलंदशहर के रूप में हुई है। इसके अलावा दो बाल अपचारियों को भी पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है।

पुलिस ने बताया कि सभी आरोपियों को एनएसजी गोलचक्कर एवं एटीएस सोसाइटी के पास से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी अलग-अलग गिरोह बनाकर पहले बंद पड़े मकानों की रेकी करते थे और मौका मिलने पर वहां चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। गिरफ्तारी से बचने के लिए वे अपने साथ अवैध हथियार भी रखते थे।

जांच में यह भी सामने आया कि आरोपियों ने कुछ समय पूर्व थाना दादरी क्षेत्र के दो बंद मकानों तथा थाना बीटा-2 क्षेत्र के दो बंद मकानों में चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया था। पुलिस इनसे जुड़े अन्य मामलों की भी जांच कर रही है।

बरामदगी में एक सोने का हार, मंगलसूत्र, चेन व पेंडेंट, झुमके, अंगूठी, कंगन, कान की बालियां, नाक की बाली, चांदी के बच्चों के कड़े, पायल, अंगूठियां, पाजेब, चांदी के सिक्के और छल्ले सहित करीब 20 लाख रुपये के सोने-चांदी के आभूषण शामिल हैं। इसके अलावा एक .315 बोर का तमंचा, दो जिंदा कारतूस, दो अवैध चाकू तथा बिना नंबर प्लेट की हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार आरोपी शातिर किस्म के अपराधी हैं और इनके आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है। गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश के साथ मामले में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

हास्य और श्रृंगार रस से सजी कवि सम्मेलन की शाम, शंभू शिखर व विनोद पांडेय ने खूब गुदगुदाया

नोएडा, 19 जुलाई (संदीप गर्ग)। सेक्टर-122 स्थित फर्स्ट वन रिहैब फाउंडेशन के वार्षिक उत्सव के अवसर पर शनिवार रात आयोजित भव्य कवि सम्मेलन में हास्य, श्रृंगार और देशभक्ति की रचनाओं ने श्रोताओं को देर रात तक मंत्रमुग्ध किए रखा। प्रसिद्ध हास्य कवि शंभू शिखर और विनोद पांडेय के व्यंग्य और हास्य से पूरा सभागार ठहाकों से गूंज उठा, जबकि वरिष्ठ कवि डॉ. विष्णु सक्सेना ने अपनी प्रेमरस से ओत-प्रोत रचनाओं से श्रोताओं का मन मोह लिया।

कवयित्री शशी पांडेय ने अपनी भावपूर्ण कविताओं के माध्यम से प्रेम और संवेदनाओं को अभिव्यक्ति दी। कवि सम्मेलन का संचालन हास्य कवि विनोद पांडेय ने किया, जिन्होंने अपनी शैली से कार्यक्रम को अंत तक रोचक बनाए रखा।

दिव्यांगजनों को उपकरण वितरित किए गए

फर्स्ट वन रिहैब फाउंडेशन के वार्षिक समारोह का शुभारंभ पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. मुरली मनोहर जोशी, केंद्रीय मंत्री बी.एल. वर्मा, प्रेरक वक्ता सागर सिन्हा, फाउंडेशन के संस्थापक एवं निदेशक डॉ. महिपाल सिंह, निदेशक डॉ. दीक्षा श्रीवास्तव तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. सुष्मिता भाटी की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री बी.एल. वर्मा ने दिव्यांगजनों को 10 इलेक्ट्रिक ट्राइसाइकिल, 10 सामान्य ट्राइसाइकिल और 20 व्हीलचेयर वितरित किए। साथ ही विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई स्किल डेवलपमेंट प्रदर्शनी का अवलोकन किया, जिसमें हस्तशिल्प, रेजिन आर्ट और अन्य नवाचारों के माध्यम से बच्चों की प्रतिभा और आत्मनिर्भरता की झलक दिखाई दी।

दिव्यांग सशक्तिकरण पर दिया जोर

केंद्रीय मंत्री बी.एल. वर्मा ने कहा कि डॉ. महिपाल सिंह और उनकी टीम समाज सेवा के साथ-साथ मानवता की सच्ची सेवा कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए कई ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं। सरकारी नौकरियों में दिव्यांगों का आरक्षण 3 प्रतिशत से बढ़ाकर 4 प्रतिशत तथा उच्च शिक्षा में 3 प्रतिशत से बढ़ाकर 5 प्रतिशत किया गया है।

भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रोहित मिश्रा का नोएडा में भव्य स्वागत, युवाओं से बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने का आह्वान

समाज जागरण

नोएडा। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) उत्तर प्रदेश के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रोहित मिश्रा का प्रथम पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रवास के दौरान नोएडा आगमन पर युवा मोर्चा कार्यकताओं ने भव्य स्वागत किया। महामाया फ्लाईओवर पर जिला उपाध्यक्ष विपुल शर्मा के नेतृत्व में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकताओं ने भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारों के बीच उनका अभिनंदन किया।

डॉ. रोहित मिश्रा के स्वागत में डीएनडी, सेक्टर-18 फ्लाईओवर, महामाया फ्लाईओवर, सेक्टर-96 और भंगेल फ्लाईओवर सहित विभिन्न स्थानों पर कार्यकताओं ने पुष्पवर्षा, माल्यार्पण और जयघोष के साथ उनका स्वागत किया। इस दौरान पूरे मार्ग पर युवाओं में उत्साह और जोश देखने को मिला। स्वागत कार्यक्रम में राम निवास यादव, अनुज शर्मा, विपुल शर्मा, अर्पित गोयल, रिंकू तंवर, कालू पंडित, सचिन बैंसला और साधना शर्मा सहित अनेक कार्यकताओं ने सक्रिय भूमिका निभाई।

कार्यकताओं को संबोधित करते हुए डॉ. रोहित मिश्रा ने कहा कि "बुलावे नहीं भेजे जाते कभी जंग-ए-स्वाभिमान में, योद्धा खुद ही चलकर आ जाते हैं युद्ध के मैदान में।" उन्होंने कहा कि भारतीय जनता युवा मोर्चा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्रहित, संगठन और समाज सेवा के लिए सदैव समर्पित रहना चाहिए। उन्होंने अपनी कर्मभूमि प्रयागराज का उल्लेख करते हुए अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद और शहीद भगत सिंह के साहस, त्याग और राष्ट्रभक्ति से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को उत्तर प्रदेश में पूर्ववर्ती सरकारों के समय की चुनौतियों और वर्तमान सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों की जानकारी होनी चाहिए। उनके अनुसार भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने प्रदेश को विकास, सुशासन और सुरक्षा की नई पहचान दी है तथा युवा मोर्चा के कार्यकताओं का दायित्व है कि वे सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाएं।

प्रदेश अध्यक्ष ने सभी कार्यकताओं से संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त बनाने, अधिक से अधिक युवाओं को संगठन से जोड़ने तथा 'सरल ऐप' के माध्यम से डिजिटल लर्निंग एवं संगठनात्मक प्रशिक्षण को पूर्ण करने का आह्वान किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश के संकल्प को साकार करने में युवाओं की सक्रिय भूमिका पर बल दिया।

इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि संजय बाली, भाजयुमो प्रदेश महामंत्री वरुण गोयल, पश्चिम क्षेत्र अध्यक्ष सुखविंदर सोम, कार्यक्रम प्रभारी अंजली चौहान, प्रदेश मंत्री अरुण यादव, अमरजीत मिश्रा, अर्पित मिश्रा, अमित पांडेय, सत्यम सिंह, तुषार गोयल, प्रवीण चौहान, गौरव, विनय, रोहित शर्मा, नीरज चौधरी, योगेश सिंह, रवि श्रीवास्तव, प्रशांत शर्मा, दुष्यंत चौहान, सचिन भाटी, राहुल शर्मा, अक्षय शर्मा, दीपक, गौरव ठाकुर, अमोल चित्रांश, लवकुश भाटी, भरत नागर, रोहित प्रधान, राहुल प्रधान सहित बड़ी संख्या में युवा मोर्चा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रदेश अध्यक्ष के प्रथम नोएडा आगमन पर आयोजित यह स्वागत कार्यक्रम युवा मोर्चा की संगठनात्मक एकजुटता, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रभावशाली प्रदर्शन साबित हुआ।

रोहिल्लापुर के किसानों ने पुरानी आबादी पर 5% भूखंड योजना का किया विरोध, उच्चस्तरीय जांच की मांग

समाज जागरण

नोएडा, 19 जुलाई (संदीप गर्ग)। सेक्टर-132 स्थित ग्राम रोहिल्लापुर के किसानों ने नोएडा प्राधिकरण द्वारा खसरा संख्या-4 की पुरानी ग्रामीण आबादी की भूमि पर 5 प्रतिशत आवासीय भूखंड आवंटित किए जाने की प्रस्तावित प्रक्रिया का कड़ा विरोध किया है। किसानों का आरोप है कि यह कार्रवाई नियमों, पूर्व में हुए लिखित समझौते और न्यायालयों में लंबित मामलों के विपरीत है। किसानों ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराने तथा 5 प्रतिशत भूखंड आवंटन की प्रक्रिया तत्काल निरस्त करने की मांग की है। किसानों द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि संबंधित भूमि का आज तक मुआवजा नहीं दिया गया है। भूमि से जुड़े मामले जिला न्यायालय तथा सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन हैं। किसानों का कहना है कि जब तक मुआवजा नहीं दिया जाता, तब तक नोएडा प्राधिकरण उक्त भूमि का वैधानिक स्वामी नहीं माना जा सकता।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार वर्ष 2016 में 24 मीटर चौड़ी सड़क निर्माण के लिए प्राधिकरण के अधिकारियों ने किसानों से सहयोग मांगा था। उस समय किसानों को आश्वासन दिया गया था कि सड़क एवं संस्थागत भूखंडों में आने वाली भूमि का नियमानुसार मुआवजा दिया जाएगा तथा शेष भूमि का आबादी विनियमावली के तहत विनियमीकरण किया जाएगा। किसानों का दावा है कि इसके बाद सर्वे कराया गया और 5(1) समिति ने स्थल निरीक्षण कर उनकी आबादी को मान्यता देते हुए विनियमीकरण की संस्तुति भी की थी, जिसके आधार पर वर्ष 2017 में प्रक्रिया भी शुरू हुई।

किसानों ने यह भी दावा किया है कि वर्ष 2003 में तत्कालीन मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ने भी इस भूमि को आबादी मानते हुए शासन को संदर्भित करने के आदेश दिए थे। उनका कहना है कि यह भूमि पहले से निर्धारित ग्राम परिधि के भीतर स्थित पुरानी आबादी है, इसलिए इस पर 5 प्रतिशत भूखंड योजना लागू करना नियमों के अनुरूप नहीं है।

किसानों का कहना है कि इस भूमि से संबंधित वाद जिला न्यायालय के साथ-साथ 'अजीत सिंह बनाम उत्तर प्रदेश सरकार' प्रकरण में सर्वोच्च न्यायालय में भी विचाराधीन है। ऐसे में किसी भी प्रकार की प्रशासनिक कार्रवाई न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है।

प्रेस विज्ञप्ति में किसानों ने आरोप लगाया कि उनके साथ हुए लिखित समझौते के बावजूद भूमि पर 5 प्रतिशत भूखंड आवंटित करने की प्रक्रिया अपनाई जा रही है। उन्होंने आशंका व्यक्त की कि इस प्रक्रिया में किसानों के वैधानिक अधिकारों की अनदेखी की जा रही है। किसानों ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच, संबंधित अभिलेखों, नोटशीट, ले-आउट, अनुमोदन प्रक्रिया और फाइल मूवमेंट की जांच कराने की मांग की है।

किसानों ने प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और मीडिया से अपील की है कि मामले का निष्पक्ष संज्ञान लेकर ग्राम रोहिल्लापुर के किसानों को न्याय दिलाने में सहयोग करें।

नोटः यह समाचार ग्राम रोहिल्लापुर के किसानों द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति एवं उनके दावों पर आधारित है। मामले में नोएडा प्राधिकरण का पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

फार्म हाउस पर छापेमारी, हरियाणा ब्रांड की अवैध शराब बेचते एक आरोपी गिरफ्तार

नोएडा, 19 जुलाई। उत्तर प्रदेश शासन एवं आबकारी आयुक्त के निर्देश पर जनपद गौतमबुद्धनगर में अवैध शराब की बिक्री और परिवहन पर प्रभावी रोक लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत आबकारी विभाग और थाना एक्सप्रेसवे पुलिस की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने सेक्टर-135 स्थित फार्म हाउसों में सघन तलाशी अभियान चलाकर हरियाणा में बिक्री के लिए अनुमन्य शराब बेचते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में तथा जिलाधिकारी एवं पुलिस आयुक्त गौतमबुद्धनगर के निर्देशन में 18/19 जुलाई 2026 की रात चलाए गए अभियान के दौरान सेक्टर-135 स्थित फार्म हाउसों की गहन तलाशी ली गई। इसी दौरान विवेक पुत्र सियाराम को अवैध रूप से शराब की बिक्री करते हुए गिरफ्तार किया गया।

आरोपी के कब्जे से ब्लैक एंड व्हाइट ब्लेंडेड स्कॉच व्हिस्की की चार बोतल तथा स्मरनॉफ मिंट जामुन की दो बोतल (प्रत्येक 750 मिलीलीटर), जिन पर "फॉर सेल इन हरियाणा" अंकित था, बरामद की गई। कुल बरामद शराब की मात्रा 4.500 बल्क लीटर है।

आबकारी विभाग ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध थाना एक्सप्रेसवे में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

आबकारी विभाग की समीक्षा बैठक: पीओएस से 100% बिक्री, ओवररेटिंग पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

समाज जागरण

नोएडा, 19 जुलाई। जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय, गौतमबुद्धनगर में जिला आबकारी अधिकारी की अध्यक्षता में जनपद में तैनात सभी आबकारी निरीक्षकों तथा अनुज्ञापियों एवं उनके प्रतिनिधियों की विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मदिरा दुकानों के संचालन, राजस्व वृद्धि और आबकारी नियमों के प्रभावी अनुपालन को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए।

बैठक में निर्देश दिया गया कि जनपद के सभी फुटकर मदिरा अनुज्ञापनों पर पीओएस (पॉइंट ऑफ सेल) मशीन के माध्यम से शत-प्रतिशत बिक्री सुनिश्चित की जाए। साथ ही थोक अनुज्ञापनों, बॉन्ड, बीआईओ, बार, प्रीमियम वेंड्स तथा अन्य सभी मदिरा प्रतिष्ठानों पर आने वाली प्रत्येक खेप को पहले स्टॉक-इन कर पीओएस मशीन के माध्यम से ही बिक्री की जाए। आदेश का पालन न करने पर संबंधित आबकारी निरीक्षक और अनुज्ञापी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिला आबकारी अधिकारी ने सभी फुटकर मदिरा दुकानों को निर्धारित न्यूनतम प्रत्याभूत मात्रा (एमजीक्यू) तथा कंपोजिट दुकानों में अंग्रेजी मदिरा और बीयर के त्रैमासिक एमजीआर की समयबद्ध निकासी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि जनपद में संचालित देशी मदिरा की कैंटीनों में केवल देशी मदिरा का ही सेवन किया जाए। यदि किसी कैंटीन में अन्य प्रकार की मदिरा का सेवन पाया गया तो संबंधित अनुज्ञापन के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

उपभोक्ताओं से निर्धारित मूल्य से अधिक राशि वसूलने के मामलों पर जीरो टॉलरेंस नीति अपनाने के निर्देश देते हुए कहा गया कि किसी भी दुकान पर ओवररेटिंग पाए जाने पर संबंधित अनुज्ञापन के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। आगामी श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा को देखते हुए कांवड़ मार्ग पर संचालित सभी मदिरा दुकानों के अग्रभाग को पूर्व वर्षों की भांति पर्दों से ढंककर नियमानुसार संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक के अंत में जिला आबकारी अधिकारी ने सभी अनुज्ञापियों एवं आबकारी अधिकारियों को निर्देशित किया कि मदिरा दुकानों का संचालन आबकारी नियमों के अनुरूप करते हुए अधिकतम राजस्व प्राप्ति सुनिश्चित की जाए तथा शासन के सभी निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाए।

21 जुलाई को बहजोई में आयोग की जनसुनवाई, पिछड़ा वर्ग आरक्षण पर आमजन से मांगे जाएंगे सुझाव

समाज जागरण बहजोई/संभल

उत्तर प्रदेश राज्य स्थानीय ग्रामीण निकाय समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग, लखनऊ के अध्यक्ष एवं सदस्यगण 21 जुलाई को जनपद संभल के दौरे पर आएंगे। आयोग द्वारा स्थानीय ग्रामीण निकायों में पिछड़ा वर्ग आरक्षण से संबंधित विषयों पर आमजन से सुझाव एवं आपत्तियां प्राप्त करने के लिए जनसुनवाई आयोजित की जाएगी।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 21 जुलाई को अपराह्न 3:30 बजे से सायं 5:30 बजे तक कलेक्ट्रेट सभागार, बहजोई में जनसुनवाई होगी। आयोग ने जनपद संभल के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपने सुझाव एवं आपत्तियां प्रस्तुत करें।

जनसुनवाई के दौरान आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) राम औतार सिंह के साथ आयोग के सदस्य बृजेश कुमार (सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश), संतोष कुमार विश्वकर्मा (सेवानिवृत्त अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश), डॉ. अरविंद कुमार चौरसिया (सेवानिवृत्त आईएएस) तथा एस.पी. सिंह (सेवानिवृत्त आईएएस) उपस्थित रहेंगे। आयोग का उद्देश्य स्थानीय ग्रामीण निकायों में पिछड़ा वर्ग आरक्षण से संबंधित विषयों पर जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं आम नागरिकों के सुझाव प्राप्त कर निष्पक्ष एवं व्यापक रिपोर्ट तैयार करना है। प्रशासन ने जनपदवासियों से जनसुनवाई में सहभागिता कर अपने विचार रखने की अपील की है।

25 जुलाई को बिजनौर पहुंचेगा पिछड़ा वर्ग आयोग, जनसुनवाई में लिए जाएंगे सुझाव और आपत्तियां

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर जिलाधिकारी श्रीमती जसजीत कौर ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य स्थानीय ग्रामीण निकाय समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग का 25 जुलाई 2026 को प्रातः 10:30 बजे जनपद बिजनौर आगमन प्रस्तावित है।

उन्होंने बताया कि आयोग द्वारा प्रातः 11:00 बजे से अपराह्न 2:30 बजे तक जनसुनवाई आयोजित की जाएगी, जिसमें स्थानीय ग्रामीण निकायों से संबंधित विषयों पर संबंधित पक्षों से सुझाव एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी।

जिलाधिकारी ने बताया कि आयोग 26 जुलाई 2026 को प्रातः 9:30 बजे नजीबाबाद के लिए प्रस्थान करेगा, जहां विकासखंड एवं ग्राम पंचायतों का भ्रमण कर स्थानीय स्तर पर आवश्यक जानकारी एवं तथ्य संकलित किए जाएंगे।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आयोग के प्रस्तावित कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

व्यापारी एकता परिषद द्वारा वृक्षारोपण का कार्यक्रम का आयोजन हुआ

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर केंद्र एवं प्रदेश सरकार के अभियान के अंतर्गत व्यापारी एकता परिषद के द्वारा स्योहेड़ी मे किरतपुर रोड पर स्थित धर्म ढाबा पर

पौधारोपण का कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें 50 पौधे लगाए गए कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया वक्ताओं ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण को संतुलित रखने में ही नहीं बल्कि मानव जीवन पशु पक्षियों तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए भी अमूल्य धरोहर है मुख्य अतिथि डीएफओ बिजनौर जय सिंह कुशवाहा ने कहा कि हम सबको अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर उनका लालन-पालन करना चाहिए क्योंकि बिना पेड़ पौधों के पृथ्वी पर रहना संभव नहीं है व्यापारी एकता परिषद के प्रदेश अध्यक्ष राहुल ने कहा कि सरकार लक्ष्य पूरा करने में सहयोग करने वाले सभी क्षेत्रवासियों के सहयोग व पर्यावरण प्रेमियों के द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर बड़ी संख्या में जो पौधारोपण किया जा रहा है उसी से हम पौधारोपण महायज्ञ 2026 को पूरा करने मे सफल हो रहे है इस अवसर पर व्यापारी एकता परिषद प्रदेश अध्यक्ष राहुल वर्मा जिला प्रभारी बिजनौर तारीख मसरूर महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष बिजनौर अफशीन रागीब लीगल सलाहकार अंशुल त्यागी जिला मंत्री राजीव कुमार महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष नजीबाबाद मुस्कान खान अब्दुल रकीब दुष्यंत सिंह मोहम्मद शाहरुख आदि मौजूद रहे

कलयुगी पुत्र ने पिता की बल्ला मारकर की हत्या।

समाज जागरण

फिरोजाबाद। थाना सिरसागंज क्षेत्र के मोहल्ला अहीर टोला मैं मामूली बातको लेकर पुत्र ने पिता की बल्ला मारकर हत्या करदी और फरार हो गया पुलिस शव को पोस्टमार्टम केलिए जिला अस्पताल लेकर आई है मृतक के पुत्र ने अपने भाई के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है

अहीर टोला निवासी लालजी शर्मा ने थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि रविवार की प्रातः मेरे पिता 65 वर्षीय राकेश बाबू शर्मा पुत्र बाबूराम शर्मा मेरे भाई उपेंद्र शर्मा से कहां सुनी हो गई उपेंद्र शराब पीकर आया और उसने पिता के साथ मारपीट की तथा बेसबॉल के बल्ले से सिर में बार कर दिया जिसके फल स्वरुप राकेश बाबू गंभीर रूप से घायल हो गए आनंन फानन में उन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिरसागंज ले गए जहा चिकित्सक ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया जिससे परिजनों में कोहराम मच गया सूचना पुलिस को दी पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल लेकर आई है भाई द्वारा दी गई तहरीर पर पुलिस ने उपेंद्र के खिलाफ धारा 105 में मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू करदी है।

मत्स्य विभाग की राज्य सेक्टर योजनाओं के लिए 31 जुलाई तक करें ऑनलाइन आवेदन

मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा सहित कई योजनाओं का मिलेगा लाभ, विभाग ने पात्र लाभार्थियों से समय पर आवेदन की अपील की

समाज जागरण

बिजनौर। सहायक निदेशक मत्स्य शिव कुमार ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए मत्स्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न राज्य सेक्टर योजनाओं के अंतर्गत लाभ प्राप्त करने हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी 16 जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक विभागीय पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि आवेदन मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, सघन मत्स्य पालन हेतु एरेशन सिस्टम स्थापना योजना, उत्तर प्रदेश मत्स्य पालक कल्याण कोष के अंतर्गत मोबाइल विद आइस बॉक्स परियोजना एवं माता सुकेता महिला मत्स्य पालक सशक्तिकरण परियोजना, अंतदेर्शीय खारे जल क्षेत्रों में मत्स्यिकी विकास हेतु नए तालाब निर्माण एवं प्रथम वर्ष निवेश योजना, उत्तर प्रदेश मोती संवर्धन योजना तथा विशिष्ट प्रजाति की मत्स्य हैचरी स्थापना योजना के लिए किए जा सकते हैं।

सहायक निदेशक ने बताया कि प्रत्येक योजना के लिए अलग-अलग ऑनलाइन आवेदन करना होगा। योजनाओं की पात्रता, इकाई लागत, आवेदन प्रक्रिया एवं आवश्यक अभिलेखों की विस्तृत जानकारी विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध है। यदि शासन स्तर पर किसी योजना में संशोधन किया जाता है तो संशोधित प्रावधान लागू होंगे। पूर्व वर्षों में जिन अभ्यर्थियों के आवेदन निरस्त या प्रतीक्षारत रहे हैं, वे भी पुनः आवेदन कर सकते हैं।

उन्होंने जनपद के मत्स्य पालकों, कृषकों एवं पात्र लाभार्थियों से अपील की कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर ऑनलाइन आवेदन कर योजनाओं का लाभ उठाएं। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय सहायक निदेशक मत्स्य, कचहरी रोड, रोडवेज के निकट, बिजनौर में किसी भी कार्य दिवस पर संपर्क किया जा सकता है।

आचार्यश्री के सानिध्य में पाठशाला की समिति का गठन हुआ

परम पूज्य वैज्ञानिक संत आचार्य श्री निर्भय सागर जी महाराज के संघ सानिध्य में दिगंबर जैन परिषद

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। तत्वावधान में निर्भय सागर दिगंबर जैन प्राकृत पाठशालाओं की एक मीटिंग संपन्न हुई जिसमें एक समिति का गठन किया गया। उसमें दिगंबर जैन परिषद फिरोजाबाद के सभी पदाधिकारी एवं पाठशाला के लगभग 100 संयोजक और शिक्षक इस मीटिंग में उपस्थित रहे। फिरोजाबाद के अलावा शिकोहाबाद, सिरसागंज, टूंडला, बरहन, पावागढ़, मैनपुरी इत्यादि की पाठशालाओं के शिक्षक और संयोजक उपस्थित हुए। आचार्य श्री ने कहा पाठशाला की समिति का रजिस्ट्रेशन जरूरी है पाठशाला को आधुनिक बनाने के लिए कंप्यूटर प्रोजेक्टर ड्रेस अच्छे शिक्षक और नाश्ता आदि की समुचित व्यवस्था अनिवार्य है। पाठशाला संस्कारों की जननी है। पाठशाला बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए अनिवार्य

है कार्यक्रम का संचालन अजय वकील एवं पीयूष जैन ने किया।

ए आई अभिशाप या वरदान - आचार्यश्री

इसके पूर्व प्रातः काल आचार्य श्री ने अपने मंगल प्रवचन देते हुए कहा ए आई अर्थात आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जनक जॉन मेकार्थी थे। उन्होंने दुनिया में एक नई क्रांति लाई है यह क्रांति सन 1956 से विकसित होते-होते 2010 तक बड़े पैमाने पर सारी दुनिया में प्रयुक्त होने लगी वर्तमान में प्रत्येक युवा के जिंदगी का हिस्सा ए आई बन गया है। इसे जितना फायदा है उससे कहीं ज्यादा खतरा है यदि इसके लिए कोई पॉलिसी नहीं बनाई गई तो यह मानव जाति के लिए सबसे बड़ा अभिशाप बन सकता है आज वरदान लग रहा है लेकिन आगे यदि इसको फुल पावर दे दिया गया तो अभिशाप बन सकता है इसलिए वर्ल्ड लेवल पर इसके लिए कानून बनना चाहिए।

उ0प्र0 ब्राह्मण जागृति महासभा द्वारा विशाल कार्यक्रम का आयोजन।

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद क्लब में उ0 प्र0 ब्राह्मण जागृति महासभा द्वारा शहीद मंगल पांडेय की जयंती के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

आयोजित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार की राज्य मन्त्री श्रीमती प्रतिभा शुक्ला , पूर्व सांसद एवं ब्राह्मण न्यास के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल शुक्ला बारिसी, उ0 प्र0 सरकार के राज्य कर्मचारी संघ के अध्यक्ष हरिकिशोर तिवारी मौजूद रहे।

सभी मंचासीन विशिष्ट जनों ने कार्यक्रम का शुभारम्भ मंगल पाण्डेय की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन कर किया। ततपश्चात समाज के वरिष्ठजनों एवं अतिथियों ने ब्राह्मण समाज की वर्तमान परिस्थितियों एवं चुनोतियों पर अपने-अपने विचार प्रकट किये।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती प्रतिभा शुक्ला ने अपने सम्बोधन के दौरान ब्राह्मण समाज की एकता, शिक्षा-संस्कार एवं युवाओं की सकारात्मक भूमिका पर बल देते हुए उन्हें संगठित होकर राष्ट्रहित में कार्य करने को कहा। राज्य कर्मचारी संघ के अध्यक्ष हरिकिशोर तिवारी ने अपने सम्बोधन में युवाओं को ब्राह्मण समाज के उत्थान के लिए आगे आने का आव्हान किया।

वही कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अनिल कुमार शुक्ला बारिसी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि समाज की मजबूती के लिये संगठित होने बहुत जरूरी है। और समाज द्वारा किये जाने वाले

धार्मिक कार्यक्रमो में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए। उन्होंने कार्यक्रम में दूर दराज से आये सभी ब्राह्मण समाज के लोगो से कहा कि गौरवशाली परम्पराओ एवं संगठन की शक्ति को बनाये रखने के लिये सदैव आगे आकर सहयोग करे।

इस अवसर पर ज्ञान बर्धक प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले विजेताओं एवं समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों, अधिवक्ताओं, पुरोहितों, पत्रकारों सहित समाज के प्रतिष्ठित नागरिको को अतिथियों द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर समानित किया गया। आयोजित कार्यक्रम में जनपद के जहाँगीर पुर, गाजीपुर, नैपई सहित अन्य स्थानों के ब्राह्मण समाज के लोगो ने भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान गौ सेवा आयोग के सदस्य रमाकान्त उपाध्याय, ब्रजेश उपाध्याय, डॉ सूर्य कुमार शुक्ला, धर्मेन्द्र शर्मा"धर्मा" आदि का साफा बांधकर एवं माला पहनाकर सम्मान किया गया। वही राज्य मन्त्री श्रीमती प्रतिभा शुक्ला , अनिल शुक्ला बारिसी को महासभा के जिलाध्यक्ष श्रीगोपाल शर्मा एवं उनकी धर्मपत्नी ने चाँदी का मुकुट पहनाकर और पगड़ी बांधकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर श्रीगोपाल शर्मा, राजू दीक्षित, संदीप शर्मा "बॉबी", विकास लहरी दुर्गा प्रसाद शर्मा,संजय शर्मा,तरुण उपाध्याय, मधुरिमा वशिष्ठ, रजनी शर्मा, जया शर्मा, सहित बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के लोग मौजूद रहे।

अंग्रेजों के खिलाफ बिगुल फूकने वाले क्रांतिकारी मंगलपाडे का जन्म दिवस धूमधाम से मनाया।

समाज जागरण - ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। क्रांतिकारी मंगल पांडे सेवा समिति के तत्वाधान में मंगल पांडे का जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम के साथ शहीद मगल पाडे पार्क सुहाग नगर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम मे आये सभी अतिथियो का स्वागत कार्यक्रम संरक्षक संजीव उपाध्याय कार्यक्रम संयोजक सन्तोष शर्मा, सह सहयोजक रजनीश शर्मा, रानू भारदाज ने किया संचालन अशोक गर्ग ने किया कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी रमाकांत उपाध्याय ने की कार्यक्रम मे मुख्य अथिति राकेश मिश्रा अनावा जी भाजपा वृज क्षेत्र महामन्त्री रहे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राकेश मिश्रा ने कहा 1857 मंगल पांडे ने अंग्रेजी सरकार के खिलाफ बिल्कुल बजाया था। जब कोई आवाज उठाने को तैयार नही था तब मंगल पाडे ने देश की आजादी के लिए

आवाज उठाई थी मंगल पांडे जैसे महापुरुष नहीं होते तो आज हम गुलामी की जंजीर में होते इसलिए ऐसे महापुरुष को उनकी जयंती पर शत-शत नमन करना चाहिए और उनके आदर्शों पर चलना चाहिए

सदर विधायक मनीष असीजा ने कहा फिरोजाबाद में हर वर्ष क्रांतिकारी मंगल पांडे जी का जन्म उत्सव बड़ी धूमधाम के साथ मनाया जाता है इसी तरीके से पूरे देश में कार्यक्रम होने चाहिए उनके बताएं मार्ग पर चलना चाहिए मंगल पांडे ने अंग्रेजों के खिलाफ बिल्कुल इसलिए बजाया था कि मैं जिस कारतूस को मुंह से खोलता हूं उसमें सूअर व गाय की चर्बी लगी हुई है इससे हिंदू का धर्म नष्ट होता है और अंग्रेजों के अत्याचार हमारे देश के गरीबों पर लगातार हो रहे हैं यह सब देखते हुए मंगल पांडे ने अंग्रेजों के खिलाफ बिल्कुल फूक दिया था।

फिरोजाबाद मेयर कामिनी राठौर ने कहा अगर वास्तव में देश की आजादी में किसी का योगदान है तो मंगल पांडे का बहुत बड़ा योगदान है जब कोई अंग्रेजों के खिलाफ आवाज नहीं उठाता था उस टाइम उन्होंने अंग्रेजों सेना में रहकर भी विद्रोह किया था मैं मंगल पांडे पार्क का संधि कारण और प्रतिमा की छत को शीघ्र बनाया जाएगा गौ सेवा आयोग के सदस्य रमाकांत उपाध्याय, ब्रजेश उपाध्याय, रामनरेश कटरा, शिवकुमार शर्मा, संतोष उपाध्याय आदि। अथितियो ने अपने-अपने विचार रखें कार्यक्रम में सूर्य प्रकाश रावत, विनोद दीक्षित, राजेश शर्मा, जितेंद्र शर्मा, कुलदीप तिवारी, सुहेलकांत शर्मा, ऋषि उपाध्याय, बृज किशोर शर्मा, ठाकुर मोहन, सनी गुड्डा पहलवान, पवन शर्मा, सोनू शर्मा, अशोक श्रुतिय सैकड़ो की संख्या में लोग मौजूद थे।

बूथ संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में भाजपा महानगर की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न।

- प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर बूथ अध्यक्ष सम्मेलन एवं डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म की तैयारियों को लेकर बनी रणनीति।

- फिरोजाबाद। महानगर के 864 बूथों पर रहेगा विशेष फोकस

समाज जागरण

फिरोजाबाद। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश नेतृत्व के निदेर्शानुसार आज आर्य नगर स्थित पंजाबी धर्मशाला में महानगर जिला अध्यक्ष डॉ. सतीश दिवाकर के नेतृत्व में एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी बूथ अध्यक्ष सम्मेलन, डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म, संगठन विस्तार एवं विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियों को लेकर विस्तृत मंथन किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए महानगर जिला अध्यक्ष डॉ. सतीश दिवाकर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी शक्ति उसका बूथ स्तर तक फैला सशक्त संगठन

है। प्रत्येक बूथ अध्यक्ष, सेक्टर संयोजक एवं कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है। उन्होंने सभी कार्यकताओं से आह्वान किया कि प्रदेश नेतृत्व द्वारा दिए गए प्रत्येक दायित्व का पूरी निष्ठा, समर्पण एवं अनुशासन के साथ निर्वहन करें तथा आगामी कार्यक्रमों को ऐतिहासिक सफलता प्रदान करें।

बैठक में जानकारी दी गई कि फिरोजाबाद महानगर में कुल 864 बूथ हैं। इनमें फिरोजाबाद सदर विधानसभा के 450 बूथों का बूथ अध्यक्ष सम्मेलन पालीवाल हॉल में तथा शिकोहाबाद विधानसभा के 414 बूथों का बूथ अध्यक्ष सम्मेलन जानकी महल में आयोजित किया जाएगा। इन सम्मेलनों के माध्यम से बूथ अध्यक्षों को संगठन की कार्ययोजना, आगामी कार्यक्रमों एवं चुनावी रणनीति से अवगत कराया जाएगा।

बैठक में पूर्व महानगर अध्यक्ष कन्हैया लाल गुप्ता को बूथ अध्यक्ष सम्मेलन का कार्यक्रम संयोजक बनाया गया। वहीं डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म के संयोजक केशव फौजी ने कार्यकताओं से अधिक से अधिक संख्या में डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म से जुड़कर संगठन की विचारधारा, इतिहास एवं कार्यपद्धति का प्रशिक्षण प्राप्त करने का आग्रह किया।

बैठक में पूर्व जिला अध्यक्ष बी.एल. वर्मा, राम कैलाश यादव, विनोद पचौरी,महानगर महामंत्री आनंद अग्रवाल एवं देवेश भारद्वाज, महानगर उपाध्यक्ष योगेंद्र यादव 'बाबा', अंकित तिवारी, महानगर मीडिया प्रभारी आकाश गुप्ता, मनीष राठौर, मंडल अध्यक्ष देश दीपक गुप्ता, प्राचीन गुप्ता, सत्यवीर सिंह, सत्य प्रकाश यादव, अनार सिंह कुशवाहा, गौतम कुशवाहा, शिवम दीक्षित, भारत सिंह वर्मा, लायक सिंह संखवार सहित मंडलों के महामंत्री, सेक्टर संयोजक, बूथ अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक के अंत में संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने, प्रत्येक कार्यकर्ता को डिजिटल रूप से प्रशिक्षित करने तथा आगामी बूथ अध्यक्ष सम्मेलनों को भव्य एवं सफल बनाने का संकल्प लिया गया।

बबराला में चोरों के बुलंद हौसले, दुकान के बाहर से साइकिल ले उड़ा युवक; सीसीटीवी फुटेज वायरल

समाज जागरण

बबराला नगर में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। स्टेशन रोड स्थित परचून व्यापारी राकेश वार्ष्णेय (संभल वाले) की दुकान के बाहर खड़ी एक साइकिल चोरी हो गई। पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

जानकारी के अनुसार, दुकान पर कार्यरत चरण सिंह बुधवार को रोजाना की तरह अपनी साइकिल दुकान के बाहर खड़ी कर अंदर काम करने चले गए। शाम को दुकान बंद करने के बाद जब उन्होंने बाहर आकर देखा तो साइकिल गायब थी। काफी तलाश के बाद भी साइकिल का कोई पता नहीं चला। इसके बाद सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर एक युवक साइकिल लेकर जाता हुआ दिखाई दिया।

उधर, दो दिन पहले नगर की साप्ताहिक बाजार स्थित खाटू श्याम मंदिर से एक सेवादार का मोबाइल फोन भी चोरी हो गया था। यह घटना भी मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुई थी। दोनों चोरी की घटनाओं के वीडियो सोशल मीडिया पर लगातार वायरल हो रहे हैं।

लगातार हो रही चोरी की वारदातों से व्यापारियों और स्थानीय लोगों में दहशत और नाराजगी है। लोगों का कहना है कि नगर में चोर बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। उन्होंने पुलिस से सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है।

कांवड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर पुलिस प्रशासन सख्त: थाना प्रभारी और क्षेत्राधिकारी ने प्रधानों व डीजे संचालकों के साथ की अहम बैठक।

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

जसराना। आगामी कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने के लिए स्थानीय पुलिस प्रशासन ने कमर कस ली है। इसी सिलसिले में रविवार को थाना परिसर में क्षेत्राधिकारी और थाना प्रभारी की अध्यक्षता में ग्राम प्रधानों और डीजे संचालकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में यात्रा को लेकर शासन के कड़े दिशा-निदेर्शों से सभी को अवगत कराया गया और उनका सख्ती से पालन करने की हिदायत दी गई।

बैठक के दौरान क्षेत्राधिकारी प्रेमप्रकाश पांडेय ने कड़ा रुख अपनाते हुए निर्देश दिए कि कांवड़ मार्ग (मुख्य रोड) और उसके आसपास स्थित सभी मीट, मछली और अंडे की दुकानें पूरी तरह से बंद रहेंगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि कांवड़ियों की धार्मिक भावनाओं और पवित्रता को ध्यान में रखते हुए इस नियम का उल्लंघन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि कोई गुपचुप तरीके से दुकान खोलता पाया गया, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गांव के प्रधानों को संबोधित करते हुए सीओ ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान स्थानीय प्रशासन और ग्रामीणों का सहयोग सबसे महत्वपूर्ण है। सभी ग्राम प्रधानों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने गांव के अंतर्गत आने वाले मुख्य रोड (कांवड़ मार्ग) पर ग्राम पंचायत की ओर से विशेष टेंट (शिविर) की व्यवस्था करें। टेंट में कांवड़ियों के विश्राम के लिए दरी, बैठने की व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल और प्राथमिक उपचार की सुविधा के साथ पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था की जाए। होनी अनिवार्य है। प्रधानों को अपने स्तर पर भी वालंटियर्स तैनात करने को कहा गया है ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति में पुलिस को तुरंत सूचना मिल सके। बैठक में मौजूद डीजे संचालकों को चेतावनी देते हुए अधिकारियों ने कहा कि यात्रा के दौरान आठ फीट से अधिक ऊंचाई का डीजे न लगाएं। माननीय न्यायालय और शासन द्वारा निर्धारित डेसिबल (ध्वनि सीमा) के भीतर ही डीजे बजाने की अनुमति होगी। किसी भी प्रकार के भड़काऊ, अश्लील या आपत्तिजनक गाने बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वाले डीजे संचालकों की गाड़ियां सीज कर दी जाएंगी। क्षेत्राधिकारी ने सभी संभ्रांत नागरिकों, प्रधानों और व्यवसायियों से अपील की कि वे इस पावन यात्रा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में प्रशासन का सहयोग करें।

नखासा पुलिस ने ठंडी कोठी रोड पर युवक को दबोचा, 315 बोर तमंचा और 5 जिंदा कारतूस बरामद

समाज जागरण

संभल। थाना नखासा पुलिस ने शनिवार देर रात गश्त के दौरान एक युवक को अवैध तमंचा और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया।

पुलिस के अनुसार शनिवार रात करीब 9:30 बजे उपनिरीक्षक विशांत कुमार अपनी टीम कांस्टेबल अक्षय त्यागी, हिमांशु कुमार और चालक सत्य कुमार के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान मोहल्ला हिंदुपुरा खेड़ा के पास मुखबिर से सूचना मिली कि ठंडी कोठी रोड पर एक संदिग्ध युवक खड़ा है, जिसके पास अवैध हथियार होने की आशंका है।

सूचना पर पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर युवक को पकड़ लिया। तलाशी में उसके पास से एक 315 बोर का अवैध तमंचा और पांच जिंदा कारतूस बरामद हुए। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम कैफ पुत्र अकरम निवासी पौड्या, दीपासराय, थाना नखासा बताया। आरोपी की उम्र लगभग 24 वर्ष है। लाइसेंस मांगे जाने पर वह कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा सका।

पुलिस ने आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर बरामद हथियार व कारतूस को सील कर दिया। पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफी कराई गई और मानवाधिकार व सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निदेर्शों का पालन किया गया। थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि क्षेत्र में अपराध और अवैध हथियारों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

कांवड़ यात्रा से पहले भी नहीं सुधरा गंगेरू मार्ग,गड्ढों में है तब्दील

--गहरे गड्ढों से हादसों का खतरा, दुकानदारों ने की सड़क निर्माण की मांग

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)

कस्बे का गंगेरू मार्ग पिछले कई महीनों से जर्जर हालत में है। सड़क पर बने गहरे गड्ढों के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।असपास के लोगों का कहना है कि आए दिन सड़क पर छोटे-बड़े हादसे हो रहे हैं, लेकिन अब तक मार्ग की मरम्मत नहीं कराई गई है।दुकानदार रितेश सैनी, शकील, इमरान, अरशद, वसीम समेत अन्य लोगों ने बताया कि कुछ ही दिनों में कांवड़ यात्रा शुरू होने वाली है। इस मार्ग से बागपत, हरियाणा और आसपास के क्षेत्रों के हजारों शिवभक्त हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर गुजरते हैं। थाना क्षेत्र के गांव खेड़ा कुर्तान स्थित प्राचीन शिव मंदिर में शिवरात्रि के अवसर पर वर्षों से विशाल मेला लगता है, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु जलाभिषेक करने पहुंचते हैं।

ऐसे में सड़क की बदहाल स्थिति कांवड़ियों और श्रद्धालुओं के लिए परेशानी का कारण बन सकती है।स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रदेश सरकार ने सड़कों को गड्ढामुक्त रखने के निर्देश दिए हैं, लेकिन इसके बावजूद गंगेरू मार्ग लंबे समय से गड्ढों में तब्दील है। कई बार शिकायत किए जाने के बाद भी सड़क निर्माण का कार्य शुरू नहीं हो सका है।दुकानदारों और क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन तथा लोक निर्माण विभाग से कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले गंगेरू मार्ग की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि शिवभक्तों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े और संभावित हादसों को रोका जा सके।

थाने के मालखाने से हथियार तस्करी प्रकरण में टीम गठित

--फरार हेड कांस्टेबल की तलाश में दो टीमें गठित, मालखाने की चाबी भी आरोपी के पास, गिरफ्तारी के बाद खुल सकते हैं कई राज

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)

थाने के मालखाने से हथियार तस्करी के मामले में पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। प्रभारी निरीक्षक की तहरीर पर हेड कांस्टेबल अमित यादव के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किए जाने के बाद पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए दो विशेष टीमें गठित कर दी हैं। आरोपी हेड कांस्टेबल के निलंबन के बाद से ही उसके फरार होने की बात सामने आ रही है। पुलिस लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है, हालांकि अभी तक उसकी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। गौरतलब है कि कुछ दिन पूर्व मेरठ जनपद के मवाना क्षेत्र में पुलिस ने हथियार तस्करी के आरोप में एक आरोपी केशु यादव को गिरफ्तार किया था। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया था कि उसका चचेरा भाई अमित यादव कांधला थाने में हेड कांस्टेबल के पद पर तैनात है तथा मालखाने का प्रभारी भी है।

आरोपी ने दावा किया कि बरामद पिस्टल उसे बेचने के लिए अमित यादव ने ही उपलब्ध कराई थी।जांच के दौरान बरामद फैक्ट्री मेड पिस्टल का रिकॉर्ड खंगाला गया तो वह वर्ष 2020 में पुलिस द्वारा जब्त किए गए शस्त्र के रूप में दर्ज मिली। दस्तावेजों का मिलान होने पर पिस्टल का रिकॉर्ड कांधला थाने के मालखाने से मेल खा गया। इसके बाद मामले ने गंभीर रूप ले लिया और विभागीय स्तर पर जांच शुरू कर दी गई।प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह की ओर से आरोपी हेड कांस्टेबल अमित यादव के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया।

इससे पहले भी मुजफ्फरनगर पुलिस द्वारा मादक पदार्थ तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किए गए एक होमगार्ड ने पूछताछ में अमित यादव का नाम लिया था। आरोपी होमगार्ड ने आरोप लगाया था कि थाने के मालखाने से मादक पदार्थ उसे बेचने के लिए उपलब्ध कराए गए थे। इस खुलासे के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया था।दो अलग-अलग मामलों में नाम सामने आने के बाद पुलिस अधीक्षक ने अमित यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया था। इसके बाद से ही वह फरार हो गया था। पुलिस सूत्रों का कहना है कि मालखाने की चाबी भी अभी तक आरोपी हेड कांस्टेबल के पास है। ऐसे में मालखाने का ताला खुलने और अभिलेखों का गहन मिलान होने के बाद कई अन्य महत्वपूर्ण तथ्य सामने आने की संभावना जताई जा रही है। इससे पूर्व माल खाने के प्रभारी रहे पवन कुमार द्वारा भी थाने की एक जीप बेच दी गई थी जिसका मुकदमा दर्ज थाने पर हुआ था।सूत्रों के अनुसार फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए गठित दोनों टीमें लगातार दबिश दे रही हैं और उसके संभावित ठिकानों की

जानकारी जुटाई जा रही है। वहीं, पूरे प्रकरण को लेकर पुलिस विभाग के किसी भी अधिकारी ने आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। पुलिस जांच जारी है और विभागीय स्तर पर भी पूरे मामले की गंभीरता से पड़ताल की जा रही है।

बाबू हुकुम सिंह का नाम न लेने पर पूर्व प्रधान ने की सोशल मीडिया पर पोस्ट

समाज जागरण कांधला।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हालिया कैराना दौरे के बाद पूर्व सांसद एवं वरिष्ठ गुर्जर नेता रहे बाबू हुकुम सिंह का नाम मंच से न लिए जाने को लेकर क्षेत्र में चर्चा शुरू हो गई है। गांव ढूढ़ार प्रधान अतेंद्र सिंह चौहान ने इस मुद्दे पर सोशल मीडिया के माध्यम से नाराजगी जाहिर की है।प्रधान अतेंद्र सिंह चौहान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट साझा करते हुए आरोप लगाया कि गुर्जरों के गढ़ में बाबू हुकुम सिंह का नाम तक नहीं लिया गया, जिससे गुर्जर समाज की भावनाएं आहत हुई हैं।सोशल मीडिया पर यह पोस्ट तेजी से वायरल हो रही है। मामले को लेकर क्षेत्र में विभिन्न तरह की चर्चाएं हो रही हैं। राजनीतिक जानकार इसे क्षेत्रीय राजनीति और गुर्जर समाज से जुड़े मुद्दे के रूप में देख रहे हैं।बाबू हुकुम सिंह लंबे समय तक कैराना क्षेत्र की राजनीति के प्रमुख चेहरों में शामिल रहे हैं और गुर्जर समाज में उनका विशेष प्रभाव माना जाता रहा है। ऐसे में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के बाद उनके नाम का उल्लेख न होने को लेकर कुछ लोगों ने भी सवाल उठाए हैं फिलहाल, इस मामले में प्रशासन अथवा भाजपा संगठन की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं, प्रधान की सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर राजनीतिक हलकों में चचाओं का दौर जारी है। प्रधान अतेंद्र सिंह का कहना है कि उन्होंने अपनी पोस्ट में किसी का भी नाम नहीं लिया है, जो पहचाने वाले थे वह पहचान गए हैं कि पोस्ट किसके लिए लिखी गई है।

घर में घुसकर युवक पर सरिया से हमला, घायल

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)

थाना क्षेत्र के गांव जसाला में घर में घुसकर एक युवक पर सरिया से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घायल युवक ने सरकारी अस्पताल में अपना चिकित्सीय परीक्षण कराने के बाद आरोपी के खिलाफ थाने में तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। थाना क्षेत्र के गांव जसाला निवासी हर्ष पुत्र शिवकुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह रविवार को अपने घर पर बैठा हुआ था। आरोप है कि तभी पड़ोस का एक युवक उसके घर

में घुस आया और गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने सरिये से उसके सिर पर हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया।शोर-शराबा सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। लोगों को आता देख आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया।परिजनों ने घायल को उपचार के लिए नगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका चिकित्सीय परीक्षण कराया गया। इसके बाद पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की।पुलिस नें घायल युवक और उसके परिजनों को तहरीर के आधार पर जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

कमरे में बंद कर बेरहमी से मारपीट, गला दबाकर हत्या के प्रयास का आरोप

समाज जागरण कांधला।
कस्बे के मोहल्ला गुजरान निवासी एक व्यक्ति ने गांव हाजीपुर दुगड्डा के एक नामजद और दो अज्ञात लोगों पर कमरे में बंद कर बेरहमी से मारपीट करने तथा गला दबाकर हत्या का प्रयास करने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने मेडिकल परीक्षण कराने के बाद थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।कस्बे के मोहल्ला गुजरान निवासी टीटू पुत्र प्रताप ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि क्षेत्र के गांव हाजीपुर दुगड्डा निवासी एक युवक अपने साथियों के साथ उसे बहाने से दिल्ली रोड स्थित एक स्थान पर ले गया। आरोप है कि वहां उसे एक कमरे में बंद कर लाठी-डंडों और बेल्टों से बेरहमी से पीटा गया। इतना ही नहीं, आरोपियों ने उसका गला दबाकर हत्या का प्रयास भी किया।पीड़ित का आरोप है कि मारपीट के बाद आरोपी उसे कमरे में बंद कर मौके से फरार हो गए। जब परिजनों ने आरोपी से फोन पर संपर्क कर टीटू के बारे में जानकारी ली तो उसने बताया कि वह उसके कार्यालय पर शराब के नशे में बेहोश पड़ा है।देर रात घायल अवस्था में टीटू किसी तरह अपने घर पहुंचा। परिजनों ने उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाकर मेडिकल परीक्षण कराया। इसके बाद पीड़ित ने एक नामजद और दो अज्ञात आरोपियों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।पुलिस तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

बारिश का पानी जमा करें (कैच द रेन) : जल संरक्षण के लिए एक बार फिर राष्ट्रीय अपील

'मन की बात' के 28 जून 2026 को प्रसारित 135वें संस्करण में माननीय प्रधानमंत्री ने देशवासियों से वर्षा की प्रत्येक बूंद बचाने तथा जल संरक्षण अभियान को पूरे देश में लगातार गति देने का आह्वान किया। इसकी प्रतिक्रिया में 4 जुलाई से 4 अगस्त 2026 तक देश भर में एक केन्द्रित राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया गया, जिसका उद्देश्य वर्षा जल को जमा करना, भूजल पुनर्भरण, पारंपरिक जल स्त्रोतों को पहले जैसा करने, वृक्षारोपण गतिविधियों तथा जनभागीदारी को सशक्त बनाना था।

कैच द रेन – इस मिशन के जरिये हमें वर्षा जल की प्रत्येक बूंद को मिलकर बचाना है। मैं सभी देशवासियों से विशेष आग्रह करता हूँ कि वर्षा जल की हर एक बूंद को सामूहिक प्रयास से संरक्षित करें।
– माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी

हमें जो काम करने हैंः

प्रत्येक घर, सोसायटी एवं कार्यस्थल वर्षा जल संचयन प्रणाली को अपनाए। उपयुक्त स्थानों पर रिचार्ज पिट एवं रिचार्ज शाफ्ट का निर्माण करना तथा अनुपयोगी बोरवेलों की मरम्मत कर उन्हें भूजल पुनर्भरण के लिए उपयोग में लाना।

बावड़ियों, कुओं तथा पारंपरिक जल स्त्रोतों को बहाल कर उन्हें पुनः उपयोग योग्य बनाना।आसपास के तालाबों एवं जलाशयों से गाद हटाकर उनकी जलधारण क्षमता बढ़ाना, ताकि मानसून के जल का अधिकतम संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके।जल संरक्षण क्षेत्रों में अधिकाधिक वृक्षारोपण कर हरित आवरण को बढ़ावा देना।

जल संचय जन भागीदारी 1.0 (6 सितम्बर 2024) जल संरक्षण में जनभागीदारी को और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से जल संचय जन भागीदारी अभियान का शुभारंभ 6 सितम्बर 2024 को गुजरात के सूरत में किया गया। इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री ने वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जल संरक्षण को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाने का अपना दृढ़ संकल्प पुनः दोहराया।

समुदाय (कम्युनिटी), कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) और लागत (कौस्ट) – इन तीन सी के सिद्धांतों पर आधारित इस पहल के माध्यम से जनभागीदारी, संस्थागत सहयोग, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के योगदान तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के मेलजोल को बढ़ावा देकर जल संरक्षण प्रयासों को गति प्रदान की गई। इस पहल का मुख्य उद्देश्य कम लागत वाली भूजल पुनर्भरण एवं जल भंडारण संरचनाओं का निर्माण, अनुपयोगी बोरवेलों की बहाली तथा वैज्ञानिक एवं स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप उपयुक्त समाधान अपनाना है। इसे संपूर्ण सरकार और संपूर्ण समाज की सहभागिता पर आधारित दृष्टिकोण के साथ क्रियान्वित किया गया।

1 अप्रैल 2024 से 31 मई 2025 तक संचालित जल संचय जन भागीदारी (जेएसजेबी)
1.0 अभियान ने कम-से-कम 10 लाख भूजल पुनर्भरण संरचनाओं के निर्माण के निर्धारित लक्ष्य को उल्लेखनीय रूप से पार करते हुए देशभर में 27 लाख से अधिक कृत्रिम भूजल पुनर्भरण संरचनाओं के निर्माण का कीर्तिमान स्थापित किया।

जल संचय जन भागीदारी 2.0 (2025)

जेएसजेबी 1.0 की सफलता के आधार पर 1 जून 2025 को जेएसजेबी 2.0 का शुभारंभ किया गया। इस चरण में कम लागत वाली, स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप पहलों के माध्यम से अतिदोहन तथा संसाधनों का अत्यधिक दोहन करने वाले जिलों में भूजल पुनर्भरण को तीव्र गति प्रदान करने पर विशेष बल दिया गया।

देश भर में 31 मई 2026 तक कम-से-कम एक करोड़ भूजल पुनर्भरण संरचनाओं के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया था जबकि 1.5 करोड़ से अधिक संरचनाओं के निर्माण की सूचना प्राप्त हुई है, जो निर्धारित लक्ष्य से 50 प्रतिशत से अधिक है। इन संरचनाओं का वर्तमान में भौतिक सत्यापन एवं क्षेत्रीय प्रमाणीकरण किया जा रहा है। जेएसजेबी 1.0 के अंतर्गत उत्कृष्ट योगदान देने वाले राज्यों, संस्थाओं एवं अन्य हितधारकों को सम्मानित करने के लिए सरकार ने नवम्बर 2025 में आयोजित छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शनकताओं को सम्मानित किया।

जल संचय जन भागीदारी : कैच द रेन (2026)

जल संचय जन भागीदारीः कैच द रेन (जेएसजेबीः सीटीआर) अभियान का शुभारंभ 1 जून 2026 को किया गया। इस अभियान के माध्यम से जल संचय जन भागीदारी (जेएसजेबी) पहल के दायरे का विस्तार किया गया तथा इसे जल शक्ति अभियानः कैच द रेन (जेएसएः सीटीआर) के साथ जोड़ा गया। वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण, जल भंडारण तथा जनभागीदारी पर नए सिरे से विशेष बल देते हुए इस अभियान का उद्देश्य प्रत्येक वर्षा को जल संरक्षण के अवसर में परिवर्तित करना है। यह अभियान स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप, कम लागत वाले उपायों को प्रोत्साहित करता है तथा स्थायी जल प्रबंधन के माध्यम से जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीलापन सुदृढ़ करने का प्रयास करता है। अभियान के तहत केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के साथ मेलजोल सुनिश्चित किया गया है, जिनमें शामिल हैंः विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन की गारंटी ग्रामीण (वीबी-जी आरएएम-जी) पीएमकेएसवाई के अंतर्गत पर ड्रॉप मोर क्रॉप पीएमकेएसवाई के अंतर्गत जल निकायों की मरम्मत, नवी नीकरण एवं पुनर्स्थापन सीएएमपीए वित्त आयोग के अनुदान
राज्य सरकार की योजनाएं
जेएसजीबीः सीटीआर अभियान का मूल आधार जन भागीदारी है। इसके अंतर्गत पंचायती राज संस्थाओं, शहरी स्थानीय निकायों, महिला समूहों, युवाओं, शैक्षणिक संस्थानों, नागरिक समाज संगठनों तथा स्थानीय समुदायों को जल संरक्षण के प्रयासों में सक्रिय रूप से सहभागी बनने के लिए प्रेरित और संगठित किया जा रहा है। जल शक्ति अभियानः कैच द रैन (जेएसएः सीटीआर)

जल शक्ति अभियानः कैच द रेन (जेएसएः सीटीआर) का शुभारंभ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 22 मार्च 2021 को विश्व जल दिवस के अवसर पर जहाँ वर्षा हो, जब वर्षा हो, वर्षा जल को संचित करें विषय के साथ किया था।

यह अभियान वर्ष 2019 में प्रारंभ जल शक्ति अभियान की उल्लेखनीय सफलता पर आधारित है जिसे देश के 256 जिलों के 1,592 जल-संकटग्रस्त खंडों में लागू किया गया था। इसके अंतर्गत जन आंदोलन की भावना के साथ वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण, जलग्रहण क्षेत्र विकास, जल निकायों के पुनर्जीवन तथा वृक्षारोपण को व्यापक रूप से प्रोत्साहित किया गया। तब से यह अभियान प्रत्येक वर्ष विभिन्न विषयों और प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में लागू किया जा रहा है।

2021 "जहाँ वर्षा हो, जब वर्षा हो, वहीं वर्षा जल का संचयन करें"

वर्षा जल संचयन एवं जल संरक्षण।
जल निकायों का जियो-टैगिंग।
वैज्ञानिक आधार पर जल संरक्षण की योजना एवं प्रबंधन। जल शक्ति केंद्रों की स्थापना तथा जन-जागरूकता गतिविधियों का आयोजन। 2022 - जल संरक्षण गतिविधियों का विस्तार

पारंपरिक जलाशयों को फिर से चालू करना भूजल पुनर्भरण एवं जलग्रहण क्षेत्र का विकास आर्द्रभूमियों (वेटलैंड्स) एवं नदियों का कायाकल्प झरना-क्षेत्र का विकास एवं जलग्रहण क्षेत्र का संरक्षण
2023 पेयजल स्त्रोतों की स्थिरता एवं सतत संरक्षण 150 जल-संकटग्रस्त जिलों पर विशेष ध्यान
पेयजल स्त्रोतों को सुदृढ़ बनाना
भूजल पुनर्भरण एवं जल स्त्रोतों की स्थिरता सुनिश्चित करना मैदानी स्तर पर निगरानी एवं सामुदायिक सहभागिता 2024 नारी शक्ति से जल शक्ति महिलाओं के नेतृत्व में जल संरक्षण पहल
जलाशयों की गाद हटाना एवं सफाई करना छोड़े हुए बोरवेलों को भूजल पुनर्भरण के लिए फिर से चालू करना वनीकरण एवं स्थानीय जल संसाधनों का पुनर्जीवन
देशभर में महिलाओं के नेतृत्व में संचालित पहलों ने यह प्रदर्शित किया है कि सामुदायिक नेतृत्व जल सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। जल संरक्षण, स्वच्छता एवं स्वच्छ व्यवहार के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान को स्वच्छ सुजल शक्ति सम्मान के माध्यम से निरंतर सम्मानित किया जाता है, जो उनके अनुकरणीय प्रयासों को मान्यता प्रदान करता है।

जल शक्ति केन्द्र (जेएसके)

इस अभियान का एक प्रमुख संस्थागत घटक देशभर के जिलों में जल शक्ति केन्द्रों (जेएसके) की स्थापना है। ये केन्द्र जल संरक्षण के लिए ज्ञान एवं सुविधा केन्द्र के रूप में कार्य करते हैं। इनके माध्यम से वर्षा जल संचयन की तकनीकों की जानकारी का प्रसार किया जाता है, स्थानीय समुदायों एवं जिला प्रशासन को तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है तथा जल संरक्षण संबंधी गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन में सहयोग दिया जाता है। वर्षा जल संचयन से ग्रामीण दृढ़ता तक

माननीय प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में जल संरक्षण एक राष्ट्रीय प्राथमिकता तथा जन-आंदोलन के रूप में उभरा है। कैच द रेन और जल संचय जन भागीदारी जैसी पहलों से सरकार ने जल संरक्षण को एक क्षेत्र-विशेष कार्यक्रम से आगे बढ़ाकर सामुदायिक सहभागिता, वैज्ञानिक योजना और संसाधनों के मेलजोल पर आधारित राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन का स्वरूप प्रदान किया है। विकसित भारत की कल्पना की दिशा में अग्रसर भारत के लिए वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण, जलाशयों को फिर से चालू करने तथा जल का लाभकारी उपयोग कृषि को मजबूत बनाने,
ग्रामीण आजीविका को सहयोग प्रदान करने, जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीलापन बढ़ाने तथा भावी पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों को सुरक्षित रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण रहेंगे। वैज्ञानिक योजना, स्थानीय स्वामित्व और सामूहिक सहभागिता को बढ़ावा देकर यह अभियान ग्रामीण भारत में टिकाऊ एवं जलवायु-अनुकूल जल परिसंपत्तियों का निर्माण कर रहा है। जलवायु परिवर्तन और पानी की बढ़ती मांग के इस दौर में वर्षा की प्रत्येक बूंद का संरक्षण जल सुरक्षा सुनिश्चित करने की

अनिवार्य आवश्यकता है। इससे कृषि को और अधिक मजबूती मिलेगी तथा स्थायी ग्रामीण विकास को भी गति प्राप्त होगी। प्रधानमंत्री का ह्यमन की बातह्ल सहित विभिन्न मंचों पर जल की प्रत्येक बूंद के संरक्षण पर लगातार दिया गया बल नागरिकों, संस्थाओं तथा शासन के सभी स्तरों को जल सुरक्षा के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए

युवती से दुष्कर्म के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

समाज जागरण
कैराना। युवती से दुष्कर्म और मारपीट के मामले में वांछित चल रहे आरोपी को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। कोतवाली क्षेत्र में 10 जून को युवती को बहला-फुसलाकर ले जाने, उसके साथ दुष्कर्म करने, मारपीट करने तथा जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले में पुलिस पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी। रविवार को पुलिस ने वांछित आरोपी आशीष निवासी गांव तामशाबाद थाना सनौली जनपद पानीपत (हरियाणा) को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर दिया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

स्मैक के साथ मादक पदार्थ तस्कर गिरफ्तार

समाज जागरण
कैराना।(फुरकान जंग) कोतवाली पुलिस ने अभियान के दौरान एक मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 314 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की है। बरामद स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 70 लाख रुपये

बताई गई है। रविवार को उपनिरीक्षक सतीश सिंह ऑपरेशन सवेरा के तहत पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना पर गांव भूरा के जंगल में स्थित एक ट्यूबवेल के कमरे पर छापेमारी की गई। जहां से मनव्वर निवासी गांव भूरा को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी में आरोपी के कब्जे से 314 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई। पुलिस के अनुसार, बरामद मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 70 लाख रुपये है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर उसके नेटवर्क और अन्य संभावित तस्करों के संबंध में जानकारी जुटाने में लगी है।

ऑस्ट्रेलिया के डार्विन में भारतीय वायु सेना का पूर्व पिच ब्लैक 2026 प्रदर्शन

भारतीय वायु सेना (आईएएफ) कल से रॉयल ऑस्ट्रेलियन एयर फोर्स (आरएएएफ) बेस डार्विन में एक्सरसाइज पिच ब्लैक 2026 शुरू कर रही है। 20 जुलाई 2026 से 7 अगस्त 2026 तक चलने वाला यह अभ्यास पिच ब्लैक, आरएएएफ का प्रमुख द्विवार्षिक बहुराष्ट्रीय हवाई युद्ध अभ्यास है। इस अभ्यास का नाम उत्तरी ऑस्ट्रेलिया के विशाल निर्जन क्षेत्रों में रात्रि उड़ान विशेष अभियान के कारण रखा गया है। अभ्यास के 45 वर्षों के लंबे इतिहास में, इस संस्करण में बड़ी संख्या में प्रतिभागी बल शामिल हैं, जो जटिल बड़े बल प्रयोग और बहुराष्ट्रीय हवाई युद्ध अभियानों के लिए सैन्य कर्मियों को एक साथ ला रहे हैं। भारतीय वायु सेना की टुकड़ी में पायलट, इंजीनियर, तकनीशियन, नियंत्रक और अन्य विशेषज्ञ सहित उच्च कुशल वायु योद्धा शामिल हैं। यह टुकड़ी राफेल मल्टीरोल लड़ाकू विमान का संचालन करेगी, जिसे सी-17 ग्लोबमास्टर-क्क्क और आईएल-78 वायु-से-वायु ईंधन भरने वाले विमानों का समर्थन प्राप्त होगा।

यह अभ्यास भाग लेने वाली सेनाओं को अंतरसंचालनीयता बढ़ाने, बल एकीकरण को मजबूत करने और वैश्विक परिदृश्यों में सहयोगात्मक संचालन की दिशा में परिचालन सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान करने का एक मूल्यवान अवसर प्रदान करेगा। भारतीय वायु सेना की टुकड़ी में पायलट, इंजीनियर, तकनीशियन, नियंत्रक और अन्य विशेषज्ञ सहित उच्च कुशल वायु योद्धा शामिल हैं। यह टुकड़ी राफेल मल्टीरोल लड़ाकू विमान का संचालन करेगी, जिसे सी-17 ग्लोबमास्टर-क्क्क और आईएल-78 वायु-से-वायु ईंधन भरने वाले विमानों का समर्थन प्राप्त होगा। यह अभ्यास भाग लेने वाली सेनाओं को अंतरसंचालनीयता बढ़ाने, बल एकीकरण को मजबूत करने और वैश्विक परिदृश्यों में सहयोगात्मक संचालन की दिशा में परिचालन सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान करने का एक मूल्यवान अवसर प्रदान करेगा। अभ्यास पिच ब्लैक 26 लंबी दूरी पर अभियान संबंधी हवाई अभियानों को परखने, बहुराष्ट्रीय अंतर-संचालनीयता को बढ़ाने और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में पेशेवर साझेदारियों को मजबूत करने का एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान करता है। यह अभ्यास भाग लेने वाली वायु सेनाओं को एक वास्तविक और चुनौतीपूर्ण बहुराष्ट्रीय वातावरण में संचालन करने में सक्षम बनाएगा, जिससे परिचालन समन्वय और आपसी समझ को बढ़ावा मिलेगा। भारतीय वायु सेना ने इससे पहले 2018, 2022 और 2024 में इस अभ्यास में भाग लिया है, जो रक्षा सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ करने की उसकी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग(एनसीएसके) ने स्वच्छता और कल्याण सुविधाओं की समीक्षा की

आयोग के सदस्य करम सिंह करमा ने सफाई कार्य में मशीनों के उपयोग को ज्यादा अपनाने और शून्य मैन्युअल स्कैवेंजिंग पर जोर देते हुए सभी सफाई कर्मचारियों के लिए सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करने पर बल दिया राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी
आयोग (एनसीएसके) ने स्वच्छता कर्मचारियों की कार्य परिस्थितियों, सुरक्षा और समग्र कल्याण को सुदृढ़ करने के लिए यहां नई दिल्ली महानगरपालिका (एनडीएमसी) में आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में व्यापक समीक्षा की।

यह बैठक एनसीएस के सदस्य श्री करम सिंह करमा की अध्यक्षता में हुई, जिसमें एनडीएमसी के सचिव श्री राहुल सिंह, मुख्य अभियंता, निदेशकगण, चिकित्सा अधिकारी (हेल्थ), मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सफाई निरीक्षक, वरिष्ठ विभागीय प्रमुख, सफाई कर्मचारी यूनियनों के प्रतिनिधि, आउटसोर्स्ड सेवा प्रदाताओं के अधिकारी और विभिन्न नगर मंडलों के सफाई कर्मचारी उपस्थित थे।

चर्चा के दौरान, श्री करम सिंह करमा ने सार्वजनिक स्वास्थ्य और अभियंत्रण विभागों के समग्र परिचालन संरचना का मूल्यांकन किया। उन्होंने हाथ से मैला साफ करना को निषिद्ध (शून्य मैनुअल स्कैवेंजिंग) सुनिश्चित करने तथा सभी सफाई कर्मचारियों के लिए सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करने हेतु मैकेनाइज्ड संचालन के तेजी से अपनाने पर विशेष जोर दिया।

श्री कर्मा ने कहा, "सफाई कर्मचारी हमारे शहरों के सच्चे रक्षक हैं। वे दिन की शुरूआत हम में से ज्यादातर से पहले करते हैं, सुबह में अपने घरों से निकलकर हमारी सड़कों, सार्वजनिक स्थलों और पड़ोस को स्वच्छ, स्वस्थ और स्वागतयोग्य बनाते हैं। उनकी अथक निष्ठा शहरी जीवन की नींव है जो असल में सर्वोच्च सम्मान और मान्यता की हकदार है। उनके कल्याण, गरिमा और कार्य परिस्थितियों की रक्षा करना हमारा सामूहिक दायित्व है, साथ ही प्रत्येक नागरिक संस्थान का भी।" यह बैठक एक आपसी चर्चा के मंच के तौर पर चली जहां कर्मचारी

यूनियन नेताओं और जमीनी सफाई कर्मियों द्वारा उठाई गई शिकायतों और संरचनात्मक चिंताओं को प्रत्यक्ष रूप से सुना गया और भविष्य में ठोस कार्रवाई के लिए विचार-विमर्श किया गया।सदस्य ने लंबित सेवा संबंधी मुद्दों के निवारण हेतु महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्देश पारित किए। सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग, नई दिल्ली महानगरपालिका के तहत अस्थाई मास्टर रोल (टीएमआर) सफाई कर्मचारी भर्ती प्रक्रिया खोलने के तत्काल निर्देश दिए गए।

इसमें मलेरिया विभाग के 28 लंबित कर्मचारियों की सेवाओं को एक कठोर समय-सीमा के भीतर एक माह में नियमित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही ठेकेदारों और बाहरी एजेंसियों को सभी रोजगार अनुबंध, कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) और कर्मी भविष्य निधि (ईपीएफ) अनुपालन रिकॉर्ड जमा करने के कड़े आदेश दिए गए। मैकेनाइजेशन और सुरक्षाः मानव स्वास्थ्य के किसी भी खतरे को समाप्त करने के लिए सीवर और गहरे नालियों की सफाई में पूर्ण रूप से मैकेनाइज्ड संक्रमण सुनिश्चित की जाए इसकी मांग की गई।

श्री करम सिंह करमा ने जोर देकर कहा कि देश भर में श्रमिक कल्याण उपायों से कोई समझौता नहीं किया जा सकता और सभी आउटसोर्स किए गए कामों की निरंतर निगरानी के निर्देश दिए ताकि हर आउटसोर्स किए गए कर्मचारी को समय पर कानूनी सामाजिक सुरक्षा लाभ सुनिश्चित हों।

एनडीएमसी के सचिव श्री राहुल सिंह ने राजधानी को साफ रखने और उसके आवश्यक कार्यबल के जीवन स्तर व सुरक्षा को ऊँचा उठाने के लिए उच्च स्तरीय निगरानी और तकनीकी प्रणालियाँ अपनाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

हर नागरिक को है विश्वास, संकट में साथ खड़ी है सरकार: मुख्यमंत्री

- सीएम योगी ने किया उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण मुख्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण
- सीएम ने प्राधिकरण की वेबसाइट का भी शुभारंभ किया
- मुख्यमंत्री ने बहराइच में मगरमच्छ की चपेट में आने से बच्चे की मौत पर जताया दुख
- सीएम की जनमानस से अपील- घटना का वीडियो बनाने के बजाय बचाव पर दें ध्यान

समाज जागरण

लखनऊ, 19 जुलाईः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) मुख्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण किया। यह भवन 200 करोड़ से अधिक की लागत से बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने प्राधिकरण की वेबसाइट का भी शुभारंभ किया और यहां लगाई गई प्रदर्शनी व भवन का अवलोकन कर कार्यों के बारे में भी विस्तृत जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा संकल्प है कि हर आपदा से निपटने के लिए उत्तर प्रदेश को ऐसा राज्य बनाना है, जहां प्रत्येक नागरिक यह विश्वास लेकर जीवन जी सके कि संकट की खड़ी में सरकार के साथ वह भी तैयार है। यह नागरिक व राष्ट्रीय कर्तव्य का हिस्सा होना चाहिए। सीएम ने उम्मीद जताई कि यह केंद्र हर नागरिक के मन में नए विश्वास का जागरण करेगा।

सतर्कता, तैयारी व जागरूकता आपदा में जन-धन की हानि को न्यूनतम स्तर पर ला सकती है

सीएम ने कहा कि प्रायः आपदा व जनधन की व्यापक हानि के बाद हम लोग सक्रिय होते हैं और संवेदना व्यक्त करते हैं लेकिन आपदा के प्रति पहले से सतर्कता, तैयारी व जागरूकता जनधन की हानि को न्यूनतम स्तर पर ला सकती है। दैनिक जीवन, स्कूली पाठ्यक्रम व परिवार में संवाद के जरिए इसके बचाव के बारे में बताने की आवश्यकता है। सीएम ने बचपन का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय स्कूल व परिवारों में चर्चा होती थी कि आग, भूकंप, बाढ़ के दौरान क्या सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि इन घटनाओं में असामान्य आचरण नुकसान पहुंचाता है, लेकिन जागरूकता के जरिए इसे दिनचर्या का हिस्सा बनाया जाए तो जनधन की हानि को नियंत्रित किया जा सकता है।

घटनाओं को नजरअंदाज करने की प्रवृत्ति खतरनाक

मुख्यमंत्री ने घटनाओं को नजरअंदाज करने की प्रवृत्ति को खतरनाक बताया। उन्होंने प्रशिक्षण पर जोर देते हुए कहा कि 45 हजार होमगार्ड की भर्ती प्रक्रिया को पूरा किया जा रहा है। जिन आपदा मित्रों को प्रशिक्षण दिया गया है, उन्हें इस भर्ती में प्राथमिकता देंगे। होमगार्ड को भी आपदा मित्र का प्रशिक्षण अनिवार्य रूप से दिया जाएगा। यह फर्स्ट रिस्पांडर हैं। सरकार इन्हें अच्छी सुविधा, मानदेय, पांच लाख रुपये की कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा, घटना-दुर्घटना होने पर परिजनों को लगभग 35-40 लाख रुपये तथा मुख्यमंत्री राहत कोष से पांच लाख रुपये अतिरिक्त सहायता उपलब्ध कराती है। सीएम ने उम्मीद जताई कि सुविधाएं बोझ नहीं बननी चाहिए, बल्कि अपनी सेवा का बेहतर उपयोग समाज के लिए करना चाहिए।

सीएम का जागरूकता पर रहा जोर

सीएम ने कहा कि सामान्य व्यक्ति को भी जागरूकता के जरिए आपदा में राहत उपलब्ध करा सकें। जब आपदा न रहे, तब भी खुद की ट्रेनिंग

के साथ ही स्कूलों-कॉलेजों के छात्रों/शिक्षकों व अवकाश के दिनों में जनपद स्तर पर प्रधानाचार्यों का सम्मेलन कर आपदा की सावधानियों से अवगत कराएंगे तो यह देश की बड़ी सेवा होगी।

सीएम ने मगरमच्छ की चपेट में आने से बच्चे की मौत पर जताया दुख

सीएम ने बाढ़, आकाशीय बिजली, अतिवृष्टि, अग्निकांड, भवन के धराशायी होने संबंधी प्राकृतिक व भौतिक आपदा की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश पहला राज्य है, जिसने मानव-वन्य जीव द्वंद्व को भी आपदा की श्रेणी में रखकर राहत देने का कार्य किया। सीएम ने दो दिन पहले बहराइच में हुई घटना पर दुख जताया। कहा कि 12 साल के बच्चे को मगरमच्छ ने निगल लिया। सभी लोग मगरमच्छ वाले संवेदनशील क्षेत्र के साथ ही यह भी जानते हैं कि वे पूरे जीवन में चार-पांच किमी. के दायरे में ही रहता है। ऐसे में जीव-जंतु से जबर्दस्ती खिलवाड़ न करें। सीएम ने दुख जताया कि ऐसी घटना के समय लोग वीडियो बनाते रहते हैं, लेकिन बचाव पर ध्यान नहीं देते।

4000 से अधिक लोग मानव-वन्य जीव द्वंद्व, 5000 लोग अन्य प्राकृतिक आपदा की चपेट में आए

सीएम ने बताया कि बिजनौर में दो वर्ष में 80 लैपर्ड रेस्क्यू किए गए हैं। यह गन्ने के खेत में अधिक पाए जा रहे हैं। लोगों ने उसे शुगर लैपर्ड नाम दिया है। जागरूक न होने पर लोग उसकी चपेट में आ जाएंगे। सीएम ने टाइगर व लैपर्ड के स्वभाव का अंतर बताते हुए कहा कि उसके खतरे वाले क्षेत्र को चिह्नित करके लोगों को अवगत कराएंगे तो बड़ी जनहानि रोकी जा सकती है। यूपी में 4000 से अधिक लोग मानव-वन्य जीव द्वंद्व, 5000 लोग अन्य प्राकृतिक आपदा की चपेट में आए हैं।

सीएम ने आकाशीय बिजली से बचाव के तरीके भी बताए

मुख्यमंत्री ने कहा कि आकाशीय बिजली की घटना में भी जान बचाई जा सकती है। इसके लिए उन्होंने तकनीक पर जोर दिया, कहा कि इसका उपयोग करके डेढ़-दो घंटे पहले भी बता सकते हैं कि कि किस एरिया में आकाशीय बिजली गिरने वाली है। उन्होंने कहा कि 40 साल पहले तकनीक नहीं थी, फिर भी बताया जाता था कि बादल नजदीक हों और लगता हो कि आपस में घने व विशेष रंग के हैं तो सावधानी बरतने की आवश्यकता है। ऐसे में खुले स्थान या पेड़ के न खड़ा होना है और न ही लोहे या कोई धातु की वस्तु लेकर चलना है, बल्कि पक्के भवन के नीचे शरण लेनी है।

एक ही घंटे में यूपी में हुई 111 मौत का दर्द भी झलका

सीएम के संबोधन में पिछले दिनों यूपी में एक ही एक घंटे में हुई 111 मौत का दर्द भी झलका। उन्होंने बताया कि फतेहपुर, प्रयागराज, कौशांबी, मीरजापुर, भदोही, जौनपुर, आजमगढ़, सुल्तानपुर, अंबेडकरनगर आदि जनपदों में कुल मिलाकर 111 लोगों की मौत हुई थी। प्राधिकरण की बैठक में चिंता व नाराजगी व्यक्त करते हुए सीएम ने कहा था कि इन मौतों को न्यूनतम करने में सहायता की जा सकती है। उन्होंने अर्ली वार्निंग सिस्टम को प्रभावी बनाने पर भी जोर दिया गया था। बैठक के ठीक तीसरे दिन एनडीआरएफ/एफडीआरएफ व राष्ट्रीय/राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने समन्वय से उस प्रक्रिया को आगे बढ़ाया।

अर्ली वार्निंग सिस्टम के कारण सहारनपुर में रोकी गई बड़ी जन-धनहानि

मुख्यमंत्री ने सहारनपुर में शिवालिक पहाड़ियों में रात में अचानक आई बारिश की घटना का भी वृतांत बताया। कहा कि उस समय शाकुंभरी मंदिर में हजारों लोग जागरण व भंडारा कार्यक्रम में थे। ऊपर से देखते ही देखते चार-पांच फुट पानी तेजी से नदियों में बढ़ गया, लेकिन इससे पहले अलर्ट आते ही प्रशासन ने सभी लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया। यदि इन लोगों को हटाया नहीं गया होता तो सैकड़ों जानें जा सकती थीं, लेकिन अर्ली वार्निंग सिस्टम के कारण मोबाइल घनघनाने लगे और सभी लोग जागरूक हो गए, जिससे बड़ी जन-धनहानि रोकी गई।

आपदा प्रबंधन से जुड़े बेहतरीन संस्थानों से समन्वय आवश्यक

सीएम ने कहा कि प्राधिकरण आपदा प्रबंधन से जुड़े बेहतरीन संस्थानों से समन्वय और एमओयू करे। हर तबके के लोगों को प्रशिक्षण से जोड़े। मीडिया के सभी प्लेटफॉर्म के जरिए भी जागरूकता फैलाए और सावधानी/सतर्कता के बारे में बताएं। सीएम ने जनपद, तहसील, थाना, विकास खंड, नगर निकायों में भी मॉकड्रिल को बढ़ाने पर जोर दिया, उन्होंने कहा कि सभी 17 नगर निगम एसडीएमए के उपकेंद्र के रूप में आपदा प्रबंधन के कार्यक्रम को बढ़ाएं। लगभग पांच लाख की आबादी वाली 200 से अधिक नगर पालिका परिषद में भी पहुंचें।

सीएम ने विभिन्न तकनीकों को प्रभावी बनाने पर दिया जोर

सीएम ने कहा कि आने वाले समय में तकनीक डे-वन डिजास्टर मैनेजमेंट को कैसे प्रभावी बनाने के लिए सेटेलाइट व रिमोट सेंसिंग मॉनीटरिंग, एआई पर आधारित रिस्क मैपिंग, प्रीडेक्टिव एनालिटिक्स आधारित अर्ली वार्निंग सिस्टम, मोबाइल बेस्ड सिटीजन अलर्ट सिस्टम, जीआईएस आधारित डिसिजन मेकिंग एंड डिजिटल कंट्रोल रूम, ड्रोन आधारित सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन का और अधिक इंटीग्रेट यूज बताया।

इस अवसर पर वित्त व संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, राजस्व राज्यमंत्री सुरेंद्र दिलेर, महापौर सुषमा खर्कवाल, सरोजिनी नगर क्षेत्र के विधायक राजेश्वर सिंह, प्राधिकरण के उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल योगेंद्र डिमरी, प्रमुख सचिव (राजस्व) अपर्णा यू, पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्णा आदि मौजूद रहे।

चंद महीनों में रिकॉर्ड आवेदन, 14 हजार से ज्यादा ओबीसी बेटियों को मिला शादी अनुदान का लाभ

समाज जागरण

*लखनऊ, 19 जुलाई।*मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। विशेष रूप से अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए संचालित शादी अनुदान योजना बेटियों के विवाह में बड़ी आर्थिक राहत बनकर उभरी है। वित्तीय वर्ष 2026-27 की शुरूआत के महज कुछ महीनों में ही इस योजना को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला है। रिकॉर्ड संख्या में आवेदन प्राप्त होने के साथ ही अब तक 14 हजार से अधिक पात्र बेटियों को योजना का लाभ भी मिल चुका है। इससे स्पष्ट है कि सरकार की योजनाएं तेजी से अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं और जरूरतमंद परिवारों को समय पर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक 82 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से पात्र पाए गए 14,717 लाभार्थियों को योजना का लाभ दिया जा चुका है। इसके लिए 29.43 करोड़ रुपये सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजा गया है। पारदर्शी भुगतान व्यवस्था के कारण लाभार्थियों को बिना किसी बिचौलिए के समय पर सहायता मिल रही है।

1.05 लाख आवेदकों को लाभ देने का लक्ष्य

योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 में 1 लाख 5 हजार पात्र आवेदकों को शादी अनुदान योजना से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया है। शुरूआती महीनों में ही बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त होना इस बात का संकेत है कि योजना के प्रति लोगों का भरोसा लगातार बढ़ा है। सरकार का प्रयास है कि पात्र परिवारों को समय पर सहायता उपलब्ध कराकर बेटियों के विवाह से जुड़ी आर्थिक परेशानियों को कम किया जाए। बेटी की शादी अक्सर सबसे बड़ी जिम्मेदारी मानी जाती है। ऐसे में योगी सरकार की शादी अनुदान योजना इन परिवारों के लिए संबल बनकर सामने आई है।

प्रति बेटी 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता

योजना के तहत प्रत्येक पात्र परिवार को बेटी की शादी के लिए 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। पूरी राशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भेजी जाती है। योजना का लाभ उन्हीं परिवारों को मिलता है जिनकी वार्षिक आय एक लाख रुपये तक है। इसके अलावा विवाह के समय लड़की की न्यूनतम आयु 18 वर्ष तथा लड़के की न्यूनतम आयु 21 वर्ष होनी चाहिए। आवेदन प्रक्रिया में दिव्यांग, विधवा, दैवीय आपदा से प्रभावित तथा भूमिहीन परिवारों को प्राथमिकता दी जाती है।

सभी पात्र लाभार्थियों को दिया जा रहा लाभ

पिछड़ा वर्ग कल्याण निदेशक उमेश प्रताप सिंह ने कहा कि शादी अनुदान योजना अन्य पिछड़ा वर्ग के जरूरतमंद परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित हो रही है। मात्र कुछ महीनों में ही 82 हजार से ज्यादा आवेदन आ चुके हैं। जिसमें पात्र आवेदकों को लाभ दिया जा चुका है। उन्होंने कहा कि यह योजना गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह में महत्वपूर्ण सहयोग दे रही है तथा योगी सरकार पिछड़े वर्ग के उत्थान और विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

उत्तर प्रदेश बनेगा गो आधारित अर्थव्यवस्था का केंद्र, हर जिले में लगेंगे 1,000 से अधिक बायोगैस प्लांट

- सीएम योगी के विजन के अनुरूप बड़े पैमाने पर फिक्स के साथ-साथ पोर्टेबल प्लांट लगाने की तैयारी
- प्रति प्लांट 25 से 40 हजार तक आएगा खर्च, 15 अग्रणी कंपनियों ने परियोजना से जुड़ने में दिखाई रुचि
- योगी सरकार ग्रामीणों को प्लांट लगाने के लिए अनुदान देने की रूपरेखा भी कर रही तैयार
- आईआईटी दिल्ली के वैज्ञानिक यूपी के युवाओं को बनाएंगे टेक्नीशियन, बड़े पैमाने पर मिलेगा रोजगार

समाज जागरण

लखनऊ, 19 जुलाई : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप उत्तर प्रदेश में गो आधारित ग्रीन इकोनॉमी का सबसे बड़ा अभियान शुरू होने जा रहा है। प्रदेश के हर जिले में एक हजार से अधिक घरों में मिनी बायोगैस प्लांट लगाने की योजना तैयार की गई है। इसमें फिक्स के साथ पोर्टेबल प्लांट भी लगाए जाएंगे। इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट में आईआईटी दिल्ली तकनीकी साझेदार की भूमिका निभाएगा, जबकि इस क्षेत्र में कार्य कर रही 15 से अधिक अग्रणी कंपनियों ने भी ग्रामीण क्षेत्रों में इस परियोजना से जुड़ने में रुचि दिखाई है। इसके साथ ही ग्रामीणों को प्लांट लगाने के लिए अनुदान देने की रूपरेखा भी तैयार की जा रही है।

गाय बनेंगी गांवों की नई अर्थव्यवस्था का आधार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप प्रदेश की गोशालाओं को 'रूरल रिसोर्स एंड एनर्जी हब' के रूप में विकसित किया जाएगा। यहां गोबर से बायोगैस, बायो-सीएनजी, ऑर्गेनिक फर्टिलाइजर और भविष्य में कार्बन क्रेडिट तक की पूरी वैल्यू चेन विकसित की जाएगी। योगी सरकार का लक्ष्य गो आधारित उत्पादों को आय, ऊर्जा और रोजगार का स्थायी स्रोत बनाना है।

आधुनिक तकनीक और निजी क्षेत्र का अनुभव गांवों तक पहुंचेगा

उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि इस योजना की सबसे बड़ी ताकत तकनीकी और औद्योगिक सहयोग है। आईआईटी दिल्ली प्लांट की तकनीक, संचालन, रखरखाव और युवाओं के प्रशिक्षण की जिम्मेदारी संभालेगा। वहीं, इस क्षेत्र में कार्यरत 15 से अधिक बड़ी कंपनियां प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में परियोजना के क्रियान्वयन और विस्तार में भागीदारी के लिए आगे आई हैं। इससे आधुनिक तकनीक और निजी क्षेत्र के अनुभव का लाभ गांवों तक पहुंचेगा।

ग्रीन टेक्नीशियन की नई पीढ़ी तैयार होगी

आईआईटी दिल्ली के प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेशभर के युवाओं को बायोगैस प्लांट की स्थापना, संचालन और रखरखाव का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे ग्रीन टेक्नीशियन की नई पीढ़ी तैयार होगी। वहीं, स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण उद्यमियों के लिए भी स्वरोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

एलपीजी पर निर्भरता घटेगी, जैविक खेती को मिलेगा बढ़ावा

प्लांट से तैयार गैस का उपयोग घरेलू ईंधन के रूप में होगा, जिससे ग्रामीण परिवारों का रसोई गैस खर्च कम होगा। वहीं, प्लांट से निकलने वाली स्लरी उच्च गुणवत्ता वाली ऑर्गेनिक खाद के रूप में खेतों में इस्तेमाल होगी। इससे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता घटेगी और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा मिलेगा।

ग्रामीण आत्मनिर्भरता की नई मिसाल बनेगा मॉडल

गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों को ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनाना और जैविक खाद का उत्पादन बढ़ाना है। प्लांट लगाने के लिए ग्रामीणों को अनुदान देने की योजना भी तैयार की जा रही है। आने वाले समय में यह मॉडल उत्तर प्रदेश को देश की गो आधारित ग्रीन इकोनॉमी का अग्रणी राज्य बनाएगा।

मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना से यूपी के ग्रामीण क्षेत्रों को मिली रफ्तार, गांवों तक पहुंच रही बस सेवा

- योगी सरकार ने 56 जिलों में 215 बसों का संचालन किया शुरू, योजना का तेजी से बढ़ रहा दायरा
- गांव से तहसील व जिला मुख्यालय तक आसान हुआ सफर, 4 महीने से कम समय में बड़ी उपलब्धि
- प्रयागराज में सबसे अधिक 43 बसें, अन्य जिलों में भी बढ़ाया जा रहा संचालन

समाज जागरण

लखनऊ, 19 जुलाई। सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेशवासियों की सहूलियत के लिए योजनाएं बनने से लेकर लागू होने तक की कार्यवाही तेजी से पूरी हो रही है। मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना इसका बड़ा उदाहरण बनकर सामने आई है। मार्च 2026 में योगी सरकार की कैबिनेट बैठक के दौरान इस योजना को मंजूरी मिली थी। चार महीने से भी कम समय में यूपी के 75 में से 56 जिलों को ग्रामीण मार्गों पर बस सेवा से जोड़ा जा चुका है। इसके साथ ही प्रदेश के हर गांव को बस सेवा से जोड़ने का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है।

मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना के माध्यम से उन गांवों और ग्रामीण मार्गों को बस सेवा से जोड़ा जा रहा है, जहां अब तक नियमित सार्वजनिक परिवहन की सुविधा उपलब्ध नहीं थी। योजना का उद्देश्य प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों को परिवहन सुविधा से जोड़ते हुए ग्रामीण जनता को ब्लॉक, तहसील व जिला मुख्यालय तक सुरक्षित एवं सुगम आवागमन उपलब्ध कराना है। साथ ही निजी बस संचालकों के सहयोग से उन मार्गों पर भी परिवहन सेवा शुरू की जा रही है, जहां उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) की बसें सीमित संख्या में संचालित होती हैं।

56 जिलों में 215 बसों का संचालन

परिवहन विभाग के मुताबिक योजना के तहत अब तक 1,012 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 858 आवेदनों का चयन किया जा चुका है। वर्तमान में प्रदेश के 56 जनपदों में 215 मिनी बसों का संचालन शुरू हो चुका है, जिससे काफी संख्या में ग्रामीण परिवारों को सीधा लाभ मिल रहा है। सरकार व विभाग चरणबद्ध तरीके से योजना का विस्तार कर रहे हैं, ताकि प्रदेश के अंतिम गांव तक सार्वजनिक परिवहन की सुविधा पहुंच सके।

बस संचालन की जिलेवार स्थिति

योजना के अंतर्गत सबसे अधिक प्रयागराज में 43 बसों का संचालन शुरू हुआ है। इसके अलावा मुजफ्फरनगर में 27, झांसी में 19, मथुरा में 18, जौनपुर में 7, हापुड़ में 6, बांदा में 5, एटा में 5, मऊ में 4, जालौन में 4 व बलिया में 3 बसों का संचालन शुरू हो गया है। अन्य जिलों में भी बसों की संख्या तेजी से बढ़ाई जा रही है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों की कनेक्टिविटी लगातार मजबूत हो रही है।

ग्रामीण स्तर पर रोजगार का जरिया

मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना केवल आवागमन की सुविधा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण युवाओं के लिए नए रोजगार के अवसर भी सृजित कर रही है। इन मिनी बसों के संचालन में आवेदक समेत बस ड्राइवर, कंडक्टर को क्षेत्रीय आधार पर प्राथमिकता दी जा रही है। इससे ग्रामीण स्तर पर रोजगार भी मिलना शुरू हुआ है।

एनसीआर क्षेत्र में सीएनजी व इलेक्ट्रिक बसों को ही अनुमति

मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना के तहत उत्तर प्रदेश के 75 जिलों में 15 से 28 सीटों वाली डीजल, सीएनजी और इलेक्ट्रिक मिनी बसों का संचालन किया जाना है। इसमें अधिकतम 8 वर्ष पुरानी बसों को ही शामिल किए जा सकेगा। बसों के मॉडल और पंजीकरण वर्ष में एक वर्ष से अधिक का अंतर नहीं होगा। बस संचालन की अनुमति पहले 10 वर्षों के लिए होगी, जिसे बाद में 5 वर्ष तक बढ़ाया जा सकेगा। डीजल बसों की अधिकतम आयु 10 वर्ष, सीएनजी व इलेक्ट्रिक वाहनों की 15 वर्ष तय की गई है। एनसीआर क्षेत्र में केवल सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहन ही चलेंगे।

बस संचालन के लिए परमिट लेने में छूट

इस योजना के तहत प्राप्त सभी आवेदनों की जांच और पात्र आवेदकों का चयन जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति कर रही है। इस समिति में मुख्य विकास अधिकारी, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी और सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक शामिल हैं।

योजना के सुचारु संचालन, निगरानी और रखरखाव की जिम्मेदारी क्षेत्रीय प्रबंधकों को सौंपी गई है। वे हर महीने योजना की प्रगति की रिपोर्ट मंडलायुक्त को देंगे, ताकि कार्यों की नियमित समीक्षा हो सके। सरकार ने योजना को आसान और प्रभावी बनाने के लिए बस संचालन के लिए परमिट लेने की अनिवार्यता से भी छूट प्रदान की है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में परिवहन सेवा जल्द शुरू हो सके।

5 करोड़ रुपये की कर्मचारी स्वामित्व योजना लागू, अब कंपनी की प्रगति में भागीदार होंगे कर्मचारी

समाज जागरण

फरीदाबाद। देश के तेजी से उभरते ऑटोमोबाइल प्रौद्योगिकी (ऑटोमोटिव टेक) स्टार्टअप स्मार्ट गैरेज ने अपने कर्मचारियों के लिए लगभग 5 करोड़ रुपये की कर्मचारी शेयर स्वामित्व योजना (ईएसओपी) लागू करने की घोषणा की है। कंपनी का कहना है कि उसके विकास में योगदान देने वाले कर्मचारियों को अब कंपनी की भविष्य की सफलता और स्वामित्व में भी भागीदारी मिलेगी।

स्मार्ट गैरेज की मूल कंपनी रत्नशील ऑनलाइन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के अनुसार, इस योजना का उद्देश्य उन कर्मचारियों को सम्मानित करना है, जिन्होंने अपनी मेहनत, नवाचार और समर्पण से कंपनी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कंपनी का मानना है कि कर्मचारियों को केवल वेतन ही नहीं, बल्कि कंपनी के स्वामित्व में भी हिस्सेदारी मिलनी चाहिए।

100 करोड़ रुपये के मूल्यांकन पर मिला निवेश

कंपनी ने हाल ही में 100 करोड़ रुपये के मूल्यांकन पर 2.4 करोड़ रुपये का प्री-सीरीज-ए निवेश प्राप्त किया है। यह कंपनी का पहला संस्थागत निवेश है। इससे पहले स्मार्ट गैरेज ने बिना किसी बाहरी निवेश के स्वयं के संसाधनों के बल पर कार्य करते हुए लगभग 70 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर्ज की है। अब कंपनी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित तकनीकों, उद्यम साझेदारियों और देशभर में अपने नेटवर्क के विस्तार के माध्यम से दस गुना विकास का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है।

'कर्मचारी नहीं, सह-भागीदार बनेंगे'

स्मार्ट गैरेज के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी पवन सिंह रघुवंशी ने कहा कि भविष्य का ऑटोमोबाइल उद्योग केवल वाहनों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि मरम्मत, बीमा, स्पेयर पाट्र्स, प्रशिक्षित कार्यबल और डिजिटल सेवाओं को एकीकृत करने वाले तकनीकी ढांचे पर आधारित होगा। उन्होंने कहा कि ईएसओपी योजना इस विश्वास का प्रतीक है कि कंपनी की सफलता में योगदान देने वाले प्रत्येक कर्मचारी को उस सफलता का उचित भागीदार बनाया जाना चाहिए।

क्या है स्मार्ट गैरेज?

स्मार्ट गैरेज भारत के बिखरे हुए ऑटोमोबाइल सेवा बाजार को एक डिजिटल मंच पर लाने की दिशा में कार्य कर रहा है। कंपनी का मंच बीमा कंपनियों, ऑटोमोबाइल कार्यशालाओं, स्पेयर पाट्र्स वितरकों, खुदरा विक्रेताओं, फ्लीट संचालकों और वाहन मालिकों को एक साथ जोड़ता है। कंपनी कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित वाहन निरीक्षण, बीमा दावा स्वचालन, स्मार्ट कार्यशाला प्रबंधन प्रणाली, बी-टू-बी असली स्पेयर पाट्र्स बाजार तथा आधुनिक ऑटोमोबाइल प्रौद्योगिकी सेवाएं उपलब्ध करा रही है।

प्रौद्योगिकी विस्तार पर रहेगा विशेष जोर

कंपनी के अनुसार आने वाले वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्लेटफॉर्म, उद्यम समाधान और तकनीकी तंत्र को और अधिक मजबूत किया जाएगा। स्मार्ट गैरेज का दीर्घकालिक लक्ष्य भारत की अग्रणी ऑटोमोबाइल अवसंरचना प्रौद्योगिकी कंपनी बनना है, जो ऑटोमोबाइल सेवा क्षेत्र के सभी प्रमुख हितधारकों को एक ही डिजिटल मंच पर जोड़ सके।

श्रीराम मंदिर चढ़ावा चोरी के आरोपियों को वीआईपी सुविधा मिलने की खबरों का जेल प्रशासन ने किया खंडन

- हाई सिक्योरिटी बैरक में हैं सभी 8 आरोपीः जिला कारागार अधीक्षक
- अयोध्या जेल प्रशासन ने कहा- आरोपियों की हर गतिविधि पर रखी जा रही है लगातार नजर
- आवश्यकता पड़ने पर किसी भी समय सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा सकती हैः जिला कारागार अधीक्षक

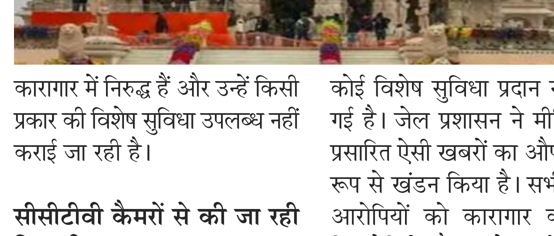

समाज जागरण

अयोध्या, 19 जुलाई। श्रीराम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले में निरुद्ध आरोपियों को जेल में विशेष सुविधाएं (वीआईपी ट्रीटमेंट) दिए जाने संबंधी समाचार-पत्रों और डिजिटल मीडिया में प्रकाशित खबरों का अयोध्या जिला कारागार प्रशासन ने खंडन किया है। जिला कारागार के अधीक्षक मुकेश कुमार ने रविवार को स्पष्ट किया कि इस मामले में कुल आठ आरोपी कारागार में निरुद्ध हैं और उन्हें किसी प्रकार की विशेष सुविधा उपलब्ध नहीं कराई जा रही है।

सीसीटीवी कैमरों से की जा रही निगरानी

जेल अधीक्षक मुकेश कुमार ने बयान जारी करते हुए कहा कि चढ़ावा चोरी के आरोपियों को वीआईपी ट्रीटमेंट दिए जाने संबंधी खबरें पूरी तरह तथ्यहीन हैं। कारागार में सभी बंदियों अथवा आरोपियों के साथ नियमानुसार व्यवहार किया जा रहा है किसी को भी नियमों से हटकर कोई विशेष सुविधा प्रदान नहीं की गई है। जेल प्रशासन ने मीडिया में प्रसारित ऐसी खबरों का औपचारिक रूप से खंडन किया है। सभी आठों आरोपियों को कारागार की हाई सिक्योरिटी बैरक में पूर्ण सुरक्षा व्यवस्था के बीच रखा गया है। उनकी गतिविधियों पर लगातार सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से कड़ी निगरानी की जा रही है। सभी बंदी हर समय कैमरों की जद में रहते हैं आवश्यकता पड़ने पर किसी भी समय सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा सकती है।

एसडीएम के आदेश के एक माह बाद टूटा भूमाफियाओं का कब्जा, 5 एकड़ सरकारी जमीन अतिक्रमण मुक्त

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

19 जुलाई। बेलवा पंचायत अंतर्गत मौजा बेलवा काशीपुर की सरकारी जमीन पर भूमाफियाओं द्वारा किए गए अवैध कब्जे को आखिरकार जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए हटा दिया। दैनिक समाचार में प्रमुखता से खबर प्रकाशित होने और ग्रामीणों की लगातार शिकायतों के बाद प्रशासन हरकत में आया और रविवार को लगभग 5 एकड़ 12 डिसमिल सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करा दिया।

मामला किशनगंज प्रखंड के मौजा काशीपुर, थाना संख्या-04, खाता संख्या-174 एवं खेसरा संख्या-808 से जुड़ा है। अपर समाहर्ता द्वारा जमाबंदी रद्द किए जाने के बाद यह भूमि सरकारी खाते में दर्ज थी। इसके बावजूद भूमाफियाओं ने जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर हल चलाया और चाय का बागान तैयार कर लिया था।

ग्रामीणों ने व्हाट्सएप, सोशल मीडिया और लिखित आवेदन के माध्यम से जिला पदाधिकारी से कार्रवाई की मांग की थी। शिकायत मिलने पर अंचल कार्यालय ने नोटिस जारी किया और प्राथमिकी भी दर्ज कराई। इसके बाद 12 जून 2026 को अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) ने दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी और करीब 100 पुलिस बल के साथ अतिक्रमण हटाने का संयुक्त आदेश जारी किया था।

हालांकि आदेश जारी होने के बाद भी कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी थी। दैनिक समाचार में इस मामले को प्रमुखता से प्रकाशित किए जाने के बाद प्रशासन ने आदेश का अनुपालन सुनिश्चित किया और रविवार को बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया।

कार्रवाई के दौरान किशनगंज थाना प्रभारी मुकेश कुमार, राजस्व अधिकारी गंगाराम टुडू, अंचल कर्मियों, अमीन तथा करीब 100 पुलिस जवानों की मौजूदगी में अवैध चाय बागान को पूरी तरह उखाड़ दिया गया। साथ ही बांस-बल्ली से की गई घेराबंदी भी हटाकर सरकारी जमीन को कब्जामुक्त करा लिया गया।

लंबे समय से लंबित इस मामले के समाधान पर ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकताओं ने जिला प्रशासन की कार्रवाई की सराहना की। लोगों का कहना है कि प्रशासन ने केवल आदेश जारी करने तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे जमीन पर लागू कर सरकारी संपत्ति की रक्षा की है।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और भविष्य में भी ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

बेसरबाटी में नशा मुक्ति अभियान को मिली नई उड़ान

नशा मुक्ति का संदेश लेकर सड़कों पर उतरे बच्चे

समाज जागरण संवाददाता

गलगलिया (किशनगंज) । नशा मुक्त बिहार के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से रविवार को मद्यनिषेध एवं उत्पाद विभाग, किशनगंज तथा गलगलिया इकाई के संयुक्त तत्वावधान में नया प्राथमिक विद्यालय, बेसरबाटी आदिवासी टोला में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और नशा मुक्ति के समर्थन में जागरूकता रैली निकाली।

रैली के दौरान बच्चों ने हाथों में तख्तियां लेकर तथा नशा विरोधी नारों के माध्यम से ग्रामीणों को शराब एवं अन्य नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। रैली गांव के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए लोगों को स्वस्थ, सुरक्षित और नशामुक्त जीवन अपनाने का संदेश देती रही।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बेसरबाटी पंचायत की मुखिया अनुपम देवी ने कहा कि नशा परिवार और समाज दोनों के लिए घातक है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने तथा समाज में जागरूकता फैलाने की अपील की। वहीं किशनगंज के एक्साइज इंस्पेक्टर मनीष कुमार सक्सेना ने कहा कि नशा मुक्ति अभियान को सफल बनाने में आम लोगों की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बच्चों के माध्यम से दिया गया संदेश समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालता है।

इस अवसर पर गलगलिया मद्यनिषेध के प्रभारी चन्दन कुमार राय, अवर निरीक्षक कुंज बिहारी सिंह, एएसआई अमलेश तिवारी, मद्यनिषेध विभाग की टीम, विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं तथा स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने नशा मुक्त समाज के निर्माण हेतु सक्रिय सहयोग देने का संकल्प लिया।

नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के इस आयोजन ने क्षेत्र के लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारी का भी संदेश दिया।

परशुराम शक्ति सेना ने अमर शहीद मंगल पाण्डेय का प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित कर मनाया

अभय कुमार मिश्रा, समाज जागरण, ब्यूरो चीफ

सरायकेला खरसावां (झारखंड) 19 जुलाई 2026: रविवार को संध्या 5:00 बजे श्री परशुराम शक्ति सेना के द्वारा प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के नायक, मां भारती के वीर पुत्र अमर शहीद मंगल पाण्डेय का जन्म दिवस टाटा पिगमेंट गेट के समीप स्थित शहीद मंगल पाण्डेय चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर

श्रद्धांजलि अर्पित कर मनाया गया। कार्यक्रम सेना के केंद्रीय अध्यक्ष अभिषेक पाण्डेय के अध्यक्षता में संपन्न किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि शहीद मंगल पाण्डेय मां भारती के सच्चे सपूत थे। इनके द्वारा ही प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का बिगुल फुका गया जिसके माध्यम से पूरा देश अंग्रेजों के विरुद्ध खड़ा हो गया था।आज के युवाओं को शहीद मंगल पाण्डेय के राष्ट्र प्रेम एवं राष्ट्रहित मे किए गए कार्यों से प्रेरित होने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय के लिए दिए गए इनके बलिदान को ब्राह्मण समाज सदैव याद करेगा एवं गौरवान्वित महसूस करता रहेगा। इस कार्यक्रम में अभिषेक पांडे ,सौरभ पाठक, दीपक पाण्डेय राजा ओझा,लव कुश उपाध्याय, दीपक झा,कार्तिक झा,आदित्य भारद्वाज आर.पी पांडे एवं आदि काफी संख्या में सेना के एवं समाज के लोग उपस्थित थे।

ईशीपुर-बाराहाट में आधुनिक तकनीक से प्लेश ब्रिक्स निर्माण शुरू

समाज जागरण

गोड्डा मेहरमा के अंतरराज्यीय सीमा पर स्थित ईशीपुर-बाराहाट थाना के नजदीक रविवार को मां दुर्गा प्लेश ब्रिक्स का उद्घाटन यूको बैंक भागलपुर जॉन के जनरल मैनेजर राजकुमार, प्रमुख रश्मि कुमारी, पंचायत समिति सदस्य मंटू रजक व अन्य ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया। इस अवसर पर कई पंचायत प्रतिनिधि और गणमान्य उपस्थित थे। ब्रिक्स के प्रोपराइटर आरती देवी व परमानंद केजरीवाल ने बताया कि यहां एमडीबी मार्का के फ्लैश ब्रिक्स तैयार किया जा रहा है। जो काफी मजबूत तथा टिकाऊ है और कम दर पर उपलब्ध कराया जा रहा है। कहा कि झारखंड और बिहार में इस तरह का फ्लेस ब्रिक्स का प्लांट बहुत कम है। बताया कि बीते दो वर्षों से इस प्लांट के लिए प्रयास किया जा रहा था। सरकार की ओर से भी फ्लैश ब्रिक्स को बढ़ावा दिया जा रहा है। यह काफी मजबूत और टिकाऊ होता है। इस फ्लैश ब्रिक्स को अमीर और गरीब सभी लोग खरीद सकते हैं।अपने घर तथा सरकारी योजनाओं में भी इसे लगाया जा सकता है। यह काफी टिकाऊ होता है। बताया कि आधुनिक निर्माण सामग्री के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए क्यू ग्रीन आरटी-तीन फ्लैश ब्रिक्स प्लांट का शुभारंभ किया गया। आधुनिक तकनीक से निर्मित यह ब्रिक्स पारंपरिक ईंटों की तुलना में अधिक मजबूत, टिकाऊ एवं पर्यावरण के अनुकूल है। प्लांट में गुणवत्ता मानकों का विशेष ध्यान रखते हुए निर्माण कार्य किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि प्लांट में अत्याधुनिक मशीनों के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाली ब्रिक्स का उत्पादन किया जा रहा है। जिससे स्थानीय स्तर पर निर्माण सामग्री की उपलब्धता बढ़ेगी और परिवहन लागत में भी कमी आएगी। कहा कि भविष्य में उत्पादन क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ अधिक से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने की योजना है। इससे पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।यह लाल ईंट की अपेक्षा अत्यधिक टिकाऊ, सस्ता व सभी कार्यों में उपयोगी है।इस अवसर पर प्रखंड प्रमुख रश्मि कुमारी, पंचायत समिति सदस्य मंटू रजक, मुखिया प्रतिनिधि गुंजन साह, पूर्व मुखिया संजय साह, गोविंद चनानी उर्फ गुड्डू चनानी, मुकेश आजाद, पंकज कुमार, अमित कटारुका, राजद नेता बासुकीनाथ यादव सहित अन्य उपस्थित थे।

अक्टूबर में होगा झारखंड राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (JNFF) का 7वां संस्करण, झारखंडी भाषाई फिल्मों की एंट्री निःशुल्क

अभय कुमार मिश्रा, समाज जागरण, ब्यूरो चीफ

सरायकेला खरसावां (झारखंड) 19 जुलाई 2026: झारखंड राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (JNFF) के 7वें संस्करण का भव्य आयोजन आगामी अक्टूबर माह में किया जाएगा। 'अस्मा इंडिया चैरिटेबल ट्रस्ट' एवं 'मित्रा प्रोडक्शन' के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रतिष्ठित महोत्सव में झारखंड की स्थानीय एवं भाषाई फिल्मों को विशेष प्राथमिकता दी गई है। इसी उद्देश्य से झारखंड की क्षेत्रीय फिल्मों के लिए प्रविष्टि पूरी तरह निःशुल्क रखी गई है।

'अस्मा इंडिया' कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए संगठन के संस्थापक संजय सत्पथी, राजू मित्रा तथा महोत्सव की निदेशक डॉ. शालिनी प्रसाद ने बताया कि इस वर्ष के फिल्म महोत्सव में बॉलीवुड एवं झॉलीवुड के कई नामचीन कलाकारों का महासंगम देखने को मिलेगा। उन्होंने बताया कि इच्छुक फिल्म निमार्ता फीचर फिल्म, शॉर्ट फिल्म, म्यूजिक वीडियो एवं डॉक्यूमेंट्री श्रेणी में अपनी फिल्मों की प्रविष्टि भेज सकते हैं।

आयोजकों ने कहा कि झारखंड के प्रतिभाशाली कलाकार सिनेमा के माध्यम से राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोककला और परंपराओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करेंगे। महोत्सव में विशेष रूप से नागपुरी, संथाली, छऊ, खोरठा, मुंडारी सहित अन्य झारखंडी भाषाओं की फिल्मों और प्रस्तुतियों को प्रमुखता दी जाएगी।

महोत्सव में प्रविष्टि भेजने की अंतिम तिथि *31 जुलाई 2026* निर्धारित की गई है। इच्छुक फिल्म निमार्ता एवं कलाकार महोत्सव की आधिकारिक वेबसाइट *www.jharkhandnationalfilmfestival.com* पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। झारखंड की भाषाई फिल्मों के लिए किसी प्रकार का आवेदन शुल्क नहीं लिया जाएगा।

कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य संरक्षक भरत सिंह, संरक्षक ,सुखदेव महतो, डॉ. जे. एन. दास,पूर्वी घोष, अरुण बाकरेवाल सहित अनेक कार्यकताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

जेएनएफएफ टीम के सदस्य:

नैंसी सिंह, शिवांगी सिंह, जॉय, कशिश जैन, नवीन प्रधान, राज प्रामाणिक सहित अन्य सदस्यों का आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

आर आई टी थाना ने चलाया ड्रंक एंड ड्राइव' और एंटी क्राइम चेकिंग अभियान

अभय कुमार मिश्रा, समाज जागरण, ब्यूरो चीफ

सरायकेला खरसावां (झारखंड) 19 जुलाई 2026: सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और अपराध नियंत्रण को लेकर आर आई टी पुलिस पूरी तरह रेस हो गई है। पुलिस अधीक्षक सरायकेला के निर्देश पर शनिवार को आर आई टी थाना क्षेत्र अंतर्गत रोड नंबर 32 मुख्य मार्ग पर एक व्यापक 'ड्रंक एंड ड्राइव' और एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान ट्रैफिक पुलिस और स्थानीय थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से वाहनों की सघन जांच की।

वही आर आई टी थाना प्रभारी रविकांत परासर का कहना है कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने और राहगीरों की जान जोखिम में डालने वाले चालकों की अब खैर नहीं, हालांकि अभी चेतावनी देकर छोड़ा गया है। जिला अंतर्गत सड़कों पर लगातार हो रही दुर्घटनाओं को पुलिस अधीक्षक ने बेहद गंभीरता से लिया है। एसपी ने स्पष्ट किया है कि सड़कों पर बेगुनाह लोगों की जान बचाने, दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण और जिले में विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह चेकिंग अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे शराब पीकर वाहन न चलाएं और यातायात नियमों का पालन करें।

अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के नवनियुक्त पदाधिकारियों का सम्मान, संगठन विस्तार पर हुआ मंथन

अभय कुमार मिश्रा, समाज जागरण,ब्यूरो चीफ

सरायकेला खरसावां (झारखंड) 19 जुलाई 2026 : आदित्यपुर के शेरे पंजाब चौक के समीप स्थित ईजी टेक क्लासेस में अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा (अ) के नवनियुक्त पदाधिकारियों के सम्मान में एक विशेष समारोह का आयोजन किया गया। संध्या काल में आयोजित इस गरिमामयी कार्यक्रम में नए पदाधिकारियों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान संगठन की मजबूती, व्यापक विस्तार और भविष्य की कार्ययोजनाओं पर भी विस्तार से मंथन किया गया।

इस अवसर पर समाज के कई वरिष्ठ और गणमान्य चेहरे मौजूद रहे, जिनमें मुख्य रूप से केंद्रीय व प्रादेशिक नेतृत्व प्रदेश प्रभारी सी एल तिवारी, प्रदेश सह प्रभारी संतोष मिश्रा, राष्ट्रीय संरक्षक अरुण कुमार चौबे, और राष्ट्रीय वरिष्ठ संरक्षक शंकर दयाल मिश्रा,जिला नेतृत्व जिला अध्यक्ष (जमशेदपुर पूर्वी) धनजीत कुमार दूबे एवं जिला अध्यक्ष (सरायकेला-खरसावां) उमेश पांडेय।, वरिष्ठ सदस्य केश्वर मिश्रा, बीरेन्द्र तिवारी, देवेन्द्र कुमार पाँडेय, अवधेश कुमार बाजपेयी, सतवीर मिश्रा, त्रिपुरारी नाथ द्विवेदी, संतोष पाँडेय, जनमेजय कुमार पाँडेय, प्रकाश कुमार तिवारी, विद्यापति ओझा, मदन पाँडेय, नीतिशमणि तिवारी, सिधेश्वर पाँडेय, शिवदत्त तिवारी और संजय कुमार तिवारी आदि उपस्थित थे

पटना सिटी में अलग-अलग स्थानों से दो शव बरामद, इलाके में फैली सनसनी

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना सिटी/ अगमकुआं और चौक थाना क्षेत्र से रविवार को दो शव बरामद होने से इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल (NMCH) भेज दिया है और मामले की गहन छानबीन शुरू कर दी है। अगमकुआं थाना अंतर्गत वृंदावन कॉलोनी स्थित सिंघाड़े के खेत में एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान जयपुर धनुकी गांव निवासी स्वर्गीय मुदारिक महतो के 30 वर्षीय पुत्र रमेश महतो के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने रविवार सुबह खेत में शव देख पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया। प्रारंभिक जांच में पुलिस का मानना है कि युवक की मौत खेत में डूबने से हुई है। पुलिस का कहना है कि परिजनों से लिखित आवेदन मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। दूसरी घटना चौक थाना क्षेत्र की है, जहां हाजीगंज लक्की बिस्कुट मोड़ के समीप सड़क किनारे एक अज्ञात अधेड़ का शव बरामद किया गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने देखा कि लगभग 55 वर्षीय व्यक्ति का शव निर्वस्त्र अवस्था में पड़ा था। पुलिस ने पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए एनएमसी भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, प्रथम द्दष्टया यह मामला बीमारी से मौत का प्रतीत होता है। फिलहाल पुलिस मृतक की पहचान करने और मौत के सही कारणों का पता लगाने के लिए हर बिंदु पर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

आर आई टी पुलिस को मिली सफलता,चोरी हुए जेवरात के साथ चोर को किया गया गिरफ्तार

अभय कुमार मिश्रा, समाज जागरण,ब्यूरो चीफ

सरायकेला खरसावां (झारखंड) 19 जुलाई 2026: सरायकेला खरसावां जिला अंतर्गत आदित्यपुर के आर आई टी पुलिस को फिर से मिली एक और सफलता। चोरी के एक मामले में जेवरात सहित चोर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

बता दे की चोरी के संबंध में चंदन कुमार निवासी एम 6 आर आई टी कोऑपरेटिव सोसाइटी आदित्यपुर कॉलोनी के लिखित आवेदन पर अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। शिकायत में उनके घर से सोने की अंगूठी, चांदी की चेन और चांदी की एक जोड़ी पायल चोरी होने की बात कही गई थी। कांड के अनुसंधान के दौरान पुलिस ने तकनीकी एवं मानवीय साक्ष्य के आधार पर इंद्र लोहार निवासी बनता नगर धोबोडूंगरी थाना आर आई टी को गिरफ्तार किया।

वहीं थाना प्रभारी रविकांत पाराशर का कहना है कि चोरी गए सभी जेवरात बरामद कर विधिवत जब्त कर लिया गया है ।बरामद सामानों में एक सोने की अंगूठी एक चांदी की चेन और एक जोड़ी चांदी की पायल शामिल है। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी आर आई टी थाना में धारा 414 भादवि के तहत मामला दर्ज है ।पुलिस ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है छापेमारी दल में थाना प्रभारी रविकांत पाराशर, सतीश बालमुचू ,जयप्रकाश तिवारी,आरक्षी उमाशंकर सिंह, एवं रिजर्व गार्ड जवान शामिल हैं।

पटना के मनेर में गंगा के रौद्र रूप ने खोली विकास कार्यों की पोल

कटावरोधी जियो बैग बहे; 'फौजियों का गांव' पर मंडराया संकट

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के मनेर स्थित मगरपाल पंचायत के 'फौजियों का गांव' यानी रत्न टोला पर एक बार फिर गंगा नदी के कटाव का खतरा गहरा गया है। महज दो-तीन महीने पहले गांव को कटाव से बचाने के लिए विभाग द्वारा लगाए गए कटावरोधी जियो बैग खुद ही कटाव की चपेट में आ गए हैं। गंगा के जलस्तर में अचानक हुई वृद्धि के बाद तेज बहाव में जियो बैग के कई हिस्से बह गए हैं, जिससे ग्रामीणों में भारी दहशत व्याप्त है। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने इस स्थिति के लिए सीधे तौर पर प्रशासनिक लापरवाही और ठेकेदार की अनियमितता को जिम्मेदार ठहराया है। मगरपाल पंचायत के मुखिया मैनेजर सिंह ने बताया कि रत्न टोला स्थित ढेलाहा बाबा मंदिर के पास कटाव रोकने के लिए जियो बैग लगाए गए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि संवेदक (ठेकेदार) ने

काम पूरा करने के बजाय कई महत्वपूर्ण हिस्सों को बिना जियो बैग लगाए ही छोड़ दिया था। मुखिया के अनुसार, यदि कार्य समय रहते और पूरी ईमानदारी से किया जाता, तो आज यह स्थिति उत्पन्न नहीं होती।स्थानीय वार्ड सदस्य बिजेंद्र यादव ने बताया कि गंगा के जलस्तर में बढ़ोतरी होते ही मिट्टी का कटाव शुरू हो गया। सुरक्षा के लिए लगाए गए जियो बैग पानी की तेज धारा को झेल नहीं पाए और टूटकर नदी में बहने लगे हैं। उन्होंने कहा कि जो हिस्से खाली छोड़े गए थे, वहीं से कटाव ने भयावह रूप ले लिया है और अब पुराने लगे बैग भी कटकर बर्बाद हो रहे हैं। गांव के लोग अपनी आंखों के सामने सरकारी संसाधनों को नदी में समाते देख खुद को असहाय महसूस कर रहे हैं। रत्न टोला गांव नदी के किनारे स्थित है, जिससे कटाव की रफ्तार तेज होने पर घरों के विस्थापित होने का डर बना हुआ है। फिलहाल, ग्रामीण अपने स्तर पर सतर्क हैं, लेकिन वे प्रशासन से तत्काल प्रभाव से ठोस कटावरोधी कार्य कराने की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों की मांग है कि ठेकेदार की लापरवाही की जांच हो और गांव को गंगा के आगोश में जाने से बचाने के लिए युद्ध स्तर पर सुरक्षा कार्य शुरू किए जाएं।

पटना के फुलवारी शरीफ में चोरी की बाइक से हो रही थी शराब तस्करी

पुलिस ने 120 पाउच देसी शराब के साथ बाइक की जब्त

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के फुलवारी शरीफ स्थित बेउर थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ एक बड़ी और सफल कार्रवाई को अंजाम दिया है। निरपुरा इलाके में पुलिस ने छापेमारी कर भारी मात्रा में अवैध देसी शराब और चोरी की एक मोटरसाइकिल बरामद की है। हालांकि, पुलिस की भनक लगते ही तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार होने में कामयाब रहे ।बेउर थाना पुलिस को गुप्त सूत्रों से सूचना मिली थी कि निरपुरा के रास्ते शराब तस्कर अवैध खेप लेकर कहीं जा रहे हैं। इस सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना पुलिस की एक टीम ने तत्काल इलाके में घेराबंदी की। पुलिस की आहट मिलते ही बाइक सवार तस्कर घबरा गए और अपनी बाइक सड़क किनारे छोड़कर तेजी से अंधेरे में ओझल हो गए। पुलिस ने पीछा करने का प्रयास किया, लेकिन वे भागने में सफल रहे। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने जब बाइक की तलाशी ली, तो उसमें से 120 पाउच अवैध देसी शराब बरामद हुई। इसके बाद पुलिस ने बाइक के इंजन और चेसिस नंबर की जांच की, जिसमें चौकाने वाला खुलासा हुआ। बाइक चोरी की निकली, जो पूर्व से ही खगौल थाना कांड संख्या-94/26 (दिनांक 15 फरवरी 2026) के तहत दर्ज मामले से संबंधित पाई गई। पुलिस ने शराब और बाइक दोनों को जब्त कर लिया है। पुलिस ने बताया कि फरार आरोपियों में से एक की पहचान निरपुरा निवासी राजा कुमार (पिता- राजकुमार) के रूप में की गई है। उसके साथ मौजूद एक अन्य साथी की पहचान अभी नहीं हो पाई है, जिसकी तलाश जारी है। बेउर थाना पुलिस ने फरार आरोपितों के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम और चोरी से संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

पुलिस के अनुसार, इस पूरे नेटवर्क को खंगाला जा रहा है कि ये लोग चोरी की बाइक का इस्तेमाल तस्करी के लिए कब से कर रहे थे और शराब कहाँ से लाई गई थी। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

पटना के मनेर में पुरानी रंजिश में छिहत्तर गांव बना रणक्षेत्र

रोड़ेबाजी के बाद चलीं ताबड़तोड़ गोलियां, दो घायल

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के मनेर थाना क्षेत्र अंतर्गत छिहत्तर गांव में रविवार को पुरानी रंजिश के चलते दो पक्ष आमने-सामने आ गए। मामूली कहासुनी से शुरू

हुआ विवाद देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया, जिसके बाद गांव घंटों तक रणक्षेत्र में तब्दील रहा। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच जमकर रोड़ेबाजी और लगभग 8 से 10 राउंड गोलीबारी हुई, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। किता चौहत्तर पूर्वी पंचायत के छिहत्तर गांव में हुई इस हिंसक झड़प में गोली लगने से दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल मनेर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने दोनों की नाजुक स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया है। घटना की सूचना मिलते ही मनेर थाना अध्यक्ष रजनीश कुमार दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद स्थिति को नियंत्रित किया। थाना अध्यक्ष ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि पूर्व के विवाद को लेकर दोनों पक्षों में हिंसक झड़प हुई थी, जिसमें गोली के छर्रे लगने से दो लोग जख्मी हुए हैं। फिलहाल स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में है। एहतियात के तौर पर पुलिस बल को गांव में तैनात कर दिया गया है और लगातार कैंप किया जा रहा है ।दिनदहाड़े हुई इस गोलीबारी और रोड़ेबाजी से गांव में अफरा-तफरी मच गई और लोग अपने घरों में दुबकने को मजबूर हो गए। पुलिस अब मामले की जांच कर रही है और घटना में शामिल उपद्रवियों की पहचान की जा रही है। इलाके में भारी पुलिस बल की तैनाती से दहशत का माहौल तो कम हुआ है, लेकिन तनाव अभी भी बरकरार है। पुलिस ने अपराधियों पर सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया है।

जमीन कब्जे को लेकर दो पक्षों में हुई मारपीट फायरिंग दो घायल

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी हरहुआ ब्लाक के शिवपुर थाना, चांदमारी पुलिस चौकी अंतर्गत रिंग रोड के समीप लोढान क्षेत्र में रविवार की सुबह विवादित भूमि पर कब्जे को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई तथा एक पक्ष की ओर से पिस्तौल से दो फायरिंग भी की गई। घटना में दोनों पक्षों की ओर से एक-एक व्यक्ति घायल हुए जिनका पुलिस उपचार करा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रथम पक्ष अतुल उपाध्याय तथा दूसरे पक्ष अजीत उपाध्याय दोनों भाई हैं तथा लोढान रिंग रोड के समीप स्थित 15 बिस्वा पुस्तैनी भूमि को लेकर वर्ष 2019 से दोनों में कब्जे को लेकर विवाद चल रहा है। आरोप है कि रविवार की सुबह करीब 11:30 बजे अतुल उपाध्याय अपने स्वामित्व भूमि पर कब्जा के लिए निर्माण कार्य करा रहे थे तभी दूसरे पक्ष अजीत उपाध्याय उन्हें रोकने आए। सूचना पर मौके पर फैंटम पुलिस दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास कर ही रही थी कि दोनों पक्ष आपस में मारपीट करने लगे। इसी दौरान किसी व्यक्ति द्वारा दो बार हवाई फायरिंग की गई। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के लोग पेशे से अधिवक्ता है। सूचना के अनुसार अतुल उपाध्याय के बेटे रविकांत उपाध्याय को हाथ में गोली लगी है जिनका इलाज पुलिस प0 दीनदयाल अस्पताल में करा रही है तथा अजीत उपाध्याय के बेटे अभिजीत के सिर में चोट लगी है,पुलिस सीएचसी शिवपुर में इलाज करा रही है। थाना प्रभारी शिवपुर अजीत कुमार वर्मा ने बताया कि मौके से दो कारतूस बरामद हुए हैं। दोनों पक्षों की ओर से तहरीर मिलने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी तथा मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

जूनियर यूथ एम्पावरमेंट प्रोग्राम में बच्चों ने लिया संकल्प

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी। गंगापुर के नकईपुर स्थित मां वैष्णो पब्लिक स्कूल में 'जूनियर यूथ एम्पावरमेंट प्रोग्राम' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मां वैष्णो पब्लिक स्कूल के साथ-साथ यूनिवर्सल स्टडी एकेडमी और द काशी पब्लिक स्कूल के कक्षा सात के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण, ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण एवं समसामयिक विषयों पर विचार-विमर्श किया। बच्चों ने प्रकृति में पेड़-पौधों के महत्व को समझते हुए इस बात पर भी चर्चा की कि हमारे पूर्वज पेड़ों को पूजनीय मानकर उनका संरक्षण करते थे, जिससे पर्यावरण का संतुलन बना रहता था। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सभी विद्यार्थियों ने संकल्प लिया कि वे अपने प्रत्येक जन्मदिन पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएंगे तथा उसकी नियमित देखभाल भी करेंगे। इस संकल्प की शुरूआत विद्यालय परिसर में सामूहिक रूप से पौधरोपण कर की गई। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार की ओर से सभी बच्चों को उपहार स्वरूप एक-एक पौधा प्रदान किया गया, जिसे वे अपने घरों में लगाकर उसकी देखभाल करेंगे।

इस आयोजन की मेजबानी मां वैष्णो पब्लिक स्कूल ने की। कार्यक्रम में विद्यालय के संस्थापक डॉ. महेंद्र प्रताप, सौरभ एवं उनकी टीम उपस्थित रही। वहीं, द काशी पब्लिक स्कूल से सतीश तथा यूनिवर्सल स्टडी एकेडमी से अरविंद ने भी सहभागिता करते हुए विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया और उनका उत्साहवर्धन किया।

डंपी तिवारी (बाबा) काशी का लाल कर रहे कमाल

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी। समाजसेवी डंपी तिवारी बाबा वे व्यक्ति हैं जो निस्वार्थ भाव से समाज के कल्याण के लिए कार्य

करते हैं। वे अपने समय, संसाधनों और ऊर्जा को दूसरों की भलाई के लिए समर्पित करते हैं, बिना किसी व्यक्तिगत लाभ की अपेक्षा के। समाजसेवा एक ऐसा कार्य है जो मानवता, करुणा और सामाजिक न्याय के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। समाजसेवियों की भूमिका, उनके योगदान और समाज पर उनके प्रभाव को रेखांकित करता है। उन्होंने कहा कि समाजसेवी वे लोग हैं जो समाज में व्याप्त समस्याओं जैसे गरीबी, अशिक्षा, असमानता, स्वास्थ्य समस्याएँ, और पर्यावरणीय मुद्दों को हल करने के लिए सक्रिय रूप से प्रयास करते हैं। वे गैर-सरकारी संगठनों, सामुदायिक समूहों या व्यक्तिगत स्तर पर कार्य कर सकते हैं।

मुख्य अनुभागों का विवरण

शिक्षा सेवा ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में स्कूलों की स्थापना करना, मुफ्त शिक्षा प्रदान करना और वयस्क साक्षरता कार्यक्रम चलाना।

स्वास्थ्य सेवा मुफ्त चिकित्सा शिविरों, टीकाकरण अभियानों और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना।

पर्यावरण संरक्षण पर्यावरण को बचाने के लिए वृक्षारोपण, जल संरक्षण और स्वच्छता अभियान चलाना।

महिला सशक्तिकरण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कौशल विकास और रोजगार के अवसर प्रदान करना।

गरीबी उन्मूलन

गरीबों को भोजन, आवास और रोजगार के अवसर प्रदान करने में मदद करना।

जागरूकता फैलाना

बाल विवाह, दहेज प्रथा और नशाखोरी जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता फैलाना।

सामुदायिक विकास स्वयं-सहायता समूहों और सहकारी समितियों के माध्यम से आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना।

आपदा प्रबंधन बाढ़, भूकंप या महामारी जैसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत सामग्री वितरण, पुनर्वास और मनोवैज्ञानिक समर्थन देना।

मीरजापुर : राजगढ़ के एसबी पैलेस में पहुंचीं अपना दल (कमेरावादी) की विधायक डॉ. पल्लवी पटेल, कार्यकताओं ने किया भव्य स्वागत

समाज जागरण

मीरजापुर के विकासखंड राजगढ़ क्षेत्र के केददरा स्थित एसबी पैलेस में आज अपना दल (कमेरावादी) की विधायक डॉ. पल्लवी पटेल का आगमन हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत उन्होंने अपना दल के संस्थापक डॉ. सोनेलाल पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करके की।

इसके बाद डॉ. पल्लवी पटेल का कार्यकताओं ने पुष्पगुच्छ भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत किया। एसबी पैलेस लॉन के मालिक संजय सिंह नेगी ने भी उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित कार्यकताओं ने अपने-अपने विचार रखे और संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया। इस अवसर पर डॉ. पल्लवी पटेल कार्यकताओं को संबोधित करते हुए संगठन की नीतियों, जनहित के मुद्दों और आगामी रणनीति पर अपने विचार साझा करेंगी।

कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक मिथिलेश सिंह पटेल सुरेश सिंह दीपक पटेल विनोद सिंह पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे।

राजगढ़ थाना क्षेत्र के राजगढ़ चुनार मार्ग पर कार, बाइक की टक्कर मे दो घायल

समाज जागरण

मीरजापुर / राजगढ़ थाना क्षेत्र राजगढ़ चुनार मार्ग पर सेमरी तलरे गांव के समीप, रविवार को ओवरटेक करने के चक्कर में एक तेज रफ्तार बाइक और कार के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए स्थानीय ग्रामीणों की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया । पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

वाराणसी के केशपुर निवासी रोहित भारद्वाज पुत्र शालिक राम अपने दो साथियों मोनू भारद्वाज पुत्र त्रिभुवन भारद्वाज और एक अन्य अज्ञात युवक के साथ एक ही बाइक पर सवार होकर सोनभद्र में पिकनिक मनाने जा रहे थे। इसी दौरान, औरैया जनपद के थाना एरवा अंतर्गत नगरिया राजाराम निवासी दीप चंद्र 38 वर्ष, पुत्र संत सिंह अपने भाई के घर राबर्ट्सगंज से कार में अपने परिवार के चार सदस्यों को बैठाकर वापस घर लौट रहे थे। जैसे ही कार राजगढ़ थाना क्षेत्र के तलरे गांव के पास पहुंची, बाइक सवार ने ओवरटेक करने की कोशिश की। रफ्तार तेज होने के कारण बाइक अनियंत्रित हो गई और कार में सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला शीशा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में बाइक चलाक केशपुर वाराणसी निवासी 30 वर्षीय रोहित और उसके साथी केशपुर वाराणसी निवासी 28 वर्षीय मोनू के पैरों में गंभीर चोटें आईं, जबकि उनका तीसरा साथी मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर तुरंत पहुंची राजगढ़ थाना पुलिस ने दोनों घायल युवकों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजगढ़ में भर्ती कराया, जहां डाक्टरों द्वारा उनका इलाज किया जा रहा है। पुलिस ने दोनों दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हिरासत में ले लिया है। और मामले की कानूनी कार्रवाई में जुट गई है।

काशी दर्शन से पहले दक्षिण भारतीय श्रद्धालु की हार्ट अटैक से मौत

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी।बड़ागांव थाना क्षेत्र के हरहुआ स्थित व्यास बाग में रविवार को काशी दर्शन के लिए आए एक दक्षिण भारतीय श्रद्धालु की हृदयाघात से मौत हो गई। मृतक की पहचान सुब्रह्मण्यम 70वर्ष के रूप में हुई है। वह अपने साथियों के साथ बस से अयोध्या से वाराणसी काशी दर्शन के लिए आ रहे थे। घटना के बाद बस में सवार अन्य श्रद्धालुओं में शोक की लहर दौड़ गई।

जानकारी के अनुसार दक्षिण भारत से दर्जनों श्रद्धालु धार्मिक यात्रा पर निकले थे। सभी पहले अयोध्या में दर्शन-पूजन करने के बाद बस से वाराणसी की ओर रवाना हुए थे। रविवार को जब उनकी बस हरहुआ फ्लाईओवर के समीप पहुंची, तभी सुब्रह्मण्यम की अचानक तबीयत बिगड़ गई। उन्हें सीने में तेज दर्द और घबराहट महसूस होने लगी। स्थिति गंभीर होते देख बस में मौजूद साथियों और परिजनों ने तत्काल बस को रुकवाया और उन्हें पास स्थित व्यास बाग के प्राइमेक्स अस्पताल में भर्ती कराया।

अस्पताल पहुंचते ही चिकित्सकों ने सुब्रह्मण्यम की गंभीर स्थिति को देखते हुए तत्काल उपचार शुरू किया। उन्हें वेंटिलेटर पर रखकर लगातार जीवन रक्षक उपचार दिया गया। चिकित्सकों ने काफी देर तक उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। डॉ0 जनार्दन सिंह ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

श्रद्धालु की मौत की सूचना मिलते ही उनके साथ यात्रा कर रहे लोगों और परिजनों में शोक हो गया।

बताया जा रहा है कि प्रारंभिक तौर पर चिकित्सकों ने मौत का कारण हृदयाघात (हार्ट अटैक) माना है। काशी दर्शन की आस्था लेकर निकले श्रद्धालु की अचानक मौत से पूरी यात्रा शोक में बदल गई और साथ आए दर्शनार्थी स्तब्ध रह गए।

कार्यशाला को सफल बनाने के लिए जिलाध्यक्षों और मंडल पदाधिकारियों ने कमर कसी

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी। पत्रकारों को एआई और एजीआई तकनीक की जानकारी देने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। उसी कार्यशाला के आयोजन की रुपरेखा, स्थान का चयन और तिथि के निर्धारण के लिए ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश वाराणसी मंडल की एक बैठक वाराणसी के शिवपुर स्थित ट्राई एस क्लासेज गिलट बाजार शिवपुर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता वाराणसी मंडल के संरक्षक तारकेश्वर सिंह ने किया। मंडल गठन के बाद हुई पहली बैठक में सभी पदाधिकारियों का परिचय कराया गया। बैठक को संबोधित करते हुए मंडल संरक्षक तारकेश्वर सिंह ने कहा कि वाराणसी मंडल अपने सहयोगी जनपदों के जिलाध्यक्षों व सदस्यों के सहयोग से नित नये आयाम स्थापित कर रहा है। जिसमें सर्वप्रथम सभी चारो जनपदों के प्रत्येक तहसीलों में जाकर मंडल पदाधिकारियों ने तहसील अध्यक्षों सहित सभी सदस्यों को संगठन की उपयोगिता का पाठ पढ़ाया। साथ साथ संगठन को मजबूत करने में कोई कोर कसर बाकी नहीं रखने के लिए प्रेरित किया। जिसका जनपदों की तहसीलों में असर दिखाई भी पड़ रहा है। अपने दूसरे चरण के कार्यक्रम में वाराणसी मंडल ने गाजीपुर, जौनपुर, वाराणसी और चंदौली जनपद के पत्रकारों को एआई और एजीआई की नई तकनीक की जानकारी देने के लिए वाराणसी में एक कार्यशाला आयोजित करने का निर्णय लिया। कार्यशाला आयोजन के लिए सर्वसम्मति वाराणसी के जिलाध्यक्ष सीबी तिवारी को कार्यक्रम संयोजक और सभी जिलाध्यक्षों और मंडल पदाधिकारियों को आयोजन समिति का सदस्य बनाया गया। बैठक में ही प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र नाथ सिंह जी के निर्देश पर उमेश दूबे को चंदौली जनपद का जिला सदस्यता प्रभारी मनोनीत करने की घोषणा की गई। बैठक में उपस्थित सभी जिलाध्यक्षों व मंडल पदाधिकारियों ने अपने विचार रखते हुए कार्यशाला को सफल बनाने के लिए तन, मन, धन से सहयोग करने का आश्वासन दिया। बैठक को संबोधित करते हुए कार्यशाला संयोजक सी बी तिवारी ने कहा कि स्थान का चयन बहुत जल्दी कर लिया जाएगा। साथ कार्यशाला को 15 अगस्त के बाद आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में जौनपुर के पूर्व जिला अध्यक्ष और मंडल उपाध्यक्ष गुलाब पांडेय, जिलाध्यक्ष संजय अस्थाना, गाजीपुर जिला अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा, आनन्द त्रिपाठी, उमेश दूबे,मंडल महामंत्री राजकुमार गुप्ता,अवधेश तिवारी, रिंकू पाठक,अनुराग जायसवाल, काशीनाथ पांडेय, रजनीकान्त पांडेय सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मंडल महामंत्री प्रदीप कुमार पांडेय ने किया। अंत मे संस्था के प्रबंधक अनुराग सिंह एवं दिलीप दूबे का संगठन की तरफ से आभार व्यक्त किया गया।

पर्यावरण संरक्षक सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी। जन कवि धूमिल के गाँव खेवली में आज रविवार को पर्यावरण संरक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में उत्कृष्ट कार्य करने वाली दस

महिलाओ व जागरूक कर प्रेरित करने वाले युवाओं को बेहतर प्रजाति के आम का पौधा व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर पर्यावरण व जल संरक्षण प्रेमी मनीष पटेल ने लोगों से पर्यावरण व जल संरक्षण के पुण्य कार्य मे अधिकाधिक सहयोग करने का आह्वान किया। जल ,शुद्ध हवा है तो जीवन है। धरती की हरियाली एक प्राकृतिक श्रृंगार है, इसलिए इसे सजोने सवारने का कार्य अत्यंत जरूरी और सबका दायित्व है। दीपक पुजारी व नीलम पटेल ने कहा कि भविष्य के लिए जल संरक्षण करने के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि व्यस्त जीवन मे प्रकृति से नाता हमारा आस्था के साथ जुड़ा है जहां मानव को सभी चीजें मिलती हैं तो जल है तो जीवन है।

वृजेश कुमार व रणजीत चौधरी ने 'एक पेड़ माँ के नाम' से लोगों को लगाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में सम्मानित होने वालो में प्रमुख रूप से श्रीराम पटेल,लौटन पटेल,मगरा देवी,आशा देवी, जगमंनी,भुलई राम,किरन देवी,उषा देवी सहित कई अन्य सहयोगी शामिल रहे। कार्यक्रम में आस पास के क्षेत्रीय गणमान्य नागरिक सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

रक्तदान के महायज्ञ में उमड़ा युवाओं का उत्साह

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी स्वर्गीय अनंत दुबे की स्मृति में ट्राई एस क्लासेज एवं अभ्युदय सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को गिलट बाजार स्थित ट्राई एस क्लासेज के परिसर में 32वें विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए 45 यूनिट रक्तदान किया और मानव सेवा का संदेश दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु एवं भाजपा जिलाध्यक्ष रामशकल पटेल ने रक्तदाताओं को सम्मानित करते हुए कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा मानव सेवा का कार्य है। एक यूनिट रक्त कई जरूरतमंदों को नया जीवन देने का माध्यम बनता है। उन्होंने इस सामाजिक पहल के लिए आयोजकों और रक्तदाताओं की सराहना की।

ट्राई एस क्लासेज के निदेशक अनुराग सिंह के नेतृत्व एवं प्रयासों से आयोजित शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। रक्त संग्रहण का कार्य स्वामी हरसेवानंद ब्लड बैंक की टीम ने किया।

आयोजन को सफल बनाने में दिलीप दुबे, अनूप दुबे, धर्मेंद्र सिंह, सिंटू पांडेय, संतोष सिंह, अनुपम, आशीष सिंह, अमिताभ दुबे, अनूप सिंह एडवोकेट, विपिन पांडेय, आशीष सिंह बादल तथा शशि भूषण सिंह सहित अन्य सहयोगियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शोषित और वंचित समाज के हक के लिए संसद से सड़क तक संघर्ष करेगा अपना दल कमेरावादी

समाज जागरण

मीरजापुर / विकासखंड राजगढ़ क्षेत्र के ददरा स्थित एसबी पैलेस में मुख्य अतिथि सिराथू विधायक डॉ पल्लवी पटेल रही। सबसे पहले अपने पिता डॉक्टर सोनेलाल पटेल की प्रतिमा माल्यार्पण किया।एसबी पैलेस के मालिक संजय सिंह ने डॉक्टर पल्लवी पटेल को गुच्छ देकर सम्मानित किया।डॉक्टर पल्लवी पटेल ने कहा कि जब तक शोषित वंचित और पिछड़े समाज के लोगों को उनका हक और अधिकार नहीं मिल जाता कब तक अपना दल कमेरा वादी सड़क से लेकर संसद तक संघर्ष करता रहेगा उक्त बातें रविवार को मड़िहान विधानसभा में कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान राजगढ़ के ददरा स्थित एसबी पैलेस में अपना दल कमेराबादी की नेता एवं सिराथू विधायक डॉ पल्लवी पटेल ने कहीं। उन्होंने आगे कहा कि कमेरा समाज के हक को कुछ लोग गलत रिपोर्ट लगाकर खा रहे हैं जिसके लिए कमेरा समाज को जागरुक होकर सड़क पर उतरना पड़ेगा उन्होंने कहा कि 69000 शिक्षक भर्ती घोटाला और किसानों को दी जाने वाली एमएसपी इसका जीता जागता उदाहरण है दूसरों को लाभ पहुंचाने के लिए इस सरकार ने किसानों नौजवानों और छात्रों के साथ धोखा किया है उन्होंने नौजवानों से अपील किया कि वे अपना कीमती समय मोबाइल पर रील बनाने में व्यर्थ ना करें बल्कि अच्छी शिक्षा ग्रहण करने के साथ एक नजर अपने खेत खलिहान और दूसरी नजर दिल्ली और लखनऊ की गद्दी पर डालें क्योंकि जब तक राजनीतिक ताकत कमेरा समाज को नहीं मिलेगा तब तक डॉक्टर सोनेलाल पटेल और अपना दल का सपना पूरा नहीं होगा। इसके पहले उन्होंने मड़िहान विधानसभा के बूथों की समीक्षा की और 2 महीने के अंदर सभी बूथ कमेटियों को वन बूथ टेन यूथ के तहत गठन करने को कहा जिससे सन 2027 में अपना दल कमेराबादी का विधायक बने।

मड़िहान में विधायक बने और डॉक्टर सोनेलाल पटेल के सपनों दूसरी आजादी को लेने के लिए 23 अगस्त को रायबरेली में चलने के लिए मड़िहान के लोगों से कहा।

इस मौके पर पूर्व जिला अध्यक्ष श्याम बहादुर सिंह पटेल सुरजीत सिंह पटेल मोहम्मद अबरार सरोज पटेल मिथिलेश पटेल सुरेश पटेल सीडी सिंह सविता पटेल श्रीमती देवी आरिफ खान आदि लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष डॉ राममूरत पटेल और संचालन एडवोकेट अर्जुन पटेल ने किया।

नगराम पुलिस ने दो वारंटी अभियुक्तों को किया गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजा

समाज जागरण संवाददाता

लखनऊ।नगराम थाना पुलिस ने न्यायालय से जारी गैर जमानती वारंट के अनुपालन में लंबे समय से फरार चल रहे दो वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। दोनों अभियुक्त काफी समय से न्यायालय में निर्धारित तिथियों पर उपस्थित नहीं हो रहे थे, जिसके चलते उनके विरुद्ध गैर जमानती वारंट जारी किया गया था।

पुलिस के अनुसार, थाना नगराम थाना प्रभारी अंजनी कुमार सिंह के निर्देशन में गठित पुलिस टीम ने रविवार को ग्राम दुल्हापुर हुसैनाबाद में दबिश देकर वारंटी अभियुक्त सत्यनाम रावत पुत्र हरीराम तथा दिनेश कुमार गोस्वामी पुत्र भोला गोस्वामी को उनके घर से गिरफ्तार कर लिया।दोनों अभियुक्त संबंधित धाराओं के मामले में न्यायालय में लगातार अनुपस्थित चल रहे थे। न्यायालय द्वारा जारी गैर जमानती वारंट के अनुपालन में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों को गिरफ्तार किया और आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक राकेश कुमार मिश्रा, उपनिरीक्षक राम हरीश यादव एवं कांस्टेबल सुजीत कुमार शामिल रहे।थाना प्रभारी अंजनी कुमार सिंह ने बताया कि न्यायालय से जारी वारंटों के अनुपालन में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। न्यायालय के आदेशों की अवहेलना करने वाले वारंटियों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि कानून से बचने का प्रयास करने वाले किसी भी अभियुक्त को बख्शा नहीं जाएगा तथा ऐसे सभी वारंटियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी।

मीरजापुर में बाढ़ राहत के दृष्टिगत तहसीलों में तैनात कराई गई एस0डी0आर0एफ एवं पी0ए0सी

समाज जागरण

मीरजापुर / जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार के निर्देशन में एवं अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) विनोद कुमार सिंह के मार्गदर्शन में जनपद की बाढ़ के प्रति संवेदनशील तहसील सदर एवं चुनार में एस0डी0आर0एफ एवं

पी0ए0सी की तैनाती कराई गई है ' विगत वर्षों की बाढ़ के आंकड़े के अनुसार जनपद में कुल 404 ग्राम (सदर के 220 ग्राम एवं चुनार के 184 ग्राम) बाढ़ के प्रति संवेदनशील हैं ' तहसील चुनार में तैनात पी0ए0सी के द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में तहसील प्रशासन एवं उपजिलाधिकारी चुनार अनेग सिंह की उपस्थिति में बालू घाट, चुनार पर राहत एवं बचाव के दृष्टिगत मॉक ड्रिल किया, जिसमें उन्होंने अपने उपलब्ध संसाधनों का परीक्षण किया एवं रेस्क्यू के तकनीकों पर अभ्यास किया 'इस मॉक ड्रिल में जनपद के आपदा मित्रों ने भी प्रतिभाग करते हुए पूर्ण रूप से मॉक एक्सरसाइज को सफल बनाने में हर संभव सहयोग किया।

बैंकॉक में भारत-थाईलैंड की साझा वस्त्र विरासत का भव्य उत्सव

समाज जागरण

जिम्मी मिश्रा बैंकॉक। स्वामी विवेकानंद कल्चरल सेंटर (SVCC), भारतीय दूतावास, बैंकॉक ने 18 जुलाई 2026 को SVCC परिसर में दो संस्कृतियों का मेल - भारत और थाईलैंड की टेक्सटाइल विरासत पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और भारत और थाईलैंड के बीच समृद्ध टेक्सटाइल परंपराओं और स्थायी सांस्कृतिक संबंधों का जश्न मनाया। उद्घाटन कार्यक्रम में प्रो. डॉ. सिथिचाई समंचत, एप्लाइड आर्ट्स एंड आर्किटेक्चर संकाय, उबोन रत्चथानी विश्वविद्यालय, थाईलैंड द्वारा थाई टेक्सटाइल और भारत के साथ थाईलैंड के सांस्कृतिक संबंध विषय पर एक ज्ञानवर्धक बातचीत की गई। प्रो. डॉ. सिथिचाई, एक प्रतिष्ठित थाई विद्वान, कलाकार, क्यूरेटर और ICCR के पूर्व छात्र, जिन्होंने भारत के विश्वभारती विश्वविद्यालय से MFA और PhD दोनों अर्जित किए, ने अपनी बातचीत में थाईलैंड की टेक्सटाइल विरासत में दिखाई देने वाले ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों पर प्रकाश डाला। थाईलैंड के अलग-अलग इलाकों के टेक्सटाइल के शानदार डिस्प्ले और एक दिलचस्प प्रेजेंटेशन के जरिए, उन्होंने थाई बुनाई की अलग-अलग तरह की चीजों, कारीगरी, निशान और जीती-जागती परंपराओं को दिखाया। इस प्रोग्राम में मशहूर लेखिका, हेरिटेज रिसर्चर, आर्टिस्ट और कल्चरल एजुकेटर सुश्री अनीता बोस ने इंडिया वोवनः साड़ियों, करघों और जीती-जागती परंपराओं की कहानियाँ पर एक जानकारी देने वाली प्रेजेंटेशन भी दी। उन्होंने दर्शकों को भारत के रंगीन टेक्सटाइल लैंडस्केप की एक दिलचस्प यात्रा पर

ले गईं और भारत के अलग-अलग राज्यों के हाथ से बुने हुए शानदार टेक्सटाइल और साड़ियाँ दिखाईं और इन हमेशा रहने वाली परंपराओं के पीछे की अनोखी कहानियों, तकनीकों और कल्चरल महत्व को शेयर किया। उनके प्रेजेंटेशन ने भारत की बहुत ज्यादा अलग-अलग तरह की चीजों और इसके बुनकर समुदायों की हमेशा रहने वाली विरासत को खूबसूरती से दिखाया। इनॉगरेशन सेरेमनी में जाने-माने मेहमान, एकेडेमिक्स,

आर्टिस्ट, टेक्सटाइल एक्सपर्ट, कम्युनिटी के सदस्य और थाई और भारतीय मेहमान शामिल हुए। एग्ज़िबिशन और प्रेजेंटेशन को दर्शकों से बहुत तारीफ मिली, जिससे भारत और थाईलैंड के बीच मिली-जुली कल्चरल विरासत और लोगों के बीच मजबूत रिश्तों की पुष्टि हुई। विज़िटर्स को पारंपरिक कपड़ों का शानदार कलेक्शन देखने का मौका मिला, जो उस इलाके की कलात्मक बेहतरीनता, विरासत और पहचान को दिखाता था।

10.54 लाख किसानों को ₹1460 करोड़ की राहत

- जगदीशपुर से जारी होगी प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की राशि
- अधिसूचित फसलों का बीमा निर्धारित तिथि से पूर्व करवा लें किसान

समाज जागरण

भोपाल। उमरिया, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 19 जुलाई को भोपाल जिले के जगदीशपुर से 10.54 लाख किसानों के खातों में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की राशि 1460.25 करोड़ ट्रांसफर करेंगे। इसी दिन जगदीशपुर में कैबिनेट की बैठक होगी। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के आरंभ वर्ष से वर्ष 2024-25 तक 30,942.34 करोड़ रुपये का भुगतान प्रभावित किसानों को किया गया है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी एवं महत्वपूर्ण योजना है। प्राकृतिक आपदाओं के कारण फसल क्षति होने पर कृषकों को बीमा दावा भुगतान कर उनके वित्तीय हितों की रक्षा करना ही इस योजना का प्रमुख उद्देश्य है।

किसानों के साथ खड़ी राज्य सरकार मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस बार अल-नीनो प्रभाव के कारण अच्छे मानसून का अनुमान नहीं है। ऐसी स्थिति में किसान भाई अपनी अधिसूचित फसलों

का बीमा निर्धारित तिथि से पूर्व करवा लें, जिससे उपज में हानि होने पर वित्तीय सहायता प्राप्त हो सके। मध्यप्रदेश सरकार हर परिस्थिति में कृषकों के साथ है एवं कृषकों के हित के लिए निरन्तर कार्य कर रही है।

अमरकंटक-कबीर चबूतरा मार्ग जर्जर, माधव सरोवर पुल भी बना हादसे का कारण; मरम्मत की उठी मांग

समाज जागरण

अमरकंटक। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ को जोड़ने वाले अमरकंटक-कबीर चबूतरा मार्ग की बदहाल स्थिति यात्रियों और स्थानीय लोगों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। लगातार हो रही बारिश के बीच सड़क पर जगह-जगह बने गहरे गड्ढों के कारण वाहनों का आवागमन जोखिम भरा हो गया है। प्रतिदिन इस मार्ग से गुजरने वाले पर्यटक, श्रद्धालु और स्थानीय नागरिकों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार सड़क लंबे समय से मरम्मत की बाट जोह रही है। बारिश के दौरान गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे दोपहिया और चारपहिया वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका बनी रहती है। यह मार्ग दो राज्यों को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग होने के बावजूद इसकी दुर्दशा पर संबंधित विभाग का पर्याप्त ध्यान नहीं है। क्षेत्रवासियों ने बताया कि अफरोज रोड से बांधा पुल तक सड़क की चौड़ाई भी काफी कम है। सड़क सिंगल लेन होने के कारण आमने-सामने से आने वाले दो बड़े वाहनों की क्रॉसिंग के दौरान जाम और दुर्घटना की स्थिति बन जाती है। सड़क किनारे पर्याप्त पिचिंग और सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने से बरसात के मौसम में खतरा और बढ़ गया है। इसी मार्ग पर नर्मदा नदी के बांधा क्षेत्र स्थित माधव सरोवर पुल की स्थिति भी चिंताजनक बताई जा रही है। पुल के दोनों ओर लगी लोहे की रेलिंग क्षतिग्रस्त होकर नदी की ओर झुक गई है और कई स्थानों पर अस्थिर दिखाई दे रही है। वहीं पुल की कंक्रीट सतह टूट चुकी है तथा नीचे की मिट्टी वर्षा के कारण कटाव होने से खोखली हो गई है। ऐसे में भारी वाहनों के गुजरने पर पुल की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह मार्ग अमरकंटक आने वाले हजारों पर्यटकों, श्रद्धालुओं और स्थानीय वाहनों की आवाजाही का प्रमुख रास्ता है। यदि समय रहते सड़क और पुल की मरम्मत नहीं कराई गई तो भविष्य में किसी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता।क्षेत्रवासियों ने लोक निर्माण विभाग एवं संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से मांग की है

कि मार्ग के गड्ढों की तत्काल मरम्मत, सड़क चौड़ीकरण, आवश्यक पिचिंग तथा माधव सरोवर पुल की तकनीकी जांच कराकर शीघ्र सुधार कार्य कराया जाए, ताकि संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

"पाली विकासखंड में शिक्षा की बदहाली" की तस्वीर

पाली में शिक्षा का दोहरा सच
बेली, महरोई में अकाल, कन्नाबहरा में शिक्षकों की भरमार

समाज जागरण

बिरसिंहपुर पाली -- आदिम जाति कल्याण विभाग के विद्यालयों में शिक्षकों की पद स्थापना में व्यापक भरेशाही उजागर होकर सामने आई हैं। पाली विकासखंड में एक ओर बेली माध्यमिक विद्यालय जहाँ पर कक्षा 1 से 8 तक 102 छात्र अध्ययन रत है, इस विद्यालय में आज सिर्फ एक शिक्षक के भरोसे चल रहा है, वही पर दुसरी तरफ पाली विकास खंड के ही कन्नाबहरा विद्यालय में स्वीकृत पद से अधिक शिक्षको की पद स्थापना ने आदिम जाति विभाग की कार्य शैली पर तीखे सवाल खड़े कर रहा है। बताया जाता है कि एक तरफ शिक्षकों का इस अकाल है कि प्राथमिक और माध्यमिक के लिए सिर्फ एक शिक्षक तो वही , दूसरी ओर अनुपात से अधिक शिक्षक पदस्थ करके रख दिया गया है।पाली विकास खंड के बेली माध्यमिक विद्यालय में कक्षा एक से पांच तक प्राथमिक खंड मु 72 आदिवासी छात्र और माध्यमिक में 30 छात्रों के साथ हैं, 102 छात्र अध्ययन रत फिर भी अध्यापन के लिए सिर्फ एक शिक्षक । उसके ऊपर बी एल ओ,और छात्रावास का काम भी उन्ही शिक्षक के हवाले। नियम के अनुसार यहां कम से कम 06 शिक्षकों की पद स्थापना होनी चाहिए।बिडम्बना ही कहा जाये की इसी आदिम जाति विभाग की

कन्नाबहरा विद्यालय में पहले से ही स्वीकृति पद भरे होने के बाद अतिरिक्त शिक्षक पदस्थ कर दिया गया है। इसी तरह कन्नाबहरा के बगल के विद्यालय महरोई आश्रम शाला पूरी तरह शिक्षक विहीन बनी हुई है और उसी से लगी अरहरिया दादर में सिर्फ एक शिक्षक पदस्थ हैं। मुख्य मार्ग बना विसंगति की वजह सूत्रों का कहना है कि कन्नाबहरा विद्यालय शहडोल के समीप और मुख्य मार्ग पर होने के कारण शिक्षक वहां पदस्थ होने के लिए विभाग की खुशामद करते हैं। नतीजा ये कि जहां पहले से शिक्षक हैं वहां भी नए भेजे जा रहे हैं।

अभिभावक नाराजगी --

बेली के अभिभावकों का कहना है "एक शिक्षक 8 कक्षाओं को कैसे पढ़ाएगा? आदिवासी बच्चों की पढ़ाई से किसी को मतलब नहीं है।"

मांग

स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने कलेक्टर उमरिया से मांग की है कि पूरे विकासखंड में युक्तियुक्तकरण कर शिक्षकों का समान वितरण किया जाए। शिक्षक विहीन स्कूलों में तुरंत पदस्थापना हो, ताकि बच्चों का भविष्य बर्बाद न हो। शिक्षा विभाग के अधिकारी इस पूरे मामले पर चुप्पी साधे हुए हैं।

महेंद्र गोयनका की गिरफ़्तारी से भोपाल , जबलपुर से लेकर कटनी तक वित्तपोषित लोगों में होगी घबराहट

धोखाधड़ी फ्रॉड जालसाजी का मास्टरमाइंड रायपुर निवासी महेंद्र गोयनका को कोलकत्ता पुलिस ने किया गिरफ्तार

समाज जागरण विजय तिवारी

कटनी । प्राप्त जानकारी के अनुसार कल रात कोलकत्ता पुलिस द्वारा कोतमा से आकर कटनी में विधायक संजय पाठक की कंपनी में नौकरी कर चुके महेन्द्र गोयनका की कोलकत्ता पुलिस द्वारा कटनी निवासी संजय पाठक की पारिवारिक कंपनियों से 1000 करोड़

की धोखाधड़ी के आरोप में रायपुर निवासी षड्यंत्रकारी महेन्द्र गोयनका को फजीवाडा धोखाधड़ी मामले में दिल्ली से गिरफ्तार कर कोलकत्ता ले जाने की खबर आते है ही कटनी से लेकर भोपाल तक लोगों में चचाओं का क दौर प्रारंभ हो गया है। सुनी सुनाई बातों अनुसार पूरे मामले की थोड़ी बहुत भी जानकारी रखने वाले लोगों में उत्सुकता से एक दूसरे से सवाल पूंछ रहें है कि अब महेन्द्र गोयनका से वित्तपोषित (आरोप के अनुसार कटनी के विपक्षी दल से जुड़े दो लोगों , सोशल मीडिया से जुड़े कुछ यूट्यूबर) तथाकथित लोगों का क्या होगा ? यहाँ यह जानना जरूरी है कि विधायक संजय पाठक के पूर्व कर्मचारी रहे महेन्द्र गोयनका को कोलकत्ता पुलिस ने पाठक परिवार की स्वामित्व वाली कई कंपनियों पर फर्जी हस्ताक्षरों के माध्यम से नियंत्रण स्थापित करने के मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 120बी 467/468 /471 सहित अन्य धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी जिसके परिपालन में महेंद्र गोयनका की गिरफ्तारी की गई है।

मिली जानकारी के अनुसार महेंद्र गोयनका पहले कोतमा का रहने वाला था और वहीं से आकर पाठक परिवार कंपनी में नौकरी करता था, बाद में रायपुर शिफ्ट हो गया। महेन्द्र गोयनका विधायक संजय पाठक की परिवार की कंपनी में काम करते हुए यूरो प्रतीक इस्पात इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में एक प्रमुख प्रबंधकीय पद पर कार्यरत रहा इसी महेन्द्र गोयनका पर जालसाजी एवं धोखाधड़ी के गंभीर आरोप लगे हैं। आरोपों के अनुसार, यह मामला हजारों करोड़ रुपये के कथित

वित्तीय अनियमितताओं और कंपनी के बिके हुए माल को छल-कपट करके बेचने से जुड़ा हुआ है। इसके अतिरिक्त, गोयनका सहयोगी 3 डायरेक्टर्स एवं अन्य सहयोगी के विरुद्ध भी कटनी के माधवनगर थाने में दो अलग-अलग प्रकरण 420/120B/467/468/471 की प्राथमिकी दर्ज हैं। जानकारी के अनुसार, उनके सहयोगियों की अग्रिम जमानत याचिकाएं सर्वोच्च न्यायालय द्वारा खारिज की जा चुकी हैं, उसके बाद भी वे पिछले लगभग डेढ़-दो वर्ष से फरार बताए जा रहे हैं। मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा अब तक उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जा सका है।

कोयलांचल के बुढार-धनपुरी में 500 करोड़ की कथित ठगी का मामला चोरी के मास्टर माइंड कब आयेंगे पकड़ में

समाज जागरण

यह मामला शहडोल जिले के बुढारझधनपुरी क्षेत्र में कथित वित्तीय ठगी से जुड़ा है, जिसमें जीएनएस फाइनेंशियल कंपनी पर बड़ी संख्या में निवेशकों से करोड़ों रुपये जुटाकर धोखाधड़ी करने के आरोप हैं। दर्ज एफआईआर के अनुसार करीब 1200 निवेशकों से धन एकत्र किया गया, जबकि विभिन्न शिकायतों में कथित ठगी की राशि 250 करोड़ से 500 करोड़ रुपये तक बताई जा रही है। हालांकि वास्तविक राशि का निर्धारण जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा। पीड़ितों का आरोप है कि कंपनी के संचालक सुखनंदन यादव, सरोज यादव और मुकेश यादव निवेशकों की रकम लेकर फरार हो गए। उनका कहना है कि जांच केवल मुख्य आरोपियों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि कंपनी के वित्तीय लेन-देन, एजेंटों, सहयोगियों, बैंक खातों और यदि साक्ष्य उपलब्ध हों तो कथित संरक्षण देने वाले व्यक्तियों की भूमिका की भी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

स्थानीय लोगों ने यह भी सवाल उठाया है कि जिस भवन

से कंपनी वर्षों तक संचालित हुई, उसकी भूमिका की भी जांच की जानी चाहिए। साथ ही प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं कि शिकायतों के बावजूद समय रहते प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं हुई। प्रभावित निवेशकों में किसान, मजदूर, कर्मचारी, व्यापारी और महिलाएं शामिल हैं, जो अपनी जमा पूंजी वापस पाने की मांग कर रहे हैं। अब सभी की निगाहें जांच एजेंसियों पर हैं कि वे निष्पक्ष, व्यापक और पारदर्शी जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई करती हैं या नहीं।

कटनी से गूंजी पत्रकार एकता की हुंकार, पत्रकार सुरक्षा कानून के लिए आर-पार की लड़ाई का ऐलान

समाज जागरण
कटनी विजय तिवारी

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की सुरक्षा और सम्मान की लड़ाई अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचती दिखाई दे रही है मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ की पांचवीं प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में पत्रकार सुरक्षा कानून को लेकर प्रदेशव्यापी संघर्ष का बिगुल फूंक दिया गया प्रदेश अध्यक्ष शलभ भदौरिया की अध्यक्षता में आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक में स्पष्ट संदेश दिया गया कि पत्रकारों की सुरक्षा ,सम्मान और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से कोई समझौता नहीं होगा बैठक के मुख्य अतिथि पद्मश्री बाबूलाल दाहिया ने अपने संबोधन में कहा, "पत्रकार और साहित्यकार सहोदर हैं,क्योंकि दोनों स्वाभिमान के साथ समाज के सच संस्कृति और जन-सरोकारों की रक्षा करते हैं

उन्होंने कहा कि कलम केवल खबर नहीं लिखती, बल्कि समाज की चेतना को दिशा देती है उन्होंने कटनी अंचल की पटेरी बोली को मान्यता दिलाने के लिए भी सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया बैठक में कटनी-मुड़वारा विधायक संदीप जायसवाल ,बड़वारा विधायक धीरेन्द्र प्रताप सिंह,महापौर प्रीति सूरी, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक सोनी टंडन,कांग्रेस जिलाध्यक्ष एवं बार एसोसिएशन अध्यक्ष अमित शुक्ला तथा जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने पत्रकारों की भूमिका की सराहना करते हुए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया बड़वारा विधायक धीरेन्द्र प्रताप सिंह ने ढीमरखेड़ा में 15 से 20 लाख रुपये की लागत से पत्रकार भवन निर्माण की घोषणा की तथा बड़वारा में भी पत्रकार भवन के लिए भूमि उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया विधायक संदीप जायसवाल ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र की आंख और जनता की आवाज हैं पत्रकार भवन के लिए भूमि उपलब्ध कराने और शासन स्तर पर आर्थिक स्वीकृति दिलाने का प्रयास किया जाएगा

पत्रकार सुरक्षा कानून पर बनी निर्णायक रणनीति

कार्यसमिति की बैठक का सबसे महत्वपूर्ण विषय पत्रकार सुरक्षा कानून रहा प्रदेश अध्यक्ष शलभ भदौरिया के नेतृत्व में विस्तृत मंथन के बाद निर्णय लिया गया कि पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित कराने के लिए प्रदेशभर में चरणबद्ध अभियान चलाया जाएगा और सरकार के समक्ष संगठित एवं प्रभावी तरीके से मांग रखी जाएगी

प्रांतीय कोषाध्यक्ष शिशुपाल तोमर ने संगठन का आय-व्यय प्रस्तुत किया घायल महासचिव सुनील त्रिपाठी का प्रतिवेदन प्रदेश उपाध्यक्ष दिलीप सिंह भदौरिया ने पढ़ा,जबकि संगठन प्रभारी मोहम्मद अली ने पूर्व कार्यसमिति के निर्णयों का अनुमोदन कराया। इस दौरान संगठन के लिए उल्लेखनीय योगदान देने वाले कटनी के पूर्व जिलाध्यक्षों का सम्मान भी किया गया बुंदेलखंड ने दिखाई संगठनात्मक ताकत

प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में बुंदेलखंड की उपस्थिति विशेष रूप से प्रभावशाली रही पन्ना जिलाध्यक्ष धनंजय श्रीवास्तव प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुरेंद्र पांडे सहित सागर, छतरपुर, दमोह ,टीकमगढ़ और निवाड़ी के पदाधिकारियों ने सक्रिय भागीदारी निभाते हुए पत्रकार हितों की रक्षा के लिए एकजुट होकर संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया कटनी की इस बैठक ने साफ संकेत दिया कि अब पत्रकार सुरक्षा कानून केवल मांग नहीं,बल्कि प्रदेशभर के पत्रकारों का संगठित जनआंदोलन बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है

नशा मुक्ति अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में जन जागरूकता

समाज जागरण

शहडोल ।नशा मुक्ति अभियान 2.0 मध्य प्रदेश शासन के द्वारा समाज में नशा मुक्ति के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत शहडोल जिले की पुलिस अधीक्षक संजय अग्रवाल और एडिशनल एसपी अभिषेक दीवान के मार्गदर्शन पर विद्यालयों, ग्रामो चौपलों मे निर्धारित विभिन्न गतिविधियों का सोपान किया जा जा रहा है चित्रकला, नुक्कड़ कार्यक्रम, संगोष्ठी, परिचर्चा विद्यालयों, महा विद्यालयों ग्रामो मे किया जा रहा है कार्यक्रम के द्वारा समाज के सभी लोगों के लिए खासतौर से युवाओं मे नशे मे लिप्त होने के दुस्परिनामो को बताया जा रहा साथ ही नशा मुक्त जीवन जीने से स्वस्थ राष्ट्र और समाज निर्माण की प्रेरणा दी जा रही है इसी क्रम मे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शहडोल के पैरा लीगल वालंटियर सिंहपुर निवासी प्रकाश राव ने नशा मुक्ति के अभियान 2.0 के लिए चार जिलों के गाने लिखे और गाये साथ ही नुक्कड़ कार्यक्रमों मे सहभागिता दे रहे है इसी क्रम मे आज सिंहपुर थाना क्षेत्र के ग्राम अमरहा मे नशा

मुक्ति के जनजारूकता का कार्यक्रम थाना प्रभारी उप निरीक्षक आशीष झारिया के निर्देशन मे किया गाया उपनिरीक्षक राजेश कुमार ने रूपरेखा बनाकर प्रधान आरक्षक मनोज शुक्ला,पवन कुमार , हीरालाल, राव जी डोड़वे व अन्य

पुलिस कर्मचारियों के साथ जनजागरूकता नुक्कड का बेहतर कार्यक्रम आयोजित किया

'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत तीन साल बाद भी अधूरे निर्माण पर उठे सवाल, ब्योहारी में काम पूरा तो जिला मुख्यालय शहडोल क्यों पिछड़ा?

समाज जागरण

शहडोल। रेलवे की महत्वाकांक्षी 'अमृत भारत स्टेशन योजना' का उद्देश्य देशभर के रेलवे स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं से लैस करना है, ताकि यात्रियों को बेहतर और सुरक्षित यात्रा अनुभव मिल सके। लेकिन शहडोल जिला मुख्यालय का रेलवे स्टेशन इस योजना के बावजूद अपेक्षित गति से विकास नहीं कर पाया है। निर्माण कार्य की धीमी रफ्तार को लेकर स्थानीय नागरिकों और यात्रियों में लगातार असंतोष बढ़ रहा है। करीब तीन वर्ष पहले शुरू हुए स्टेशन के पुनर्विकास कार्य से लोगों को उम्मीद थी कि जल्द ही उन्हें आधुनिक सुविधाओं से युक्त रेलवे स्टेशन मिलेगा। हालांकि, वर्तमान स्थिति को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि विकास की रफ्तार कागजों और फाइलों तक ही सीमित रह गई है। स्टेशन परिसर में लिफ्ट लगाने के लिए केवल गड्ढे दिखाई देते हैं, जबकि फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) के लिए खड़े किए गए खंभे अब भी अधूरे निर्माण की कहानी बयां कर रहे हैं। यात्रियों का कहना है कि स्टेशन पर रोजाना हजारों लोग आते-जाते हैं। बुजुर्ग, दिव्यांग, महिलाएं और बच्चों के साथ यात्रा करने वाले यात्रियों को प्लेटफॉर्म बदलने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। यदि लिफ्ट और आधुनिक फुट ओवर ब्रिज समय पर बन जाते तो यात्रियों को बड़ी राहत मिल सकती थी।

दूसरी ओर, शहडोल संभाग के ही ब्योहारी रेलवे स्टेशन का उदाहरण लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वहां अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत लगभग ढाई वर्ष के भीतर निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया, जबकि जिला मुख्यालय होने के बावजूद शहडोल स्टेशन का काम अब तक अधूरा है। इससे परियोजना के क्रियान्वयन और कार्य की गति को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। नागरिकों का यह भी कहना है कि किसी परियोजना का उद्घाटन या शिलान्यास कर देना ही विकास का प्रमाण नहीं माना जा सकता। वास्तविक विकास तब माना जाएगा, जब तय समय सीमा के भीतर निर्माण कार्य पूरा हो और आम जनता को उसका लाभ मिलने लगे। लोगों का सवाल है कि यदि छोटे स्टेशन पर काम समय पर पूरा हो सकता है, तो शहडोल जैसे महत्वपूर्ण स्टेशन पर देरी की वजह क्या है? रेलवे स्टेशन शहर की पहचान भी होता है। ऐसे में अधूरा निर्माण न केवल यात्रियों की सुविधाओं को प्रभावित करता है, बल्कि शहर की छवि पर भी असर डालता है। स्थानीय नागरिकों ने रेलवे प्रशासन से मांग की है कि निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए, नियमित मॉनिटरिंग की जाए और परियोजना को शीघ्र पूरा कर यात्रियों को आधुनिक सुविधाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाए। हालांकि, निर्माण कार्य में देरी के कारणों को लेकर रेलवे की ओर से आधिकारिक जानकारी सामने आना भी आवश्यक है। यदि किसी तकनीकी, प्रशासनिक या अन्य कारण से कार्य प्रभावित हुआ है, तो उसे सार्वजनिक किया जाना चाहिए, ताकि लोगों की शंकाओं का समाधान हो सके। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि शहडोल रेलवे स्टेशन पर विकास की ट्रेन आखिर कब आकर रुकेगी? इसका जवाब केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि जमीन पर समयबद्ध तरीके से पूरा हुए निर्माण कार्य से ही मिलेगा।

रीवा के सुपर स्पेशलिटी और संजय गांधी अस्पताल में मरीज परेशान, दवा और जांच के लिए बाहर जाने को मजबूर, डॉक्टर भी समय पर नहीं मिलते

गरीब मरीजों पर बढ़ा आर्थिक बोझ, अस्थि रोग विभाग में संसाधनों की कमी, घंटों इंतजार के बाद भी नहीं हो पा रहा इलाज

समाज जागरण

रीवा। रीवा के सुपर स्पेशलिटी और संजय गांधी अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दूर-दराज के गांवों से इलाज की उम्मीद लेकर पहुंचने वाले मरीज और उनके परिजन अस्पताल की अव्यवस्थाओं से परेशान हैं। सबसे ज्यादा दिक्कत गरीब परिवारों को हो रही है जिन्हें अस्पताल में दवाइयां और जांच की सुविधा नहीं मिलने पर बाहर से खर्च करना पड़ रहा है। मरीजों का कहना है कि डॉक्टर कई बार ऐसी दवाइयां लिख देते हैं जो अस्पताल में उपलब्ध ही नहीं होतीं। मजबूरी में उन्हें निजी मेडिकल स्टोर से महंगी दवाइयां खरीदनी पड़ती हैं। कई जरूरी जांच भी अस्पताल में नहीं हो पाती इसलिए मरीजों को निजी लैब का सहारा लेना पड़ता है।

अस्थि रोग विभाग की हालत खराब संजय गांधी अस्पताल के अस्थि रोग विभाग में ऑपरेशन के लिए जरूरी सामान समय पर उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। इससे कई मरीज निजी नर्सिंग होम का रुख करने को मजबूर हैं। जानकारी के अनुसार जहां विभाग में मेडिकल छात्रों को पढ़ाई कराई जाती है वहां बैठने के लिए पर्याप्त कुर्सियां, टेबल और पंखों की भी व्यवस्था नहीं है। संसाधनों के अभाव में मरीजों को इलाज में देरी हो रही है। समय पर नहीं मिलते डॉक्टर मरीजों और उनके परिजनों का आरोप है कि कई विभागों में डॉक्टर समय पर नहीं बैठते। इलाज के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता है। गंभीर मरीजों के परिजन एक कक्ष से दूसरे कक्ष तक भटकते रहते हैं। ओपीडी और वार्डों में भी अधिक भीड़ होने से समय पर इलाज मिलना मुश्किल हो जाता है। कई बार मरीज दर्द से तड़पते रहते हैं लेकिन डॉक्टरों के नहीं मिलने से उनकी समस्या बढ़ जाती है। गरीबों पर पड़ रहा सबसे ज्यादा असर अस्पताल प्रबंधन का दावा है कि मरीजों को बेहतर सुविधा दी जा रही है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। दूर से आए गरीब मरीज दवा और जांच के खर्च के कारण बीच में ही इलाज छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं। मरीजों ने प्रशासन से मांग की है कि अस्पतालों में दवाओं और जांच की समुचित व्यवस्था की जाए, डॉक्टरों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित की जाए और संसाधनों की कमी को जल्द दूर किया जाए ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

रीवा रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था ध्वस्त, कई सीसीटीवी कैमरे लंबे समय से बंद

रिकॉर्डिंग का बैकअप भी ठप, हजारों यात्रियों की सुरक्षा पर उठे सवाल
फुट ओवर ब्रिज और प्लेटफॉर्म पर चल रहे निर्माण कार्य से कनेक्शन कटे, RPF की मॉनिटरिंग व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित

समाज जागरण

रीवा। पश्चिम मध्य रेलवे के प्रमुख और सबसे ज्यादा राजस्व देने वाले स्टेशनों में शामिल रीवा रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बड़ी लापरवाही सामने आई है। स्टेशन परिसर में लगे कई सीसीटीवी कैमरे काफी समय से बंद पड़े हैं। जो कैमरे चालू भी हैं उनमें भी रिकॉर्डिंग का बैकअप नहीं हो पा रहा है।

इस कारण रेलवे सुरक्षा बल RPF की मॉनिटरिंग व्यवस्था पूरी तरह से ठप हो गई है। स्टेशन पर रोजाना लगभग 30 ट्रेनों का संचालन होता है और हजारों यात्रियों का आना-जाना लगा रहता है। ऐसे संवेदनशील स्थान पर सीसीटीवी का बंद होना यात्रियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करता है। निर्माण कार्य से कटा कनेक्शन, ठप हुई निगरानी जानकारी के अनुसार फुट ओवर ब्रिज और प्लेटफॉर्म पर चल रहे निर्माण कार्य के कारण कई सीसीटीवी कैमरों के कनेक्शन कट गए हैं। इसी वजह से कैमरे बंद हो गए और जो चालू हैं उनमें भी डेटा का बैकअप नहीं मिल पा रहा है। सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि रेलवे स्टेशन जैसे भीड़भाड़ वाले स्थान पर सीसीटीवी ही अपराध रोकथाम और जांच का सबसे बड़ा आधार होते हैं। कैमरों के बंद होने से चोरी, जेबकतरी और अन्य आपराधिक घटनाओं पर नजर रखना मुश्किल हो गया है। रोजाना हजारों यात्रियों की आवाजाही रीवा स्टेशन पश्चिम मध्य रेलवे को सबसे ज्यादा राजस्व देने वाले प्रमुख स्टेशनों में से एक है। यहां से प्रतिदिन करीब 30 ट्रेनें गुजरती हैं। सुबह-शाम के समय प्लेटफॉर्म पर यात्रियों की भारी भीड़ रहती है। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था का चाक-चौबंद होना जरूरी है। सुरक्षा पर

उठे सवाल रेलवे अधिकारियों का कहना है कि निर्माण कार्य पूरा होने के बाद कैमरों को फिर से चालू कर दिया जाएगा। लेकिन तब तक हजारों यात्रियों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित होगी, यह बड़ा सवाल है। यात्रियों ने भी रेल प्रशासन से जल्द से जल्द वैकल्पिक सुरक्षा व्यवस्था करने की मांग की है। रेलवे प्रशासन से अपेक्षा है कि वह निर्माण कार्य के दौरान भी अस्थायी तौर पर सीसीटीवी और अतिरिक्त RPF जवानों की तैनाती कर यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करे।

टोरंटो की तर्ज पर संवरेंगे रॉबट्र्सगंज फ्लाईओवर के नीचे के हिस्से, 4 करोड़ से विकसित होंगी आधुनिक सुविधाएं

समाज जागरण/ ब्यूरो चीफ विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। जिला प्रशासन ने रॉबट्र्सगंज फ्लाईओवर के नीचे के क्षेत्र को कनाडा के टोरंटो शहर के विश्व प्रसिद्ध अंडरपास पार्क की तर्ज पर विकसित करने की पहल की है। लगभग चार करोड़ रुपये की लागत से इस परियोजना में खेल, मनोरंजन, स्वास्थ्य और खानपान से जुड़ी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसका उद्देश्य शहर को स्वच्छ, सुंदर और आधुनिक बनाना तथा खाली स्थान का बेहतर उपयोग करना है। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि रॉबट्र्सगंज फ्लाईओवर के नीचे लगभग एक किलोमीटर

लंबे क्षेत्र को तीन प्रमुख जोन- स्पोर्ट्स जोन, फूड जोन और ग्रीन जोन - के रूप में विकसित किया जाएगा। यह परियोजना शहर को स्मार्ट सिटी की दिशा में आगे बढ़ाने में मदद करेगी।स्पोर्ट्स जोन में बच्चों के लिए अत्याधुनिक झूले, खेल क्षेत्र, बैडमिंटन कोर्ट, बास्केटबॉल कोर्ट और क्रिकेट नेट की व्यवस्था की जाएगी। इसके अतिरिक्त, नगर वासियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए एक आधुनिक ओपन जिम भी स्थापित होगा, जहाँ लोग नियमित व्यायाम कर सकेंगे। फूड जोन में विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों के लिए फूड कोर्ट विकसित किया जाएगा, जिससे स्थानीय लोगों और आगंतुकों को बेहतर खानपान की सुविधा मिलेगी। वहीं, ग्रीन जोन में आकर्षक सजावटी पौधे लगाए जाएंगे और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए प्लास्टिक, रबर व अन्य अपशिष्ट सामग्री से तैयार कलात्मक स्कल्प्चर स्थापित किए जाएंगे। यहाँ 'ट्रिपल आर' (रिड्यूस, रियूज और रिसाइकिल) की अवधारणा को भी बढ़ावा दिया जाएगा। परियोजना के तहत फ्लाईओवर के नीचे की दीवारों पर आकर्षक वॉल पेंटिंग बनाई जाएगी, बैठने के लिए

सुंदर और आरामदायक स्थान विकसित किए जाएंगे। पूरे क्षेत्र को रंग-बिरंगी एलईडी लाइटों से सजाया जाएगा, ताकि यह स्थान दिन और रात दोनों समय आकर्षण का केंद्र बन सके। यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो, इसके लिए फ्लाईओवर के नीचे ही पार्किंग की समुचित व्यवस्था भी की जाएगी।

जिलाधिकारी ने बताया कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना का पूरा निर्माण कार्य नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) के सीएसआर (कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी) मद से कराया जाएगा। परियोजना की कार्ययोजना तैयार कर ली गई है और जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होगा। प्रशासन का मानना है कि यह पहल रॉबट्र्सगंज को एक नई पहचान देगी।

सोनभद्र जिला पंचायत निधि से बनी नाली एक वर्ष में ही टूटकर क्षतिग्रस्त

•~ गुणवत्ता पर ग्रामीणों ने आवाज उठाते लगाया सरकारी धन में लूट-खसोट का आरोप

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। सदर विकासखंड के सलखन मुनगा टोला स्थित हरहिया पहाड़ी पुलिया से बाबा गुप्ता के घर तक जिला पंचायत निधि से लगभग एक वर्ष पूर्व निर्मित करीब 150 मीटर लंबी पक्की नाली क्षतिग्रस्त हो गयी है। बरसात शुरू होने से पहले ही नाली के कई हिस्से टूट जाने से निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर जहां एक ओर ग्रामीण सवाल उठाने लगे हैं वहीं दूसरी ओर सरकारी धन में लूट-खसोट किए जाने का आरोप लगाया गया है। आरोप है कि नाली के क्षतिग्रस्त होने के कारण वर्षा का पानी सड़क पर बह रहा है, जिससे राहगीरों और स्थानीय लोगों को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जलजमाव की स्थिति बनने से दुर्घटना की भी आशंका भी बनी हुई है।

स्थानीय लोगों ने नाली निर्माण में मानक गुणवत्ता का पालन न किए जाने का आरोप लगाते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों और जिला प्रशासन से मामले की जांच कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते नाली की मरम्मत नहीं कराई गई तो बरसात के दौरान समस्या और गंभीर हो सकती है।ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से स्थल का निरीक्षण कराकर निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच कराने तथा दोषियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई करने के साथ ही क्षतिग्रस्त नाली की शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की है।

पत्रकार हितों को लेकर राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद की अहम बैठक; आयुष्मान कार्ड और टोल फ्री करने की उठी मांग

कलेक्टर परिसर में बैठक कक्ष और पत्रकारों के लिए विशेष बीमा व आयुष्मान योजना लागू करने की पुरजोर वकालत

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

ओबरा/ सोनभद्र। राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के बैनर तले रविवार को ओबरा स्थित कमला पेट्रोल टंकी के पास जिला कार्यालय पर एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में मुख्य रूप से वनांचल और ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरों तक मुस्तैदी से काम करने वाले पत्रकारों के हितों, उनकी सामाजिक सुरक्षा और फील्ड में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं पर गहन चर्चा की गई। बैठक के बाद संगठन द्वारा जिलाधिकारी और मंडलायुक्त को एक मांग पत्र (लेटर) प्रेषित कर शासन-प्रशासन से पत्रकार कल्याण के लिए त्वरित कदम उठाने की अपील की गई। बैठक को संबोधित करते हुए परिषद के जिला अध्यक्ष संतोष साहनी ने टोल प्लाजा की मनमानी और दूरी के नियमों का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। जिला अध्यक्ष ने कहा कि नियमानुसार दो टोल प्लाजा के बीच कम से कम 60 किलोमीटर की दूरी होनी चाहिए, लेकिन जिले में महज 30 किलोमीटर के दायरे के भीतर ही टोल प्लाजा स्थापित कर वसूली की जा रही है।रोजाना ग्रामीण अंचलों से लेकर जिला मुख्यालय तक त्वरित समाचार कवरेज (न्यूज कवरेज) के लिए दौड़ने वाले पत्रकारों से भी टोल वसूला जाता है, जिससे उनके कार्य में बाधा आती है। संगठन ने मांग की है कि कवरेज के दौरान जिले में आवागमन करने वाले सभी पत्रकारों को टोल प्लाजा से पूरी तरह मुक्त (फ्री) किया जाए।पत्रकारों को समाज का आईना बताते हुए वक्ताओं ने कहा कि पत्रकार अपनी जान जोखिम में डालकर सरकार की जनहितकारी योजनाओं को घर-घर पहुंचाते हैं और जनता की समस्याओं को शासन तक लाते हैं। ऐसे में सरकार को भी उनके हितों की रक्षा करनी चाहिए। प्रशासन से प्रमुख रूप से निम्नलिखित मांगें की गईं। सभी पत्रकारों और उनके परिवारों के लिए आयुष्मान भारत कार्ड अनिवार्य रूप से जारी किए जाएं ताकि उन्हें मुफ्त इलाज मिल सके। पत्रकारों की सुरक्षा के लिए अविलंब विशेष कानून लागू किया जाए और उनका सरकारी बीमा कराया जाए।जिला मुख्यालय (जिलाधिकारी कार्यालय) के समीप पत्रकारों के बैठने और आवश्यक चर्चा करने के लिए एक सर्व सुविधायुक्त मीडिया/बैठक कक्ष आवंटित किया जाए।इस महत्वपूर्ण बैठक में परिषद के संरक्षक व वरिष्ठ पत्रकार रामप्यारे सिंह ने भी पत्रकारों की सामाजिक सुरक्षा और कानून व्यवस्था को लेकर सरकार से पुरजोर मांग की। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने और पत्रकार उत्पीड़न के खिलाफ एकजुट रहने का संकल्प लिया गया। बैठक में सम्मिलित पदाधिकारी व सदस्य महासचिव अमरदीप सिंह, जिला प्रभारी अजीत सिंह, संगठन मंत्री विकास अग्रहरि, आईटी सेल प्रभारी अरविंद कुशवाहा, मीडिया प्रभारी कैलाश बिहारी, जिला सचिव मुकेश भारती, दिलीप कुमार दत्ता, जिला सचिव विजय कुमार शर्मा, तथा सदस्य शिशिर शर्मा सहित भारी संख्या में स्थानीय पत्रकार उपस्थित रहे।

नवागत एसडीएम का सीएचसी दुद्धी में औचक निरीक्षण

समाज जागरण/ अकबर अली

सोनभद्र। दुद्धी के नए उपजिलाधिकारी रवि कुमार ने रविवार को स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया, जिससे अस्पताल प्रशासन और स्वास्थ्य कर्मियों में हड़कंप मच गया।

कार्य प्रणाली पर संतोषः एसडीएम ने ड्यूटी पर तैनात महिला चिकित्सक डॉ. ऐमन अंसारी से मरीजों की देखभाल और इमरजेंसी सेवाओं की जानकारी ली और उनके काम पर संतोष जताया।

गंदगी पर जताई नाराजगीः अस्पताल परिसर और गैलरी में फैली गंदगी को देखकर एसडीएम ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की और सफाई व्यवस्था को लेकर जवाब-तलब किया।

अधीक्षक की अनुपस्थितिः उपस्थिति पंजिका (अटेंडेंस रजिस्टर) मांगने पर पता चला कि वह अधीक्षक के बंद केबिन में है। डॉ. ऐमन ने बताया कि उन्होंने खुद एक दिन पहले ही कार्यभार संभाला है और व्यवस्थाओं की सही जानकारी अधीक्षक डॉ. शाह आलम के आने पर ही मिल पाएगी। अस्पताल को हिदायतः अधीक्षक का ऑफिस बंद होने के कारण एसडीएम ने दोबारा आने की बात कही और ड्यूटी

पर तैनात स्टाफ (नर्स रीता कन्नौजिया, सरोज खान आदि) को अपने कर्तव्यों का सही से पालन करने की हिदायत देकर रवाना हो गए।

घोरावल पुलिस को मिली बड़ी सफलता, ₹25,000 का इनामिया एवं कई थानों में वांछित शातिर अपराधी गिरफ्तार

गैंगस्टर एक्ट, एनडीपीएस एक्ट एवं बीएनएस के कई अभियोगों में वांछित अभियुक्त प्रयागराज से गिरफ्तार

समाज जागरण/

घोरावल/ सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में वांछित एवं पुरस्कार घोषित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रुणवाल एवं क्षेत्राधिकारी घोरावल राजेश कुमार राय के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में थाना घोरावल पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है।थाना घोरावल पुलिस द्वारा ₹25,000 के पुरस्कार घोषित एवं जनपद सोनभद्र व अन्य जनपद के विभिन्न थानों में वांछित शातिर अपराधी राजेश सोनकर को गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त थाना शाहगंज पर पंजीकृत मु0अ0सं0-01/2026, धारा 3 (1) उत्तर प्रदेश गैंगस्टर एक्ट में वांछित था, जिसकी गिरफ्तारी हेतु माननीय न्यायालय द्वारा वारंट जारी किया गया था तथा उस पर ₹25,000 का पुरस्कार भी घोषित था।कृत कार्यवाही- वांछित अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु थाना घोरावल पुलिस द्वारा लगातार निगरानी, मुखबिर तंत्र एवं तकनीकी/सर्विलांस साक्ष्यों के आधार पर विभिन्न स्थानों पर दबिश दी जा रही थी। इसी क्रम में दिनांक 18.07.2026 को प्राप्त सटीक सूचना के आधार पर पुलिस टीम द्वारा शेरवानी लेगेसी, विनायक सेंट्रल पार्क, जनपद प्रयागराज से समय लगभग 19:30 बजे अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ एवं अभिलेखों के अवलोकन से ज्ञात हुआ कि गिरफ्तार अभियुक्त एक शातिर एवं अभ्यस्त अपराधी है, जो सोनभद्र, प्रयागराज एवं कौशाम्बी जनपदों के विभिन्न थानों में पंजीकृत गैंगस्टर एक्ट, एनडीपीएस एक्ट एवं भारतीय न्याय संहिता

(बीएनएस) के गंभीर अभियोगों में वांछित चल रहा था। अभियुक्त गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था।गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

ओबरा में युवाओं का अनूठा श्रमदान, नेताजी की प्रतिमा परिसर से दिया स्वच्छता और राष्ट्र चेतना का संदेश

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

ओबरा/ सोनभद्र। स्थानीय नगर के हनुमान मंदिर चौराहा स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा परिसर में रविवार को सोन चेतना सामाजिक संगठन के आह्वान पर युवाओं और सामाजिक कार्यकताओं ने सामूहिक श्रमदान कर स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान बिना किसी राजनीतिक दल के झंडे या नारेबाजी के नागरिकों ने स्वच्छता और राष्ट्रहित का संदेश दिया।

संगठन के संस्थापक अभिषेक अग्रहरी ने कहा कि युवाओं के भविष्य, शिक्षा व्यवस्था

की पारदर्शिता और परीक्षाओं की ईमानदारी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर समाज को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर एकजुट होने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अक्सर ऐसे गंभीर विषय राजनीतिक बहसों में उलझ जाते हैं, जिससे मूल समस्याएं पीछे छूट जाती हैं। उनका कहना था कि स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों का भारत बनाने के लिए शासन-प्रशासन को पारदर्शिता, जवाबदेही और नागरिकों के रचनात्मक सुझावों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यह अभियान किसी विरोध या राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के लिए नहीं, बल्कि सरकार तक सकारात्मक और रचनात्मक नागरिक संदेश पहुंचाने का प्रयास है। कार्यक्रम में सिद्धांत पटेल, विकास पाठक, रिजवान अहमद, इमरान खान,

जाहिद, परवेज अहमद, अंशु पटेल सहित नगर के अनेक सामाजिक कार्यकर्ता, जागरूक युवा एवं प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे।

शीशटोला जंगल में हथियारबंद बदमाशों का आतंक, सराफा व्यवसायी से 300 ग्राम सोना व 8 किलो चांदी लूटी

समाज जागरण/ अकबर अली

सोनभद्र। बभनी थाना क्षेत्र के शीशटोला जंगल में शनिवार शाम करीब 6:30 बजे सराफा व्यवसायी से लूट की वारदात हुई। हथियारबंद बदमाशों ने व्यवसायी से मारपीट की, फायरिंग की और चाकू से हमला कर लगभग 300 ग्राम सोना और 8 किलो चांदी के जेवरात लूट लिए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, चपकी, रघुनाथ नगर, छत्तीसगढ़ निवासी कुलधीर कुमार (पुत्र सीताराम सेठ) बाजार से दुकान का सामान लेकर घर लौट रहे थे। शीशटोला जंगल में शाम करीब 6:30 बजे अपाची बाइक पर सवार तीन बदमाशों ने उन्हें घेर लिया। बदमाशों ने कुलधीर से जेवरात का झोला मांगा। विरोध करने पर आरोपियों ने हवा में फायरिंग की और कुलधीर पर चाकू से तीन बार हमला किया, जिससे वे घायल हो गए। इसके बाद बदमाश उनका झोला छीनकर फरार हो गए। पीड़ित कुलधीर ने बताया कि झोले में लगभग 300 ग्राम सोना, 8 किलो चांदी के जेवरात और दुकान का खाता-बही था। हमले के बाद दो बदमाश पैदल जंगल की तरफ भागे, जबकि एक बदमाश मोटरसाइकिल से जिगनहवा की ओर फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल कुलधीर को उपचार के लिए भेजा। प्रभारी निरीक्षक डीपी यादव ने बताया कि लूट, मारपीट और फायरिंग का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। क्षेत्र में कांबिंग की जा रही है और सुराग जुटाए जा रहे हैं। पुलिस ने जंगल के रास्तों पर गश्त बढ़ा दी है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया है।

वही बभनी क्षेत्र में सराफा व्यापारी से हुई लूट की घटना के संबंध में क्षेत्राधिकारी दुद्धी विनय प्रभाकर साहनी ने बताया कि बभनी थाना क्षेत्र के चपकी निवासी कुलधीर कुमार, जो छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जनपद स्थित रघुनाथ नगर के साप्ताहिक बाजार में सोने-चांदी के आभूषण बेचने का कार्य करते हैं, शनिवार को बाजार से सामान बेचकर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान थाना बभनी क्षेत्र के शीशटोला गांव के पास शाम करीब 6:15 बजे तीन अज्ञात बदमाशों ने उनके साथ मारपीट की तथा धारदार हथियार से हमला कर दिया। बदमाश उनके पास मौजूद ज्वेलरी से भरा बैग एवं ₹40 हजार नकद लूटकर मौके से फरार हो गए। इस संबंध में थाना बभनी पर मुकदमा संख्या 158/2026 बीएनएस की धारा 309(6) सहित अन्य सुसंगत धाराओं में पंजीकृत किया गया है। घटना के अनावरण के

लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पांच पुलिस टीमों का गठन किया गया है। इसमें स्वाट एवं सर्विलांस टीमों को भी लगाया गया है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है और जल्द ही घटना के खुलासे का दावा किया है।

शक्तिनगर पुलिस ने चोरी का किया खुलासा , दो आरोपी गिरफ्तार

समाज जागरण/ अकबर अली

शक्तिनगर/ सोनभद्र। स्थानीय थाना पुलिस ने चोरी के एक मामले का सफलतापूर्वक खुलासा किया है। पुलिस ने इस संबंध में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से चोरी के चार लोहे के मोटर और कॉपर तार बरामद किए हैं। यह मामला शक्तिनगर थाने में मु.अ.सं. 132/2026, धारा 305 ई-बीएनएस के तहत दर्ज किया गया था। उपनिरीक्षक सदाशिव राय इस मामले की विवेचना कर रहे थे, और आरोपियों की लगातार तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में, 19 जुलाई 2026 को सुबह 03:32 बजे, शक्तिनगर पुलिस टीम ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद मामले में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान धानू सरदार (पुत्र सोहन सरदार, उम्र लगभग 24 वर्ष, निवासी राजकिशन कॉलोनी, शक्तिनगर, सोनभद्र, अस्थायी पता- ग्राम सोहदा, थाना कोतका, जनपद सिंहभूम, झारखंड) और रंजीत लागोरी (पुत्र सीमल लागोरी, उम्र लगभग 19 वर्ष, निवासी राजकिशन

कॉलोनी, शक्तिनगर, सोनभद्र, अस्थायी पता- ग्राम जयंतगढ़, थाना राजनगर, जनपद सिंहभूम, झारखंड) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 04 लोहे के मोटर और 01 मोटर का कॉपर तार बरामद किया है। इस गिरफ्तारी और बरामदगी को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक सतेंद्र कुमार राय, उपनिरीक्षक सदाशिव राय, मुख्य आरक्षी दिनेश भारती, आरक्षी सचिन तिवारी और आरक्षी कमल शामिल थे। शक्तिनगर पुलिस की इस त्वरित और प्रभावी कार्रवाई से चोरी की घटना का सफल अनावरण हुआ है।

एनसीएल के अधिकारियों और कर्मचारियों ने पुलिस की इस सफलता की सराहना करते हुए पुलिस के प्रति अपना विश्वास व्यक्त किया है। सोनभद्र जनपद पुलिस आमजन की सुरक्षा और अपराध नियंत्रण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। भविष्य में भी अपराधियों के खिलाफ इसी तरह की प्रभावी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

रायपुर पुलिस को मिली बड़ी सफलता, गोवध निवारण अधिनियम के अभियोग में वांछित अभियुक्त पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान तथा वांछित/पुरस्कार घोषित अपराधियों की गिरफ्तारी अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रुणवाल एवं क्षेत्राधिकारी सदर सुधीर कुमार सिंह के कुशल पर्यवेक्षण में थाना रायपुर पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना रायपुर पर पंजीकृत मु0अ0सं0-163/2025, धारा 109, 61(2) बीएनएस, 3/25 आर्म्स एक्ट एवं 3/5ए/5बी/8 गोवध निवारण अधिनियम से संबंधित वांछित अभियुक्त राजा कुरैशी उर्फ हासिन कुरैशी को मोबाइल एवं इलेक्ट्रॉनिक/सर्विलांस साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्त की लोकेशन पश्चिम बंगाल में प्राप्त होने पर थाना रायपुर पुलिस, थाना रामपुर बरकोनिया, थाना माँची एवं एस ओजी की संयुक्त टीम गठित की गई। संयुक्त पुलिस टीम द्वारा पश्चिम बंगाल पहुंचकर सफल कार्रवाई करते हुए अभियुक्त को दिनांक 17.07.2026 को समय 11:05 बजे थाना पण्डुआ, जनपद हुगली (पश्चिम बंगाल) क्षेत्रान्तर्गत जोईपुर रेलवे क्रासिंग के पास से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त को विधिक प्रक्रिया के तहत ट्रांजिट रिमांड पर जनपद सोनभद्र लाया गया तथा आज दिनांक 19.07.2026 को आवश्यक विधिक कार्रवाई पूर्ण करते हुए गिरफ्तार अभियुक्त राजा कुरैशी उर्फ हासिन कुरैशी पुत्र

- स्व० अब्दुल समद कुरैशीउम्र - लगभग 32 वर्ष, निवासी - ग्राम बलिहट्टा, थाना पण्डुआ, जनपद हुगली, पश्चिम बंगाल को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

फ्लोरोसिस प्रभावित क्षेत्रों में जल जीवन मिशन फ्लाप, ग्रामीणों ने किया जोरदार प्रदर्शन

समाज जागरण

सोनभद्र के नवसृजित विकास खंड कोन में जल जीवन मिशन के तहत संचालित हर्रा-कदरा ग्राम समूह पेयजल योजना पर ग्रामीणों ने गंभीर सवाल उठाते हुए जोरदार प्रदर्शन किया। फ्लोरोसिस प्रभावित क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध न होने से लोगों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों का आरोप है कि कार्यदायी संस्था विष्णु प्रकाश आर पुंगलिया लिमिटेड की लापरवाही और मनमानी के कारण करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद लोगों को आज भी

फ्लोराइड युक्त तथा नदी-नालों का दूषित पानी पीना पड़ रहा है। कई गांवों में नल कनेक्शन अधूरे हैं, जबकि कागजों में कार्य पूर्ण दशार्या गया है। ग्रामीणों का कहना है कि पाइपलाइन की गुणवत्ता और बिछाने के कार्य में भी गंभीर अनियमितताएं हुई हैं, जिससे आए दिन पाइप क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। कचनरवा, कुड़वा सहित लगभग 32 गांवों में वर्षों से नियमित जलापूर्ति ठप है। समाजसेवी गंगा प्रसाद यादव के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में ग्रामीणों ने जल निगम और कार्यदायी संस्था के खिलाफ नारेबाजी कर दोषियों पर कार्रवाई तथा संस्था को ब्लैकलिस्ट करने की मांग की। वहीं जल निगम के एई ममूर अली ने बताया कि मुख्य पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने से समस्या उत्पन्न हुई है, जिसे जल्द ठीक कर नियमित जलापूर्ति बहाल करने का प्रयास किया जा रहा है।

दुधारु पशु भैंस की विद्युत स्पशार्घात से हुई मौत, पशुपालक चिंतित परेशान

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र के गुरमा चौकी अंतर्गत गुरमा सीमेंट फैक्ट्री स्थित पीएसी कैंप के बगल में सुबह के वक्त जंगल चरने

जा रही पशुपालक राजेश कुमार मिश्रा पुत्र स्व. ऋषिराज मिश्रा निवासी मारकुंडी, कसहवा घाट की एक दुधारू पशु भैंस की विद्युत स्पशार्घात से तत्काल मौत हो गयी। इसके संबंध में पशुपालक द्वारा ग्रामप्रधान मारकुंडी, पशु चिकित्साधिकारी, क्षेत्रीय लेखपाल को अवगत करा दिया गया है। पशुपालक ने बताया कि सुबह तकरीबन 8 बजे दुधारू पशु भैंस कई अन्य पशुओं के साथ जंगल में चारा चरने जा

रही थी कि विद्युत तार मे प्रवाहित विद्युत की चपेट में आ गई। जिससे उसकी तत्काल मौके पर ही मौत हो गयी।इससे पशुपालक काफी चिंतित एवं परेशानहाल है।

वो 5 भारतीय फूड्स जिनकी विदेशों में भी है खूब डिमांड

यहां आपको कई तरह के फूड मिलते हैं, जो अपने अनोखे स्वाद के लिए जाने जाते हैं. चलिए आज इस आर्टिकल में आपको भारत के ऐसे 5 फूड बताते हैं जिनकी डिमांड विदेशों में भी बढ़ रही है. भारत में आपको खाने के कई ऑप्शन मिल जाएंगे. भारत के हर कोने में आपके अलग-अलग स्वाद मिल जाएगा. गुजरात का ढोकला, हैदराबाद की बिरयानी से लेकर बिहार के लिट्टी-चोखे तकज्हर राज्य का अपना जायका है.

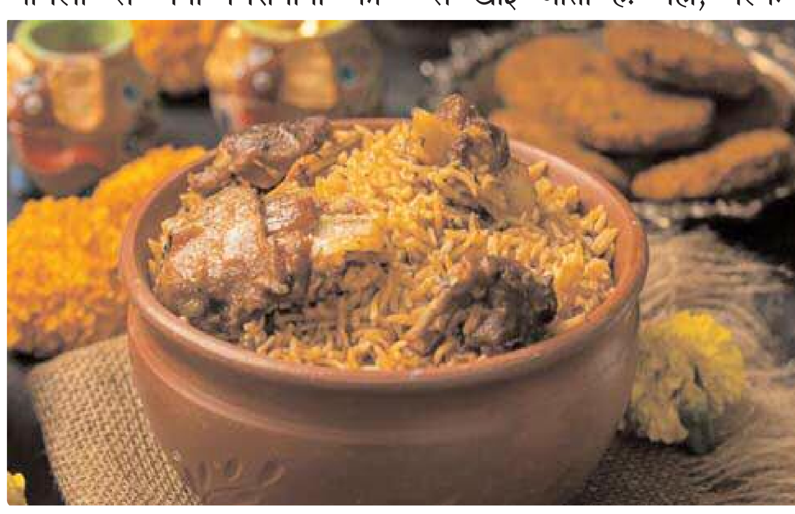

भारत में खाने के भी खूब शौकीन है. यहां चटपटा, मसालेदार और लजीज खाना खूब पसंद किया जाता है. समोसे लेकर जलेबी और बिरयानी का स्वाद हर किसी जुबान पर चढ़ा रहता है. भारत के कुछ फूड तो ऐसे हैं जिन्होंने विदेशों में भी अपनी पहचान बना ली हैं. चलिए जानते हैं ऐसे ही 5 भारतीय फूड्स के बारे में जिनकी विदेशों में भी खूब डिमांड है.

बटर चिकन की है खूब डिमांड

बटर चिकन भारत में खूब पसंद किया जाता है. लेकिन सिर्फ भारतीय ही नहीं बल्कि विदेशों में भी इसकी खूब डिमांड है. ये एक नॉर्थ इंडियन डिश है, जो क्रीमी और बटरी फ्लेवर की लिए जानी जाती है. इंग्लैंड और अमेरिका जैसे देशों में बटर चिकन काफी पसंद किया जाता है.

बिरयानी के भी है लोग दिवाने

लंबे-लंबे और खुशबूदार चावलों से बनी बिरयानी का स्वाद हर किसी को दीवाना बना देता है. भारत में हैदराबादी और मुरादाबादी बिरयानी बड़े शौक से खाई जाती है. वहीं, गल्फ देशों और यूरोप में भी बिरयानी के काफी शौकीन लोग हैं.

समोसा भी है लिस्ट में शामिल

समोसा भारतीय को फेवरेट स्ट्रीट फूड है. हर गली में आपको समोसा बिकता मिल जाएगा. शाम के नाश्ते में इसका स्वाद और बढ़ कर आता है. आलू, मटर और खड़े मसालों से भरा समोसा बेहद स्वादिष्ट लगता है. भारत के आलावा कनाडा, यूके और अमेरिका में भी समोसे की डिमांड अब बढ़ रही है.

मसाला चाय के शौकीन

भारत में तो चाय के बिना दिन ही अधूरा लगता है. कुछ लोगों की सुबह की शुरुआत ही चाय के साथ होती है. भारत में आपको कई तरह की चाय मिल जाएगी, जिसमें सबसे पॉपुलर है मसाला चाय. लेकिन सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि कई देशों में मसाला चाय को पसंद किया जा रहा है. इसे चाय लाटे के नाम से जाना जा रहा है.

दाल और नान की भी बढ़ रही डिमांड

विदेशों में इंडियन रेस्टोरेंट्स में लोग दाल तड़का और गरमा-गरम नान को जरूर ऑर्डर करते हैं. ये कॉम्बो इंडियन कंफर्ट फूड की तरह ग्लोबल फेवरेट बन चुका है.

नकली पनीर खाने से शरीर में क्या होता है? ऐसे करें पहचान

पनीर को सिर्फ वेजिटेरियन ही नहीं बल्कि नॉन वेज खाने वाले भी खूब पसंद करते हैं. पनीर से बनी डिशेज भी काफी स्वादिष्ट लगती हैं. चाहे फिर पनीर भुर्जी हो , शाही पनीर है या फिर चिल्ली पनीर. स्वाद होने के साथ ही इसमें प्रोटीन की भी काफी अच्छी मात्रा पाई जाती है. मसल गेन करने वाले प्रोटीन इनटेक पूरा करने के लिए पनीर का सेवन करते हैं. प्रोटीन के अलावा पनीर कैल्शियम, गुड फैट और विटामिन का भी अच्छा सोर्स है. शादी-पार्टी से लेकर आम दिनों में भी पनीर का खूब खाया जाता है.

लेकिन आज कल मार्केट में नकली पनीर भी आने लगा है. इस पनीर को बनाने में स्टार्च और कई तरह के केमिकल का इस्तेमाल किया जाता है. ऐसे में सवाल ये बनता है कि अगर नकली पनीर खा लिया जाए तो इससे शरीर पर क्या असर पड़ता है. चलिए इस आर्टिकल में एक्सपर्ट से जानते हैं नकली पनीर सेहत को क्या नुकसान पहुंचा है और हम कैसे असली नकली पनीर की पहचान कर सकते हैं.

कैसे बनता है नकली पनीर?

नकली पनीर तैयार करने के लिए बेकिंग सोडा, पाम ऑयल, मैदा और डिटर्जेंट जैसी चीजों का इस्तेमाल किया जाता है. वहीं कुछ मिलावट खोर तो पनीर बनाने के लिए कोलतार डाई, यूरिया और सल्फ्यूरिक एसिड तक जैसे खतरनाक केमिकल का इस्तेमाल करते हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचा सकती हैं. इसको लेकर हमने सीनियर डाइटिशियन फरेहा शानेम से बातचीत की. उन्होंने नकली पनीर का सेवन करने के बाद होने वाले नुकसान के बारे में विस्तार से बताया है.

नकली पनीर खाने से शरीर में क्या होता है?

दिल्ली के गंगाराम हॉस्पिटल की सीनियर डाइटिशियन फरेहा शानेम बताती हैं कि, नकली पनीर खाने से शरीर को क्या नुकसान पहुंचाता है डिपेंड करता है कि पनीर में किस चीज की मिलावट की गई है. अगर पनीर में हार्मफुल केमिकल मिलाए गए हैं तो सबसे पहले इसका असर हमारे डाइजेशन पर पड़ता है. इससे पेट खराब हो सकता है, डायरिया होना, उल्टी होना और ब्लोटिंग जैसी समस्याएं हो सकती हैं. इसके अलावा फूड प्वाइजनिंग होने का भी खतरा रहता है.

अगर पनीर में स्टार्च या डिटर्जेंट की मिलावट की गई है, तो स्किन एलर्जी जैसी समस्याएं हो सकती हैं. स्टार्च होने की वजह से वेट गेन, डायबिटीज और हार्ट हेल्थ को नुकसान पहुंच सकता है. वहीं, डिटर्जेंट का यूज हमारे ऑर्गन जैसे किडनी, लीवर को खराब कर सकता है. यूरिया या कार्सिक सोडा जैसे केमिकल वाला पनीर खा लेते हैं तो कैंसर तक होने का खतरा बढ़ जाता है.

हालांकि, अगर आपने नकली पनीर 1-2 ही खाया है तो ये शरीर को नुकसान नहीं पहुंचाएगा. लेकिन अगर लंबे समय तक पनीर का सेवन किया जाए तो शरीर को नुकसान पहुंच सकता है.

कैसे करें नकली पनीर की पहचान?

नकली पनीर की पहचान करना भी आसान है. आप कुछ तरीकों से घर पर ही इसकी पहचान कर सकते हैं. चलिए बताते हैं नकली पनीर को पहचाने के तरीके-

फ्लेम टेस्ट- एक पनीर का टुकड़ा लें और उसे गैस की धीमी आंच पर रख दें. अगर पनीर जलते समय केरोसिन या प्लास्टिक जैसी गंध छोड़ रहा है तो ये नकली है. इस पनीर में डिटर्जेंट या साबुन की मिलावट की गई है.

टेक्सचर टेस्ट- अपने हाथ में पनीर का टुकड़ा लें और इसे हल्के से दबाएं. अगर पनी बहुत ज्यादा हार्ड या रबड़ जैसा फील हो रहा है तो ये नकली पनीर हो सकता है. क्योंकि असली पनीर सॉफ्ट होता है.

चख कर देखें- पनीर को टेस्ट करके भी आप असली और नकली की पहचान कर सकते हैं. खाने में अगर पनीर का स्वाद खट्टा, ज्यादा चबाने वाला या फिर साबुन जैसा लगे तो इसमें मिलावट हो सकती है.

वाटर इमर्शन टेस्ट- अगर पनीर में स्टार्च या सिंथेटिक की मिलावट की गई है तो इसकी पहचान आप वाटर इमर्शन टेस्ट करके कर सकते हैं. एक गिलास में गर्म पानी लें और उसमें पनीर का टुकड़ा डालें. अगर पनीर पानी में घुल जाता है या सफेद झाग निकलता है समझ जाएं की पनीर नकली है.

तीसरे दिन भी उमड़ी मरीजों की भीड़, काले कंबल वाले बाबा के निःशुल्क आरोग्य शिविर में लगातार बढ़ रहा जनविश्वास

आठ दिवसीय शिविर में दूर-दराज से पहुंच रहे मरीज, स्वास्थ्य लाभ के लिए सुबह से लगी रही कतारें

प्रवीन गोदारा बोले— जनसेवा के उद्देश्य से आयोजित शिविर को क्षेत्रवासियों का मिल रहा भरपूर सहयोग

दैनिक समाज जागरण, जिला संवाददाता। (महेन्द्र जावला बहल)

लोहारू। काले कंबल वाले बाबा गणेश यादव के सानिध्य में अनाज मंडी रोड, लोहारू में आयोजित आठ दिवसीय निःशुल्क आरोग्य शिविर के तीसरे दिन भी मरीजों की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही क्षेत्र सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग उपचार एवं स्वास्थ्य परामर्श के लिए शिविर में पहुंचे। लगातार बढ़ रही भीड़ से स्पष्ट है कि शिविर के प्रति लोगों का विश्वास और उत्साह लगातार बढ़ रहा है। समाजसेवी एवं वरिष्ठ भाजपा नेता प्रवीन गोदारा हांसीवाले ने बताया कि बहल में आयोजित शिविर को मिले अभूतपूर्व सहयोग के

बाद क्षेत्रवासियों की मांग पर लोहारू में इस आरोग्य शिविर का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि तीसरे दिन भी बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने से यह साबित हो रहा है कि जनसेवा के इस प्रयास को जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि शिविर का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराना है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से शिविर में पहुंचकर स्वास्थ्य लाभ लेने की अपील की।

आयोजकों के अनुसार शिविर में गठिया, सर्वाइकल, उच्च रक्तचाप (बीपी), शुगर, लकवा, पोलियो, निसंतान दंपतियों की समस्याएं, जोड़ों के दर्द सहित विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का निःशुल्क परामर्श एवं उपचार किया जा रहा है।शिविर के दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता

प्रवीन गोदारा, भाजपा नेता कमलेश भोडूका, बहल पंचायत समिति के वाइस चेयरमैन रामचंद्र टांडी, शमशेर नेहरा (पाजू), श्यामलाल शर्मा (भिवानी), वीरेंद्र सोनी (शेरला), मास्टर दिनेश कुमार, सुशील डिशवाला, बलवान जांगड़ा, सतबीर चेहड़, पूर्व सरपंच रमेश पाजू, डॉ. सुमित कुमार (श्यामकला), रणसिंह गाढ़ा सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे तथा शिविर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

"माता रानी के नाम एक पेड़ लगाएं और उसकी देखभाल भी करें" : काले कंबल वाले बाबा शिविर के दौरान काले कंबल वाले बाबा गणेश यादव ने पंडाल में मौजूद भाई बहनों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

उन्होंने सभी से आह्वान किया कि इस मानसून में "माता रानी के नाम एक पौधा" अवश्य लगाएं और केवल पौधा लगाने तक ही सीमित न रहें, बल्कि उसकी नियमित देखभाल का संकल्प भी लें। बाबा ने कहा कि पेड़-पौधे प्रकृति का अमूल्य उपहार हैं। अधिक से अधिक पौधारोपण करने और उन्हें जीवित रखने से पर्यावरण संरक्षण के साथ आने वाली पीढ़ियों को भी स्वच्छ वातावरण मिलेगा। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से इस अभियान को जनआंदोलन बनाने की अपील की।

सैकड़ों क्षेत्रवासियों के साथ मड़वा घाटी पहुँचे समाजसेवी नीरज बड़ागाँव, धान रोपाई कर जताया विरोध

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी

पन्ना जिले की बहुप्रतीक्षित मड़वा घाटी सड़क निर्माण की मांग को लेकर आज समाजसेवी नीरज बड़ागाँव सैकड़ों क्षेत्रवासियों के साथ मड़वा घाटी पहुँचे। यहां उन्होंने क्षेत्रवासियों के साथ प्रतीकात्मक रूप से धान की रोपाई कर सड़क निर्माण में हो रही देरी के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन के दौरान क्षेत्रवासियों ने सड़क निर्माण में हो रही देरी को लेकर जोरदार नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने विधायक मुदार्बाद, सांसद मुदार्बाद, ठेकेदार मुदार्बाद तथा जिम्मेदार अधिकारियों मुदार्बाद के नारे लगाए और मड़वा घाटी सड़क का निर्माण कार्य तत्काल शुरू करने की मांग की।

इस दौरान समाजसेवी नीरज बड़ागाँव ने कहा, आखिर ठेकेदार किसके संरक्षण में काम कर रहा है? मड़वा घाटी का निर्माण कार्य वर्षों से बंद क्यों पड़ा है? विधायक मौन क्यों हैं? सांसद मौन क्यों हैं? क्षेत्र की जनता को यह बताया जाना चाहिए कि आखिर किन कारणों से मड़वा घाटी का निर्माण कार्य बंद पड़ा है। जनता जवाब चाहती है और जवाब मिलना ही चाहिए।

उन्होंने कहा कि वर्षों से अधूरे पड़े इस मार्ग के कारण क्षेत्र की जनता को 60 से 80 किलोमीटर तक अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है। इससे समय, धन और ईंधन की बबार्दी हो रही है तथा किसानों, विद्यार्थियों, मरीजों और आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही मड़वा घाटी सड़क का निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा

चोरी हुई साइकिल के बदले पुलिस ने दिलाई नई साइकिल, आवेदिका के चेहरे पर लौटी खुशी

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी

दमोह। इंसानियत की मिसाल पेश करते हुए दमोह पुलिस ने एक आवेदिका के पुत्र की चोरी हुई साइकिल के बदले उसे नई साइकिल दिलाई। जानकारी के अनुसार आवेदिका के पुत्र राकेश प्रजापति की साइकिल दमोह शहर स्थित साइकिल मंगल भवन मानस पाठ से चोरी हो गई थी। जनसुनवाई की शिकायत आवेदिका 60 वर्षीय लक्ष्मीबाई ने शिकायत की थी। जहां मामले में पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगि (भापुसे) और सीएसपी एचआर पांडे के मार्गदर्शन में कार्रवाई की गई। शुक्रवार को कोतवाली थाना का प्रभार संभाल रहे सब इंस्पेक्टर नीतेश जैन सहित पुलिस टीम ने आवेदिका के पुत्र को नई साइकिल दिलाई। नई साइकिल पाकर आवेदिका का चेहरा खुशी से खिल उठा और उन्होंने पुलिस का आभार व्यक्त किया।पुलिस की इस संवेदनशील पहल की शहर में सराहना हो रही है।

पर्यावरण संरक्षण हम सब की नैतिक जिम्मेदारी: महंत श्री राजेंद्र दास महाराज

दिव्य वाणी सत्संग में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़, नशामुक्ति और वृक्षारोपण का दिया संकल्प

दैनिक समाज जागरण, जिला संवाददाता। (महेन्द्र जावला बहल)

चरखी दादरी, 19 जुलाई। स्वामी नितानंद मिशन फाउंडेशन के तत्वावधान में आज जनता कॉलेज, चरखी दादरी में दिव्य वाणी सत्संग का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति

और आध्यात्मिकता के वातावरण में संपन्न हुआ। सत्संग में क्षेत्र से हजारों की संख्या में श्रद्धालु, समाजसेवी, युवा और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। साइकिल यात्रा से हुई शुरूआत कार्यक्रम का शुभारंभ रोज गार्डन, चरखी दादरी से नशा मुक्त भारत अभियान के तहत निकाली गई साइकिल जागरूकता रैली से हुआ। इस रैली को तपोभूमि जटेला धाम आश्रम, माजरा, झज्जर के पीठाधीश्वर श्री महंत स्वामी राजेंद्र दास जी महाराज ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सैकड़ों युवाओं ने "नशे को ना कहें, जीवन को हां कहें" के नारे के साथ शहर में जागरूकता का संदेश दिया।

सत्संग में दिए गए मुख्य संदेश

सत्संग को संबोधित करते हुए महंत श्री राजेंद्र दास महाराज ने कहा कि मानव जीवन की सार्थकता सेवा, सत्संग और सदाचार में है। उन्होंने कहा कि आज समाज दिशाहीनता, तनाव और नशे की चपेट में है। ऐसे में श्रीमद्भगवद्गीता , स्वामी नितानंद महाराज की दिव्य वाणी और संतों के उपदेश ही युवाओं को सही मार्ग दिखा सकते हैं। महाराज जी ने पर्यावरण संरक्षण पर बल देते हुए कहा कि "पर्यावरण संरक्षण हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है। प्रकृति ही हमारा जीवन है। हमें अधिक से अधिक वृक्ष लगाने चाहिए, जल और अन्य प्राकृतिक संसाधनों का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए तथा सभी जीवों के साथ प्रेम और मैत्री का भाव रखना चाहिए।" उन्होंने युवाओं से विशेष आह्वान किया कि वे नशा मुक्त भारत अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें। नशा न केवल व्यक्ति और परिवार को बर्बाद करता है बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र को खोखला कर देता है। नशे से दूर रहकर ही हम स्वस्थ, संस्कार युक्त और विकसित भारत का निर्माण कर सकते हैं। वृक्षारोपण और संकल्प कार्यक्रम के दौरान "आओ मिलकर धरती को हरा-भरा बनाएं" के संकल्प के साथ परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने पर्यावरण की रक्षा और नशामुक्त समाज बनाने का सामूहिक संकल्प लिया।हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन' के पूर्व चेयरमैन गोबिंद भारद्वाज ने आश्रम द्वारा अध्यात्म, योग,आयुर्वेद, पर्यावरण संरक्षण,नशा मुक्ति पर संचालित कार्यक्रमों की सराहना की। योगी चांद सिंह ने भी श्रृद्धालुओं को संबोधित किया।

आयोजकों का आभार

स्वामी नितानंद मिशन फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने बताया कि इस तरह के आयोजन समाज में नैतिक और आध्यात्मिक चेतना जगाने के लिए समय-समय पर किए जाएंगे। स्वामी नितानंद मिशन फाउंडेशन के स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी अतिथियों, श्रद्धालुओं, प्रशासन, पुलिस, मीडिया प्रतिनिधियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन भजन-कीर्तन और प्रसाद एवं पौधा वितरण के साथ हुआ।

नशा मुक्त भारत अभियान की ब्रांड एंबेसडर साइक्लिस्ट स्वीटी मालिक ने साइकिल यात्रा की अगुवाई की। जनता कॉलेज के एनएसएस सेल के स्वयंसेवकों ने नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी और कार्यक्रम में सहभागिता की। कार्यक्रम में मंच संचालन प्रो यशवीर सिंह ने किया। इस अवसर पर हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन' के पूर्व चेयरमैन गोबिंद भारद्वाज, योगी चांद सिंह, बाबू जीतराम गुप्ता, जिला कार्यवाह तकदीर महाराणा, नगर परिषद चेयरमैन बक्शी सैनी,प्रवीन स्वामी,ऋषि शर्मा पीआरओ, राजू रानिला,स्वरूप सिंह,श्रीमती मंजू, रश्मि मल्होत्रा,सुनीता,अजय सैनी, नरेंद्र सिंह,ब्रह्मानंद चिड़िया , एनएसएस अधिकारी डॉ रोशन लाल, डॉ प्रेमलता,अक्षय महराणा, जयप्रकाश महराणा, अनेक गणमान्य लोगों सहित हजारों श्रद्धालु एवं युवा उपस्थित रहे।

नोएडा पंजाबी समाज एवं आरडब्ल्यूए सेक्टर-55 के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन

समाज जागरण

नोएडा। नोएडा पंजाबी समाज, आरडब्ल्यूए सेक्टर-55 एवं मैक्स हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में रविवार, 19 जुलाई 2026 को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक सेक्टर-55, नोएडा में एक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। शिविर में मैक्स हॉस्पिटल के अनुभवी चिकित्सकों एवं चिकित्सा टीम द्वारा उपस्थित लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श भी प्रदान किया गया। स्थानीय नागरिकों एवं समाज के सदस्यों ने इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाया।

इस अवसर पर नोएडा पंजाबी समाज के अध्यक्ष श्री राजीव अजमानी, महासचिव श्री रणधीर सिंह, संरक्षक श्री हरजीत सिंह साहनी, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट श्री सूरज वर्मा, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट श्री वी.के. सेठ, श्री टी.एस. अरोड़ा, श्री नीटू सब्बरवाल, श्री रजनीश चोपड़ा, श्री उमेश भामरी सहित संस्था के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में रेसिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन, सेक्टर-55 के अध्यक्ष श्री सतनारायण गोयल, महासचिव श्री नीरज शर्मा, कोषाध्यक्ष श्री राकेश शर्मा तथा आरडब्ल्यूए के अन्य पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भी अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई और स्वास्थ्य शिविर का लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर नोएडा पंजाबी समाज के अध्यक्ष श्री राजीव अजमानी ने कहा कि समाज का उद्देश्य केवल सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि जनसेवा एवं स्वास्थ्य जागरूकता के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग तक उपयोगी सेवाएँ पहुँचाना भी है। उन्होंने इस सफल आयोजन में सहयोग के लिए मैक्स हॉस्पिटल, आरडब्ल्यूए सेक्टर-55, सभी चिकित्सकों, पदाधिकारियों, स्वयंसेवकों एवं उपस्थित नागरिकों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

महासचिव श्री रणधीर सिंह ने कहा कि भविष्य में भी नोएडा पंजाबी समाज इसी प्रकार के जनहित एवं सामाजिक सेवा से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर करता रहेगा, जिससे अधिक से अधिक लोगों को लाभ मिल सके।

रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने रामनगर-देहरादून एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

रामनगर और देहरादून के बीच पहली सीधी एक्सप्रेस ट्रेन से उत्तराखंड के कुमाऊं और गढ़वाल क्षेत्रों के बीच संपर्क उत्तम होगा

हरिद्वार और देहरादून स्टेशनों के पुनर्विकास में भीड़भाड़ बढ़ाए बिना गरीब और मध्यम वर्ग के यात्रियों के लिए उत्तम सुविधाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाएगाः श्री अश्विनी वैष्णव उत्तराखंड में रेल क्षमता बढ़ाने के लिए ऋषिकेश रेलवे स्टेशन को फीडर स्टेशन के रूप में विकसित किया जाएगाः केंद्रीय रेल मंत्री

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन का काम तेजी से चल रहा है, यह उत्तराखंड के सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक और पर्यटन विकास के लिए जीवन रेखा बनेगीः श्री पुष्कर सिंह धामी रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज वर्चुअल माध्यम से रामनगर-देहरादून एक्सप्रेस की पहली सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके साथ ही रामनगर और देहरादून को जोड़ने वाली पहली सीधी एक्सप्रेस ट्रेन की शुरूआत हुई। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस अवसर पर उपस्थित हुए। यह नई ट्रेन इस क्षेत्र के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा किया है और यह उत्तराखंड के कुमाऊं और गढ़वाल क्षेत्रों के बीच रेल संपर्क को काफी मजबूत करेगी। एक्सप्रेस ट्रेन हर बुधवार और शुक्रवार को चलेगी। ट्रेन संख्या 15310 रामनगर से सुबह 5:50 बजे प्रस्थान करेगी और दोपहर 12:40 बजे देहरादून पहुंचेगी। वापसी यात्रा में, ट्रेन संख्या 15309 देहरादून से दोपहर 15:55 बजे प्रस्थान करेगी और रात 23:30 बजे रामनगर पहुंचेगी। यह ट्रेन रास्ते में काशीपुर, रोशनपुर, पिपल्सना, मुरादाबाद, नजीबाबाद और हरिद्वार स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी सेकंड क्लास, एसी थर्ड क्लास, एसी चेयर कार, स्लीपर क्लास, सेकंड सिटिंग और जनरल सेकंड क्लास के कोच होंगे, जो विभिन्न श्रेणियों के यात्रियों के लिए आरामदायक यात्रा विकल्प प्रदान करेंगे। यह नई सेवा उत्तराखंड के नैनीताल, उधम सिंह नगर, हरिद्वार और देहरादून जिलों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद और बिजनौर जिलों के निवासियों को लाभ पहुंचाएगी, जिनमें छात्र, किसान, व्यापारी और समाज के सभी वर्गों के लोग शामिल हैं। इससे देहरादून और हरिद्वार के लिए सुविधाजनक एक ही दिन में कनेक्टिविटी मिलेगी, जिससे यात्री घर लौटने से पहले अपने आधिकारिक,शैक्षणिक, व्यावसायिक और व्यक्तिगत कार्यों को पूरा कर सकेंगे।

इस ट्रेन से क्षेत्र में पर्यटन और तीर्थयात्रा को बढ़ावा मिलने की भी आशा है। इससे जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान, रामनगर के पास कोसी नदी के बीच एक विशाल चट्टान पर स्थित गिरिजा देवी मंदिर और सीतामढ़ी/सीतावनी के प्राचीन धार्मिक स्थलों तक उत्तम कनेक्टिविटी मिलेगी। इसके अलावा, हरिद्वार और देहरादून से आगे की कनेक्टिविटी के माध्यम से यात्रियों को बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनात्री सहित चार धाम तीर्थयात्रा मार्ग तक पहुंचना अधिक सुविधाजनक होगा।

श्री वैष्णव ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि रामनगर-देहरादून एक्सप्रेस उत्तराखंड के कुमाऊं और गढ़वाल क्षेत्रों के बीच रेल संपर्क को मजबूत करेगी। यह दोनों शहरों के बीच चलने वाली पहली सीधी एक्सप्रेस ट्रेन है और इससे उत्तराखंड के लोगों को तेज, अधिक सुविधाजनक और विश्वसनीय रेल संपर्क मिलने की आशा है।

उन्होंने यह भी बताया कि हरिद्वार पर दबाव कम करने के लिए ऋषिकेश रेलवे स्टेशन को फीडर स्टेशन के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए एक मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है, जिसमें अतिरिक्त क्षमता सृजित करना और हरिद्वार और ऋषिकेश आने-जाने वाले यात्रियों के लिए कनेक्टिविटी में सुधार करना शामिल है। श्री वैष्णव ने इस बात पर प्रकाश डाला कि उत्तराखंड में रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास तेजी से प्रगति कर रहा है। उन्होंने आगे बताया कि राज्य में 11 स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है, जिनमें देहरादून, हरिद्वार जंक्शन, हरार्वाला, काशीपुर जंक्शन, किच्छा, कोटद्वार, रुड़की, काठगोदाम, लाल कुआं जंक्शन, रामनगर और टनकपुर शामिल हैं।

रेल मंत्री ने कहा कि हरिद्वार और देहरादून स्टेशनों के पुनर्विकास की योजना इस प्रकार बनाई जा रही है कि गरीब और मध्यम वर्ग के यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है, साथ ही यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि भीड़भाड़ न बढ़े। रेल से जुड़ी अन्य पहलों के बारे में बताते हुए, श्री वैष्णव ने बताया कि हाल ही में शुरू की गई टनकपुर-नांदेड़ एक्सप्रेस को अच्छा रिस्पॉन्स मिला है और इस इलाके में वंदे भारत सेवाएं भी अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि रामनगर-देहरादून एक्सप्रेस का शुभारंभ उत्तराखंड में रेल संपर्क को मजबूत करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने नई रेल सेवा शुरू होने पर राज्य के लोगों को बधाई दी और इस पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने यह भी बताया कि उत्तराखंड में रेल संपर्क में हाल के वर्षों में काफी सुधार हुआ है और राज्य भर में कई नई रेल सेवाएं शुरू की गई हैं। श्री धामी ने कहा कि ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन पर काम तेजी से आगे बढ़ रहा है और यह उत्तराखंड के सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक और पर्यटन विकास के लिए जीवन रेखा साबित होगी।

इसके अलावा, श्री धामी ने बताया कि उत्तराखंड को रेलवे के लिए रिकॉर्ड 4,769 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है, जबकि राज्य में 40,000 करोड़ रुपये से अधिक की रेलवे परियोजनाएं वर्तमान में कार्यान्वयन के अधीन हैं। हरिद्वार में रेलवे विकास का जिक्र करते हुए श्री धामी ने कहा कि आगामी कुंभ महोत्सव को देखते हुए कई बुनियादी ढांचा परियोजनाएं और ट्रेन सेवाएं शुरू करने की योजना बनाई जा रही है।

हरिद्वार निर्वाचन क्षेत्र के सांसद श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, गढ़वाल निर्वाचन क्षेत्र के सांसद अनिल बलुनी और वरिष्ठ रेलवे अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में शामिल हुए।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में जूमागाछ बॉर्डर आउटपोस्ट पर सीमा सुरक्षा को और सुदृढ़ करने वाली स्वदेशी और अत्याधुनिक तकनीकों का अवलोकन किया

केन्द्रीय गृह मंत्री ने रेडियो आधारित बाड़ भेदन पहचान प्रणाली का अवलोकन किया, जिससे सीमा पर लगी बाड़ में छेड़छाड़ पर पूर्व-रिकॉर्डेड संदेश के प्रसारण द्वारा जवानों को तत्काल सजग किया जाता है केन्द्रीय गृह मंत्री ने लगभग 77 करोड़ रूपए की लागत वाली इरऋ की परियोजनाओं का ई-शिलान्यास किया केन्द्रीय गृह मंत्री ने प्रहरी सम्मेलन के दौरान इरऋ के जवानों के साथ संवाद किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार देश की सभी सीमाओं को अभेद्य बनाने के प्रति कटिबद्ध है मोदी सरकार स्मार्ट बॉर्डर के कॉन्सेप्ट के साथ सीमाओं को चाकचौबंद बनाने के लिए चतुष्कोणीय सुरक्षा ग्रिड का निर्माण कर रही है गृह मंत्री ने पश्चिम बंगाल में सीमा संबंधी मुद्दों पर बैठक की

श्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल में तीन नए कानूनों के पूर्ण क्रियान्वयन और राज्य में जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण के संबंध में भी बैठक की

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में जूमागाछ बॉर्डर आउटपोस्ट पर सीमा सुरक्षा को और सुदृढ़ करने वाली स्वदेशी और अत्याधुनिक तकनीकों का अवलोकन किया। केन्द्रीय गृह मंत्री ने रेडियो आधारित बाड़ भेदन पहचान प्रणाली का अवलोकन किया, जिससे सीमा पर लगी बाड़ में छेड़छाड़ पर पूर्व-रिकॉर्डेड संदेश के प्रसारण द्वारा जवानों को तत्काल सजग किया जाता है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने 47 करोड़ रूपए की लागत वाली इरऋकी 3 परियोजनाओं का ई-शिलान्यास भी किया। इसके साथ ही, गृह मंत्री ने पश्चिम बंगाल में सीमा सुरक्षा की 2 सीमा चौकियों के लिए नवअधिग्रहित भूमि पर 30 करोड़ रूपए की लागत से 4 किलोमीटर लंबी सीमा तारबंदी निर्माण योजना का ई-शिलान्यास किया। केन्द्रीय गृह मंत्री ने प्रहरी सम्मेलन के दौरान इरऋ के जवानों के साथ संवाद किया। इस अवसर पर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री, केन्द्रीय गृह सचिव, आसूचना ब्यूरो (IB) के निदेशक और सीमा सुरक्षा बल (BSF) के महानिदेशक सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। केन्द्रीय गृह मंत्री ने नदी-नाले वाले दुर्गम इलाकों या सीमा पर लगी बाड़ के बीच के खुले हिस्सों को सुरक्षित बनाने के लिए लगाए गए इन्फ्रा-रेड अलार्म सिस्टम को भी देखा, जो इन्फ्रा-रेड किरणों के बीच अवरोध आते ही जवानों को खतरे की अग्रिम चेतावनी देता है। श्री अमित शाह ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर नागरिकों और किसानों की आवाजाही को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए तैयार गेट मैनेजमेंट सिस्टम को भी देखा। इसके साथ ही श्री अमित शाह ने वॉच टावर का दौरा किया, पौधारोपण किया और प्रहरी सम्मेलन में जवानों के साथ संवाद किया।

इस अवसर पर केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार देश की सभी सीमाओं को अभेद्य बनाने के प्रति कटिबद्ध है। मोदी सरकार सीमाओं को चाकचौबंद बनाने के लिए चतुष्कोणीय सुरक्षा ग्रिड का निर्माण कर रही है। उन्होंने कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा कर रहे सुरक्षाबलों के जवानों और उनके परिजनों का कल्याण मोदी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्मार्ट बॉर्डर के कॉन्सेप्ट के साथ देश की सीमाओं को पूरी तरह से सुरक्षित बनाने और सीमांत क्षेत्रों में घुसपैठ रोकने पर मोदी सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि चतुष्कोणीय सुरक्षा ग्रिड सबसे पहले बंगाल में जमीनी स्तर पर लागू किया जाएगा। श्री शाह ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े लंबित इंफ्रास्ट्रक्चर कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाएगा।

सिलीगुड़ी में गृह मंत्री श्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल में सीमा संबंधी मुद्दों पर बैठक की। उन्होंने पश्चिम बंगाल में तीन नए कानूनों के पूर्ण क्रियान्वयन और राज्य में जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण के संबंध में भी बैठक की।

एएलएमएम नीति में कोई बदलाव नहीं, केंद्र ने चुनिंदा सौर परियोजनाओं के लिए दिसंबर 2026 तक राहत अवधि बढ़ाई

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने नेट-मीटरिंग और ओपन एक्सेस नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए एएलएमएम सूची-II से सीमित छूट को 31 दिसंबर 2026 तक बढ़ा दिया है नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने निर्णय लिया है कि सौर पीवी सेल के लिए अनुमोदित मॉडल एवं निमार्ता सूची (एएलएमएम) सूची-क्क के कार्यान्वयन के संबंध में भारत सरकार की नीति में कोई परिवर्तन नहीं होगा और सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए एएलएमएम सूची-II की प्रयोज्यता में कोई व्यापक विस्तार प्रदान नहीं किया जाएगा। हालांकि नेट-मीटरिंग परियोजनाओं और ओपन एक्सेस नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए एक सीमित अवधि प्रदान की जा रही है जिसके अंतर्गत ऐसी परियोजनाएं 31 दिसंबर 2026 तक एएलएमएम सूची-II (सौर पीवी सेल के लिए) से छूट के साथ चालू हो सकती हैं। इससे पहले नेट-मीटरिंग परियोजनाओं और ओपन एक्सेस नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के सीमित खंड के लिए यह छूट 31 मई 2026 तक उपलब्ध थी।

यह कदम स्वतंत्र सौर पीवी मॉड्यूल निमार्ताओं को भी अतिरिक्त मांग पैदा करके इन्वेंट्री के रूप में किए गए निवेश की सुरक्षा प्रदान करके उनकी मदद करेगा। इससे उन्हें एएलएमएम सूची-II में सूचीबद्ध सौर सेल निमार्ताओं से सौर सेल की सोर्सिंग को प्रभावी ढंग से बढ़ाने से पहले पर्याप्त समय भी मिलेगा, क्योंकि एएलएमएम सूची-II में सौर सेल क्षमता लगातार बढ़ रही है।

यह निर्णय सौर उद्योग के विभिन्न हितधारकों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श के परिणामस्वरूप लिया गया है